खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । मंगलवार, 20 अक्टूबर, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । Epaper : https://epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 12 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-288

हत्या की साज़िश

कोटा से तीनों शूटर गिरफ्तार, दो हरियाणा और एक बिहार का निवासी

मुंबई, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर हमले के मामले में मुंबई पुलिस ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर अहम जानकारी दी। मुंबई पुलिस के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) ने बताया कि जिस तरह से गोलियां चलाई गईं, उससे स्पष्ट होता है कि आरोपी हत्या की योजना बनाकर आए थे। उधर, टाइगर श्रॉफ की कार पर फायरिंग करने वाले तीनों हमलावरों को घटना के करीब 15 घंटे के भीतर राजस्थान के कोटा रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार कर लिया गया। टाइगर पर रविवार शाम करीब 7 बजे हमला किया गया था। आरोपी जयपुर और दिल्ली के रास्ते नेपाल भागने की तैयारी में थे। मुंबई पुलिस से सूचना मिलने के बाद कोटा पुलिस ने सोमवार सुबह 10:30 बजे रेलवे स्टेशन से उन्हें पकड़ लिया।

कोटा की पुलिस अधीक्षक (एसपी) तेजस्विनी गौतम के मुताबिक, तीनों आरोपी पुणे-जयपुर एक्सप्रेस से जयपुर जा रहे थे। उन्हें ट्रेन के सामान्य डिब्बे से हिरासत में लिया गया। उनके पास से कोई हथियार बरामद नहीं हुआ है।

पुलिस के मुताबिक, लॉरेंस गैंग के अनिल पंडित ने हमले का कॉन्ट्रैक्ट दिया था। अनिल ने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर हमले की जिम्मेदारी लेने का दावा किया है।

मुंबई नहीं ले जाए गए तीनों आरोपी

सुरक्षा कारणों और एहतियात को ध्यान में रखते हुए पुलिस ने तीनों आरोपियों को रात के समय मुंबई ले जाने का फैसला फिलहाल टाल दिया है। कुछ दूर जाने के बाद पुलिसकर्मी आरोपियों को लेकर वापस थाने लौट आए।फिलहाल तीनों आरोपियों को कोटा के रेलवे कॉलोनी पुलिस थाने में कड़ी सुरक्षा के बीच रखा गया है। सुरक्षा व्यवस्था इतनी चाक-चौबंद है कि थाने के बाहर भारी पुलिस बल और कमांडो तैनात किए गए हैं। इसके चलते पूरे इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, रात के अंधेरे में किसी भी संभावित जोखिम से बचने के लिए यह कदम उठाया गया है। अब संभावना जताई जा रही है कि तड़के सुबह या दिन निकलते ही कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच तीनों आरोपियों को ट्रांजिट रिमांड पर मुंबई ले जाया जाएगा। कोटा रेलवे स्टेशन से पकड़े गए इन आरोपियों से मुंबई पहुंचने के बाद वारदात के कथित मुख्य षड्यंत्रकारियों और हथियारों के स्रोतों को लेकर गहन पूछताछ की जाएगी।

तीनों आरोपी बालिग

तीनों आरोपियों को सोमवार सुबह राजस्थान के कोटा रेलवे स्टेशन पर पुणे-जयपुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस के सामान्य डिब्बे से पकड़ा गया था। मुंबई पुलिस ने स्पष्ट किया कि गिरफ्तार किए गए तीनों आरोपी नाबालिग नहीं हैं। इनमें से एक की उम्र 18 वर्ष, जबकि बाकी दो की उम्र 22-22 वर्ष है।

मुंबई पुलिस को उन्हें महाराष्ट्र ले जाने के लिए ट्रांजिट रिमांड भी मिल चुकी थी। पुलिस के मुताबिक, वारदात के बाद आरोपी सूरत की ओर भागे और फिर जयपुर जाने वाली ट्रेन में सवार हो गए। वे कथित तौर पर जयपुर से बस के जरिए दिल्ली और फिर नेपाल जाने की योजना बना रहे थे।

20 विशेष टीमें गठित

मुंबई पुलिस के मुताबिक, वारदात के बाद आरोपियों की तलाश के लिए अपराध शाखा की 20 विशेष टीमें गठित की गई थीं। तकनीकी निगरानी और दूसरे राज्यों की पुलिस से मिले सहयोग के आधार पर आरोपियों की गतिविधियों का पता लगाया गया। ▶10 पर

गैंगवार की आहट

दाऊद के दौर की याद दिला रहा लॉरेंस गैंग का खौफ! जेल में बंद गैंगस्टर का नेटवर्क कैसे सक्रिय

मुंबई, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। बॉलीवुड की हस्तियां अलग-अलग हैं, लेकिन दहशत फैलाने का तरीका एक जैसा नजर आता है। सलमान खान से लेकर टाइगर श्रॉफ तक, फिल्मी दुनिया से जुड़ी हस्तियों को निशाना बनाए जाने की घटनाओं ने एक बार फिर मुंबई में अंडरवर्ल्ड के पुराने दौर की यादें ताजा कर दी हैं। कभी दाऊद इब्राहिम की डी-कंपनी के नाम से खौफ खाने वाली मायानगरी में अब लॉरेंस बिश्नोई गिरोह का नाम बार-बार सामने आ रहा है।

सबसे बड़ा सवाल यही है कि लॉरेंस बिश्नोई करीब एक दशक से जेल में बंद होने के बावजूद कथित तौर पर देश-विदेश में सक्रिय नेटवर्क से कैसे जुड़ा रह सकता है? टाइगर श्रॉफ से जुड़े गोलीकांड ने इस सवाल को और गंभीर बना दिया है। सलमान खान को सुरक्षा के कड़े इंतजामों के बीच रहना पड़ रहा है। उनकी सुरक्षा को लेकर सामने आई चिंताओं के केंद्र में भी लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़ी धमकियां रही हैं।

जिस मुंबई में कभी दाऊद इब्राहिम की दहशत की चर्चा होती थी, आज उसी मुंबई में लॉरेंस गिरोह का खौफ चर्चा का विषय बना हुआ है। हालांकि, किसी भी वारदात में गिरोह की वास्तविक भूमिका और उसके पीछे मौजूद लोगों की पहचान जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकती है। सवाल यह है कि क्या 1990 के दशक का डर मुंबई में फिर लौट रहा है?

अंडरवर्ल्ड का दौर

याद कीजिए 1990 का दशक, जब मुंबई का अंडरवर्ल्ड बॉलीवुड पर अपना दबदबा बनाने की कोशिश करता था। दाऊद इब्राहिम की डी-कंपनी, छोटा राजन और अरुण गवली जैसे गिरोहों के नाम फिल्म उद्योग से जुड़े कई विवादों और आपराधिक घटनाओं में सामने आते थे। फिल्मों की रिलीज, कलाकारों के चयन और पैसों के लेन-देन तक में आपराधिक गिरोहों के हस्तक्षेप की खबरें आती थीं। गैंगस्टर फिल्मों में पैसा लगाते, कलाकारों को दुबई बुलाकर धमकाते और विरोध करने वालों पर हमले किए जाने की घटनाएं भी सामने आती थीं।

▶10 पर

दशहरा की बधाई और हार्दिक शुभकामनाएं

सभी सुधी पाठकों, एजेंटों, हॉकरों, विज्ञापनदाताओं, विज्ञापन एजेंसियों व शुभचिंतकों को **शुभ-लाभ** की ओर से असत्य पर सत्य की जीत के पर्व **दशहरा** की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ।

प्रबंधक

अवकाश-सूचना

दशहरा के उपलक्ष्य में शुभ-लाभ कार्यालय में मंगलवार दि. 20 अक्टूबर, 2026 को **अवकाश** रहेगा। शुभ-लाभ का अगला अंक गुरुवार दि. 22 अक्टूबर 2026 को आपके समक्ष प्रस्तुत होगा।

-प्रबंधक

कार्टून कॉर्नर

सऊदी की सुरक्षा पर सवाल

हूती हमलों के बीच पाकिस्तान का 'हर मदद' का दावा, यमन में 53 सैनिकों की मौत

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (एजेंसियां)। हूती विद्रोहियों के बढ़ते हमलों के बीच पाकिस्तान ने सऊदी अरब की संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और पवित्र स्थलों की रक्षा के लिए हर जरूरी मदद देने का दावा किया है। पाकिस्तानी सेना के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने कहा कि सऊदी अरब की संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और दो पवित्र मस्जिदों की सुरक्षा पाकिस्तान के लिए सर्वोपरि है और इस मामले में कोई समझौता नहीं किया जा सकता। रविवार को अरबी भाषा के डिजिटल समाचार पत्र 'इंडिपेंडेंट अरबिया' को दिए साक्षात्कार में लेफ्टिनेंट जनरल चौधरी ने कहा कि इसके लिए जो भी मदद जरूरी है, वह दी जा रही है और आगे भी दी जाती रहेगी। हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि सहायता किस स्वरूप में दी जा रही है और उसका दायरा कितना व्यापक है।

दूसरी ओर, यमन में हूती विद्रोहियों और सऊदी समर्थित सरकारी बलों के बीच संघर्ष जारी है। सोमवार को हूती विद्रोहियों ने शबवा में एक सैन्य प्रशिक्षण केंद्र को निशाना बनाया। इस हमले में 53 सैनिकों की मौत होने की खबर है। इसी दिन रियाद पर भी मिसाइल हमले किए जाने की खबरें सामने आईं। इन घटनाओं ने सऊदी अरब की सुरक्षा और उसके सहयोगी देशों के रक्षा सहयोग की प्रभावशीलता पर सवाल खड़े किए हैं।

यह स्थिति ऐसे समय में सामने आई है, जब सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच रक्षा सहयोग की व्यवस्था को लेकर चर्चा हो रही है। ▶10 पर

सऊदी में फांसी से संकट

सऊदी अरब में दो बांग्लादेशी नागरिकों को मौत की सजा दिए जाने के बाद दोनों देशों के बीच कूटनीतिक तनाव पैदा हो गया है। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, बांग्लादेशी अधिकारियों का कहना है कि मक्का के पवित्र शहर में दो बांग्लादेशी नागरिकों को दी गई मौत की सजा के बारे में उन्हें घटना के बाद ही जानकारी मिली। सऊदी अरब के गृह मंत्रालय के अनुसार, एक मस्जिद के अंदर 'अश्लील कृत्य' करने का दोषी पाए जाने के बाद पिछले बुधवार को एक बांग्लादेशी पुरुष और महिला को मृत्युदंड दिया गया। हालांकि, मंत्रालय ने कथित कृत्य की प्रकृति के बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दी। ▶10 पर

हनीट्रैप से 25 लाख की ठगी

फर्जी सोशल मीडिया खातों से लोगों को फंसाने का आरोप, आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद में हनीट्रैप और ऑनलाइन ब्लैकमेलिंग के एक मामले में पुलिस ने कोंडाबट्टुला पवन कुमार को गिरफ्तार किया है। उस पर महिलाओं के नाम से फर्जी सोशल मीडिया खाते बनाकर लोगों को अपने जाल में फंसाने और उनसे पैसे ऐंठने का आरोप है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने कथित तौर पर ब्लैकमेलिंग के जरिए करीब 18 लाख रुपये वसूले।

इसके अलावा, निवेश पर मोटा मुनाफा दिलाने का झांसा देकर एक सॉफ्टवेयर कर्मचारी से 7.16 लाख रुपये की ठगी करने का भी आरोप है। इस तरह मामले में कुल 25.16 लाख रुपये की कथित धोखाधड़ी

सामने आई है। यह जानकारी चारमीनार जोन के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) किरण खरे ने दी। पुलिस के अनुसार, आरोपी महिलाओं के नाम से फर्जी फेसबुक और इंस्टाग्राम प्रोफाइल बनाता था। इन खातों के जरिए वह पुरुषों से दोस्ती करता और फिर उनके साथ निजी तथा अश्लील बातचीत करता था। आरोप है कि बातचीत के दौरान वह लोगों को अपनी निजी तस्वीरें और वीडियो साझा करने के लिए तैयार कर लेता था। इसके बाद इन्हीं तस्वीरों और वीडियो को सार्वजनिक करने की धमकी देकर उनसे पैसे मांगता था। पुलिस का कहना है कि आरोपी ने इसी तरीके से कथित तौर पर करीब 18 लाख रुपये की वसूली की।

13 इंस्टाग्राम, 14 फेसबुक खाते

जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि आरोपी कथित तौर पर बड़े पैमाने पर फर्जी सोशल मीडिया खाते चला रहा था। पुलिस के मुताबिक, उसके इस्तेमाल में 13 फर्जी इंस्टाग्राम और 14 फर्जी फेसबुक खाते होने की जानकारी मिली है। इसके अलावा, दो व्हाट्सऐप खाते और तीन बैंक खातों का भी पता चला है। ▶10 पर

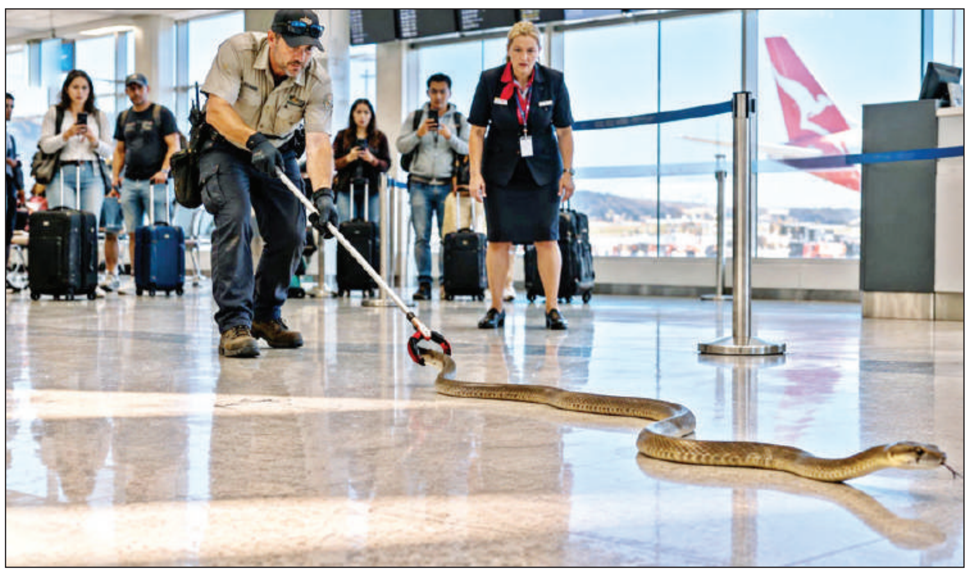

आस्ट्रेलिया में भीषण गर्मी के चलते बिलों से बाहर आए सांप, एयरपोर्ट पर रेंग रहे

वेस्टर्न ब्राउन और व्हिप स्नेक भी दिखे, यात्रियों को सतर्क करने चेतावनी संकेत लगाए

कैनबरा

आस्ट्रेलिया में भीषण गर्मी पड़ रही है। इस मौसमी बदलाव का एक अप्रत्याशित परिणाम आस्ट्रेलिया के एलिस स्प्रिंग्स एयरपोर्ट पर देखने को मिल रहा है, जहां गर्मी बढ़ने के साथ सांप बिलों से निकलकर बाहर आ रहे हैं।

यात्रियों को अब फ्लाइट पकड़ने के साथ-साथ एयरपोर्ट के अंदर सांपों से भी सावधान रहना पड़ रहा है। टर्मिनल, यात्रियों के चेक-इन एरिया, क्वांटास एयरलाइन के लाउंज और यहां तक कि आफिस में भी सांप नजर आ रहे हैं। सांप पकड़ने वाले विशेषज्ञ ने एयरपोर्ट के कई हिस्सों से सांप पकड़े हैं। इनमें यात्रियों के आने-जाने वाले रास्ते और चेक-इन एरिया शामिल हैं। सबसे ज्यादा चिंता तब बढ़ी, जब टर्मिनल के अंदर दो बहुत ही जहरीले वेस्टर्न ब्राउन स्नेक मिले। इनमें से एक सार्वजनिक जगह पर था, जबकि दूसरा कर्मचारियों के आफिस में मिला। वेस्टर्न ब्राउन स्नेक बहुत जहरीला होता है और इसके काटने से गंभीर खतरा पैदा हो सकता है। एयरपोर्ट के आसपास व्हिप स्नेक भी देखे गए हैं, जिन्हें आमतौर पर वेस्टर्न ब्राउन स्नेक से कम खतरनाक माना जाता है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सांपों के एयरपोर्ट के अंदर आने की बड़ी वजह आस्ट्रेलिया के नार्दर्न टेरिटरी इलाके में पड़ने वाली भीषण गर्मी है। तापमान बढ़ने पर सांप दिन के सबसे गर्म समय में छांव और ठंडी जगह तलाशते हैं। एयरपोर्ट की इमारतों में उन्हें छिपने की सुरक्षित जगह मिल सकती है, साथ ही पानी या भोजन मिलने की संभावना भी उन्हें अंदर आने के लिए आकर्षित कर सकती है। सांप को किसी इमारत में छिपने की जगह मिलती है, तो वे वहां भी पहुंच सकते हैं। इसका मतलब यह जरूरी नहीं कि इलाके में सांपों की संख्या अचानक बढ़ गई है, बल्कि मौसम के हिसाब से उनकी गतिविधियां बदलती हैं।

एयरपोर्ट का संचालन करने वाली कंपनी ने उन जगहों पर निगरानी बढ़ा दी है, जहां सांप दिखने की आशंका है। यात्रियों को सतर्क करने के लिए चेतावनी वाले संकेत लगाए जाते हैं और जरूरत पड़ने पर प्रशिक्षित स्नेक कैचर बुलाए जाते हैं। एयरपोर्ट कर्मचारियों को सांपों से बचाव की ट्रेनिंग भी दी जा चुकी है। उनके मुताबिक उन्हें एयरपोर्ट के अंदर या परिसर में सांप से जुड़े किसी हमले में घायल हुए व्यक्ति की जानकारी नहीं है। विशेषज्ञों की सलाह है कि सांप दिखने पर उसके पास न जाएं, उसे पकड़ने की कोशिश न करें और उसका रास्ता भी न रोकें। एयरपोर्ट के अंदर सांप दिखाई देने पर तुरंत कर्मचारियों को सूचना दें।

न्यूज ब्रीफ

ट्रंप ने कहा नेतन्याहू को पीएम चुनें, वे कभी निराश नहीं करेंगे

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को उनके दोबारा प्रधानमंत्री बनने के लिए अपना पूरा और खुला समर्थन दिया है। ट्रंप ने इजरायल के लोगों से सीधे अपील की है कि वे नेतन्याहू को फिर से चुनें। उन्होंने साफ शब्दों में कहा, बीबी नेतन्याहू आपको कभी निराश नहीं करेंगे। ट्रंप ने यह समर्थन ट्रुथ सोशल पर इजरायलियों को संबोधित एक लंबी पोस्ट के जरिए व्यक्त किया। इस पोस्ट में उन्होंने नेतन्याहू को महान योद्धा प्रधानमंत्री बताते हुए उनकी जमकर तारीफ की। ट्रंप के अनुसार, नेतन्याहू एक बहुत मजबूत और बहादुर लीडर हैं, जिन्होंने कई तरह के विरोध और दबाव का सामना करने के बावजूद मजबूती से अपनी बात रखी और मुश्किल हालात में और भी मजबूत बनकर उभरे। पूर्व राष्ट्रपति ने अपने पोस्ट में साफ किया कि वे नेतन्याहू को अगले चुनाव में पूरा समर्थन दे रहे हैं। उन्होंने लिखा कि नेतन्याहू हमेशा इजरायल के लोगों के हित में काम करते रहे हैं और दबाव में भी अपने फैसलों से पीछे नहीं हटे, बल्कि देश की सुरक्षा को प्राथमिकता देते रहे। इस दौरान ट्रंप ने एक बड़ी चेतावनी भी दी। उन्होंने कहा कि अगर इजरायल ने नेतन्याहू के अलावा किसी और को प्रधानमंत्री चुना, तो अमेरिका को ईरान के खिलाफ लड़ाई अकेले ही लड़नी पड़ सकती है। ट्रंप ने स्पष्ट किया कि वे ऐसा रास्ता नहीं अपनाना चाहते और चाहते हैं कि इजरायल मजबूत लीडर के साथ ईरान का सामना करे। ईरान को लेकर भी ट्रंप ने सख्त बयान दिया। उन्होंने दावा किया कि ईरान अब सैन्य और आर्थिक दोनों मोर्चों पर कमजोर हो चुका है।

कनाडा के सैन्य अड्डे पर लगी आग, चार सैनिकों की मौत

ओटावा (कनाडा)। कनाडा के अल्बर्टा प्रांत में स्थित सैन्य अड्डा (कैनेडियन फोर्सेज बेस वेनराइट) में लगी आग में चार सैनिकों की मौत हो गई। इसकी पुष्टि कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने की। उन्होंने कहा कि दर्जनों अन्य लोग गंभीर रूप से झुलस गए हैं। उन्होंने इस घटना विवरण तलब किया है। सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, अल्बर्टा की प्रीमियर डेनियल स्मिथ ने 39 लोग अभी भी अस्पताल में भर्ती हैं। इनमें से कम से कम 19 की हालत गंभीर है। स्मिथ ने बताया कि पीड़ितों को कैनेडियन फोर्सेज बेस वेनराइट से अल्बर्टा के चार अलग-अलग अस्पतालों में स्थानांतरित किया गया है। मृतकों में सार्जेंट मार्गन वोंग, शान फैरेल, एडन गोल्डिंग और हेडन लाइकेमार्क शामिल हैं। रक्षामंत्री डेविड मैकगुइंटी ने कहा, मुझे यह बताते हुए बहुत दुख हो रहा है कि बेस पर हुई एक घटना में कुछ लोगों की मौत हुई है और कई लोग घायल हुए हैं। प्रथम कैनेडियन डिवीजन के कमांडर मेजर-जनरल वेड रटलैंड ने बताया कि प्रशिक्षण अभ्यास के दौरान घास में लगी आग तेजी से फैल गई। आग लगने के शुरुआती कारणों की जांच चल रही है। रटलैंड ने बताया कि आग पर नियंत्रण पा लिया गया है।

चर्च में मृत्यू की बात कर रहे पादरी के सिर पर गिरा ईसा मसीह का क्रास, लाइव प्रसारण के दौरान दर्दनाक मौत

गुआयाक्विल। इक्वाडोर के गुआयाक्विल शहर स्थित एक चर्च में उस वक्त एक बेहद दर्दनाक हादसा हो गया, जब लाइव स्ट्रीमिंग के दौरान एक कैथोलिक पादरी के ऊपर अचानक ईसा मसीह का एक भारी लकड़ी का क्रास गिर गया। यह घटना बीते 17 अक्टूबर को न्यूस्ट्रा सेनोरा डेल परपेटुआ सोकोरो चर्च में हुई, जिसमें पादरी पैट्रिक अल्फ्रेडो सांचेज मोलिनारी की मौके पर ही मौत हो गई। पूरा हादसा कैमरे में कैद हो गया और सोशल मीडिया पर इसका वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। रिपोर्ट्स के अनुसार, हादसे से ठीक पहले पादरी मृत्यु और जीवन की नश्वरता के विषय पर उपदेश दे रहे थे। वीडियो में देखा जा सकता है कि पादरी चर्च में खड़े होकर लोगों को संबोधित कर रहे थे, तभी दीवार पर लगा भारी क्रूसीफिक्स अचानक अपनी जगह से उखड़कर सीधे उनके सिर पर आ गिरा। चोट इतनी गंभीर थी कि उनकी तुरंत मौत हो गई और वहां चीख-पुकार मच गई। जिस समय यह दर्दनाक घटना हुई, उस समय चर्च की प्रार्थना सेवा का सोशल मीडिया पर सीधा प्रसारण किया जा रहा था। हजारों लोगों ने इस भयावह दृश्य को वास्तविक समय में देखा, जिसने सभी को झकझोर कर रख दिया। कैथोलिक प्रशासन ने बाद में पादरी सांचेज मोलिनारी के निधन की आधिकारिक पुष्टि की। उनके सोशल मीडिया अकाउंट पर एक भावुक पोस्ट साझा करते हुए लिखा गया, हमारे प्रिय पादरी पैट्रिक अल्फ्रेडो सांचेज मोलिनारी ईश्वर के पास चले गए हैं। प्रभु उन्हें शाश्वत शांति प्रदान करें और उनके आसपास सदैव प्रकाश बना रहे।

फ्लाइट में हड़कंप : बम की धमकी के बाद बुल्गारिया में इमरजेंसी लैंडिंग

तेल अवीव

तेल अवीव से वियना जा रही आस्ट्रियन एयरलाइंस की एक फ्लाइट में उड़ान के दौरान बम होने की सूचना मिलने से हड़कंप मच गया। आनन-फानन में विमान को बुल्गारिया की राजधानी सोफिया में आपातकालीन स्थिति में उतारा गया। यह घटना 19 अक्टूबर, 2026 को सामने आई, जब एक महीने पहले ही तेल अवीव से जुड़ी एक और फ्लाइट को क्रैश कराने की कोशिश की गई थी।

जानकारी के मुताबिक, एयरबस ए320 विमान तेल अवीव से वियना के लिए रवाना हुआ था। उड़ान के दौरान बम की खबर मिलने से यात्रियों और क्रू मेंबर्स में अफरा-तफरी मच गई। रिपोर्ट्स के अनुसार, विमान में संयुक्त राष्ट्र में भाषण देने जा रहे एक गणमान्य व्यक्ति भी शामिल थे। विमान में कुल 6 क्रू मेंबर्स और 51 यात्री सवार थे। बम की धमकी की सूचना क्रू को तब मिली जब विमान रोमानियाई सीमा के पास पहुंचा। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए बुल्गारियाई वायुसेना के लड़ाकू विमानों ने उड़ान भरी और एयरबस ए320 को सोफिया में सुरक्षित लैंडिंग तक एस्कार्ट किया। इजरायली मीडिया के अनुसार, यात्रियों को एक अज्ञात स्रोत से विमान में बम होने की खबर दी गई थी, जिसके बाद विमान के डेक पर एक संदिग्ध वस्तु देखे जाने से लोग सहम गए। सुरक्षा अलर्ट जारी कर इमरजेंसी सिग्नल भेजा गया। सोफिया में देर रात लैंडिंग के बाद सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। सोफिया एयरपोर्ट पर एक क्राइसिस मैनेजमेंट टीम तैनात कर दी गई है और मामले की विस्तृत जांच जारी है। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब करीब एक महीने पहले ही दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की एक फ्लाइट को क्रैश कराने की कोशिश की गई थी। उस हादसे में करीब 180 लोगों की जान बाल-बाल बची थी। इसी बीच, उस घटना में विमान को सुरक्षित बचाने वाले भारतीय कैप्टन स्मित मच्छार को इजराइल के राष्ट्रपति इसाक हर्जोग ने प्रेसिडेंशियल अवार्ड फार सिविलियन हीरोइज्म से सम्मानित करने के लिए इजराइल आमंत्रित किया है। कैप्टन मच्छार 30 सितंबर को अपने सह-पायलट द्वारा विमान क्रैश करने की कोशिश को नाकाम करते समय गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उस विमान में 174 यात्री और चालक दल के छह सदस्य सवार थे।

अमेरिका में एक साल में 4800 बच्चे पुलिस हिरासत में, मनोवैज्ञानिकों ने जताई चिंता

न्यूयार्क। दुनिया को आधुनिक शिक्षा, मानवाधिकार और बच्चों के अधिकारों का पाठ पढ़ाने वाले अमेरिका के स्कूलों में विद्यार्थियों के साथ होने वाले व्यवहार पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। एक साल में लगभग 4800 बच्चों को पुलिस हिरासत में लिए जाने और उनके हाथों में हथकड़ियां कसने और सजा देने का विरोध अमेरिका में हो रहा है. टेक्सास में छात्रों के खिलाफ 47 हजार से अधिक मामले दर्ज होने के आंकड़े शिक्षा व्यवस्था की संवेदनशीलता पर सवाल खड़े करते हैं। आखिर स्कूल बच्चों को शिक्षित करने के केंद्र हैं, या उन्हें दंडित करने की व्यवस्था का हिस्सा बनते जा रहे हैं स्कूलों में अनुशासन बनाए रखना आवश्यक है, लेकिन अनुशासन के नाम पर बच्चों के साथ कठोरता, अपमानजनक व्यवहार और पुलिस कार्रवाई उनके मानसिक विकास को प्रभावित करती है। बचपन सीखने, गलतियों मे सुधार करने और व्यक्तित्व विकसित करने का समय होता है। ऐसे में छोटी गलतियों पर बच्चों को अपराधियों की तरह व्यवहार करना उनके आत्मविश्वास को कमजोर करता है। मनोवैज्ञानिकों की चिंता मनोवैज्ञानिकों के अनुसार, बच्चों के साथ लगातार कठोर व्यवहार होने पर उनमें भय, तनाव, आक्रामकता और असुरक्षा की भावना बढ़ सकती है। स्कूल में पुलिस की कार्रवाई का सामना करने वाले बच्चों के मन में शिक्षा के प्रति नकारात्मक दृष्टिकोण विकसित होता है। इसका असर उनकी पढ़ाई, सामाजिक व्यवहार और भविष्य पर पड़ने की आशंका रहती है। विशेषज्ञों का मानना है कि बच्चों की गलतियों को सुधारने के लिए परामर्श, अभिभावकों की भागीदारी और सकारात्मक अनुशासन को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। पुलिस कार्रवाई केवल गंभीर परिस्थितियों में ही उचित प्रक्रिया के तहत होनी चाहिए। व्यवस्था के सामने बड़ा सवाल टेक्सास में दर्ज मामलों और बच्चों की हिरासत के आंकड़ों की प्रकृति, अवधि तथा कारणों की विस्तृत जांच जरूरी है। हर मामला अपराध का प्रमाण नहीं होता। हालांकि, ये आंकड़े इस सवाल को गंभीर बनाते हैं, बच्चों की सुरक्षा और अधिकारों की रक्षा के लिए स्कूलों में कितनी प्रभावी व्यवस्था है। शिक्षा का उद्देश्य भय पैदा करना नहीं, बल्कि संवेदनशील, जिम्मेदार और आत्मविश्वासी नागरिक तैयार करना होना चाहिए। बच्चों में उम्र के अनुसार नई-नई चीजों को जानने की प्रवृत्ति होती है. उनमें ऊर्जा होती है ऐसी स्थिति में उनका समाधान बच्चों की मानसिक स्थिति और उसकी शारीरिक ऊर्जा को देखते हुए किए जाने की जरूरत है।

ट्रंप रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म कराने के अपने प्रयास से खुश, बड़ी प्रगति का दावा

वाशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस और यूक्रेन के बीच छिड़े युद्ध को खत्म कराने की अपनी कोशिश को कामयाबी की दिशा में बड़ा कदम बताया है। उन्होंने इस संदर्भ में यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की की जिद की कड़ी आलोचना की है। अपने प्रयासों से खुश ट्रंप ने दावा किया कि दोनों देशों के बीच जारी संघर्ष को खत्म करने के लिए चल रही बातचीत में बड़ी प्रगति हुई है। उन्होंने रूस के प्रति अपने प्रशासन के राजनयिक दृष्टिकोण का बचाव किया और यूक्रेन के राष्ट्रपति पर आरोप जड़ा कि वह दो साल पहले एक बेहतर समझौता करने में विफल रहे। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पोस्ट में युद्धरत देशों के बीच समझौता कराने की अपनी रणनीति को बहुत अच्छा और आसान बताया। उन्होंने कहा कि इस रणनीति के तहत सुनिश्चित करना है कि रूस को बातचीत की मेज से दूर न धकेला जाए। ऐसा करना मूर्खता होगी। उन्होंने दावा किया कि बंधकों की रिहाई से जुड़ी बातचीत के दस्तावेज दोनों देश जब चाहें हस्ताक्षर कर सकते हैं। ट्रंप ने लिखा, रूस को लेकर मेरा फैसला सीधा है। मैं रूस और यूक्रेन के बीच शांति के लिए बातचीत कर रहा हूं। मैं ऐसा कुछ भी नहीं करना चाहता जिससे रूस बातचीत की मेज से दूर चला जाए। इसमें बहुत अच्छी प्रगति हो रही है। वार्ता में बंधकों की रिहाई का मुद्दा भी शामिल है। ट्रंप ने रूस की ईरान की मदद करने के दावों पर भी बात की। उन्होंने कहा कि अपनी क्षमताओं के मुकाबले मास्को का योगदान बहुत कम है। राष्ट्रपति ने रूस की तेल रिफाइनरियों पर यूक्रेनी हमलों को लेकर जेलेंस्की की आलोचना की। उन्होंने कहा कि इन हमलों से वैश्विक ऊर्जा बाजार को नुकसान पहुंच रहा है। इसमें अमेरिकी बाजार भी शामिल है। उन्होंने रूस की तारीफ की और कहा कि मास्को ने कम कीमत पर डीजल बेचने पर सहमति जताई है। ट्रंप ने यह भी दावा किया कि जेलेंस्की संघर्ष को खत्म नहीं करना चाहते, क्योंकि वे यूरोप और अमेरिका से मिलने वाले वित्तीय लाभों का फायदा उठाते रहना चाहते हैं। इससे पहले यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा था कि एक अस्थायी विराम की राजनयिक घोषणा के बावजूद पिछले एक हफ्ते में मास्को ने उनके देश के महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को निशाना बनाते हुए दर्जनों हमले किए हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति की ऊर्जा युद्धविराम की घोषणा के बाद से रूस ने जानबूझकर यूक्रेन के ऊर्जा, तेल और गैस क्षेत्रों पर 76 बार हमले किए हैं।

अमेरिका के पूर्वोत्तर राज्यों के तटीय इलाकों में बाढ़ से हालात बिगड़ने की आशंका

वाशिंगटन। अमेरिकी नेशनल वेदर सर्विस (एनडब्ल्यूएस) के अनुसार, तूफान के कारण आने वाले दिनों में अमेरिका के पूर्वोत्तर राज्यों के तटीय इलाकों में बाढ़ आ सकती है। एनडब्ल्यूएस के बयान में कहा गया कि लगातार चलने वाली तेज समुद्री हवाओं के कारण तटीय इलाकों में मध्यम स्तर की बाढ़ आ सकती है। स्थिति खतरनाक हो सकती है और समुद्रीय तटों में कटाव हो सकता है। माना जा रहा है कि यह हालात हफ्ते के मध्य तक बने रहेंगे, जिससे दक्षिणी न्यू जर्सी से लेकर उत्तरी कैरोलिना के तट तक का एक बड़ा हिस्सा प्रभावित होगा। कुछ इलाकों में हवा की गति 20 मीटर प्रति सेकंड (लगभग 45 मील प्रति घंटा) से भी ज्यादा हो सकती है। एनडब्ल्यूएस ने चेतावनी दी है कि हालात बिगड़ रहे हैं और स्थिति और भी गंभीर हो सकती है। इस बीच, फाक्स न्यूज ने रिपोर्ट दी है कि उत्तरी कैरोलिना और वर्जीनिया के कुछ तटीय इलाकों में जलस्तर सामान्य से एक मीटर से भी ज्यादा ऊपर जा सकता है। उत्तरी कैरोलिना के एक द्वीप पर स्थानीय लोगों को वहां से सुरक्षित निकालने के आदेश पहले ही दिए जा चुके हैं।

मेहरदाद अखलाघी केताबची ईरान के रक्षामंत्री नियुक्त, संसद ने दी मंजूरी

तेहरान (ईरान)

एयरोस्पेस तकनीक और सैन्य औद्योगिक उत्पादन के विशेषज्ञ मेहरदाद अखलाघी केताबची को ईरान का रक्षामंत्री नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति ऐसे समय पर की गई जब अमेरिका के साथ युद्ध के और तेज होने की आशंका है। 68 वर्षीय अखलाघी को संसद की आनलाइन बैठक में मंजूरी मिली। 28 फरवरी को ईरान पर अमेरिका-इजराइल के बाद से संसद की बैठकें आनलाइन हो रही हैं। अखलाघी रक्षा और सशस्त्र बल लाजिस्टिक्स मंत्रालय की कमान संभालेंगे। उनकी नियुक्ति के पक्ष में कुल 237 सांसदों ने वोट दिया, जबकि 15 ने इसके खिलाफ मतदान किया।

अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, इस पद पर कुछ समय से आसीन माजिद इब्न-ए रजा अब अखलाघी के डिप्टी (सहायक) के रूप में काम करेंगे। अखलाघी पर ईरान के सैन्य औद्योगिक ढांचे को फिर से बनाने और उसका विस्तार करने की जिम्मेदारी होगी, जिसे अमेरिका और इजराइल ने अपने हमलों में बुरी तरह निशाना बनाया है। नए मंत्री की रक्षा योजनाओं को पहले ही वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों, राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान और संसद के राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति आयोग से मंजूरी मिल चुकी है।

राष्ट्रपति पेजेशकियान ने कहा, इस्लामिक रिपब्लिक आफ ईरान किसी भी देश के खिलाफ आक्रामकता की शुरुआत नहीं करेगा, लेकिन अगर कोई हमला होता है तो वह देश की क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए पूरी ताकत से और आखिरी दम तक लड़ेगा। राष्ट्रपति ने कहा कि अखलाघी के पास रक्षा मंत्रालय और उससे जुड़े संगठनों में 42 वर्षों से अधिक का अनुभव है। सरकारी मीडिया के अनुसार, उनकी मुख्य विशेषज्ञता बैलिस्टिक मिसाइलों, सालिड फ्यूल प्रोपल्शन (ठोस ईंधन प्रणोदन), एयरोस्पेस तकनीक और सैन्य औद्योगिक उत्पादन में है।

इससे पहले, उन्होंने शहीद बाघेरी इंडस्ट्रियल ग्रुप, एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज आर्गनाइजेशन और डिफेंस इंडस्ट्रीज आर्गनाइजेशन के प्रमुख के रूप में काम किया है। अखलाघी और ये सभी संगठन अमेरिकी प्रतिबंधों के दायरे में आते हैं। उन पर संयुक्त राष्ट्र के प्रतिबंध भी लागू हैं। तस्नीम के अनुसार, वे पिछले कुछ दशकों में कई तरह की मिसाइलों और हथियारों के विकास से जुड़ी परियोजनाओं को विकसित करने में शामिल रहे हैं।

कहा जाता है कि अखलाघी ने ईरान की प्रमुख सज्जील और जोल्फाघार बैलिस्टिक मिसाइल श्रेणियों के विस्तार के साथ-साथ अलमास मिसाइलों और यासीन गाइडेड बमों जैसे सटीक निशाना लगाने वाले हथियारों (प्रिसिजन-गाइडेड हथियारों) को विकसित करने में अहम भूमिका निभाई है। यह भी कहा जाता है कि उन्हें स्पेस लान्चर, रिसर्च राकेट और सेमनान स्थित इमाम खुमैनी स्पेस सेंटर से जुड़े बुनियादी ढांचे में विशेषज्ञता हासिल है। ये सभी ईरान के इजराइल और अमेरिका के खिलाफ युद्धों में महत्वपूर्ण तत्व रहे हैं।

अमेरिकी जनता की राय में भारत निचले पायदान पर, रूस-चीन के साथ खड़ा

वाशिंगटन

हाल ही में एक व्यापक सर्वेक्षण प्रकाशित किया है, जिसमें जी-20 देशों के प्रति अमेरिकी नागरिकों की धारणाओं का खुलासा हुआ है। यह सर्वे तब आया है जब अमेरिका स्वयं दिसंबर में मियामी में आगामी जी-20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी की तैयारी कर रहा है। इस सर्वेक्षण के निष्कर्षों ने कई लोगों को हैरान किया है, विशेषकर भारत के प्रति अमेरिकी जनता के दृष्टिकोण को लेकर चौकाने वाली बात सामने आई है। आंकड़ों से पता चला है कि अमेरिकी नागरिकों ने भारत को जी-20 देशों में रूस, चीन और सऊदी अरब जैसे देशों के साथ निम्न पायदानों पर रखा है, जबकि ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया और जापान जैसे पारंपरिक सहयोगियों को कहीं अधिक प्राथमिकता दी गई है।

रिपोर्ट के अनुसार, चीन को अमेरिकियों ने औसतन 100 में से 37 अंक दिए, जबकि रूस को महज 27 अंक मिले, जो सभी जी-20 देशों में सबसे कम था। रूस के प्रति अमेरिकी जनता का रवैया विशेष रूप से बहुत रूखा रहा, जिसमें 51 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने इस श्रेणी को चुना। यह चीन के प्रति बहुत ठंडा दृष्टिकोण रखने वाले करीब एक तिहाई लोगों की तुलना में कहीं अधिक है। सऊदी अरब भी उन देशों में शामिल रहा जिसके प्रति अमेरिकी जनता की राय काफी नकारात्मक थी। सर्वेक्षण में यह स्पष्ट रूप से रेखांकित हुआ कि रूस और चीन अमेरिकी नागरिकों द्वारा प्रमुख खतरों के रूप में देखते हैं।

इसके विपरीत, कनाडा, आस्ट्रेलिया, जापान और इटली जैसे देशों को

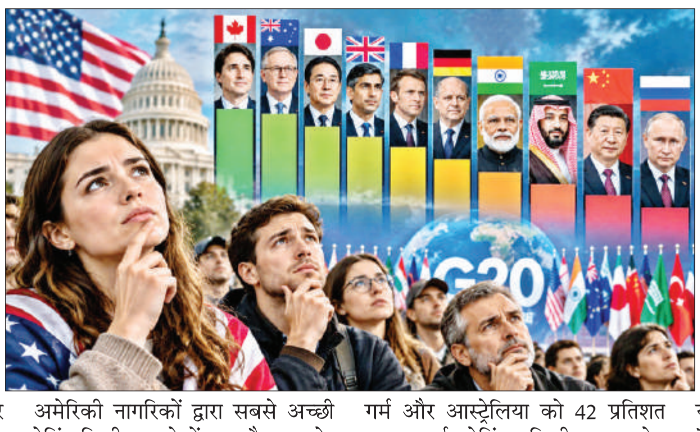

अमेरिकी नागरिकों द्वारा सबसे अच्छी रेटिंग मिली। इन देशों का औसत स्कोर 60 से 65 के बीच रहा, जो उनके प्रति सकारात्मक और मैत्रीपूर्ण दृष्टिकोण को दिखाता है। कनाडा को 48 प्रतिशत बहुत गर्म और आस्ट्रेलिया को 42 प्रतिशत बहुत गर्म रेटिंग मिली। यूनाइटेड किंगडम, जर्मनी, दक्षिण कोरिया और फ्रांस जैसे अन्य देशों ने अपेक्षाकृत सकारात्मक औसत रेटिंग प्राप्त की, जिससे अमेरिका के पारंपरिक पश्चिमी और कुछ एशियाई सहयोगियों के प्रति मजबूत भावनाएँ परिलक्षित होती हैं।

भारत के लिए सर्वेक्षण के आंकड़े विशेष रूप से ध्यान खींचने वाले हैं। केवल 9 प्रतिशत अमेरिकियों ने भारत के साथ बहुत मजबूत या बहुत गर्म संबंध महसूस किए, जबकि 19 प्रतिशत ने कुछ हद तक गर्म संबंधों को इंगित किया। वहीं, 15 प्रतिशत अमेरिकियों ने भारत के साथ संबंधों को कुछ हद तक ठंडा बताया और 20 प्रतिशत ने बहुत ठंडा रवैया दिखाया है। यह भारत को उन देशों की श्रेणी में रखता है जिन्हें इंडोनेशिया, अर्जेंटीना और तुर्की के साथ-साथ चीन, रूस और सऊदी अरब के बाद कम सकारात्मक दृष्टिकोण से देखा जाता है।

हालांकि, चीन के प्रति अमेरिकी दृष्टिकोण अभी भी समग्र रूप से नकारात्मक बना हुआ है, लेकिन 2021 के बाद से इसकी रेटिंग में थोड़ा सुधार हुआ है। 2021 में औसत 28 से बढ़कर यह 37 हो गई है, संभवतः कुछ राजनयिक प्रयासों या जनता की राय में बदलाव को दर्शाता है। यह सर्वेक्षण इस बात पर प्रकाश डालता है कि अमेरिकी जनता की धारणाएं जटिल हैं और अक्सर भू-राजनीतिक गठबंधनों या रणनीतिक महत्व के साथ पूरी तरह से मेल नहीं खाती हैं, खासकर जब बात भारत जैसे तेजी से महत्वपूर्ण होते राष्ट्र की आती है। यह सर्वे अमेरिका की विदेश नीति निर्माताओं के लिए जन भावना को समझने और उसके अनुसार अपनी रणनीतियों को समायोजित करने के लिए महत्वपूर्ण संकेत देता है।

आज मनाई जाएगी विजयादशमी

हर साल नवरात्रि पर्व के समापन के साथ ही बुराई पर अच्छाई की जीत के प्रतीक के रूप में दशहरा पर्व मनाया जाता है। इस साल विजयादशमी पर्व आज दि.20 अक्टूबर को मनाया जाएगा। हिंदू कैलेंडर के अनुसार हर साल विजयादशमी पर्व आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि मनाई जाती है। यही कारण है कि इसे विजयादशमी भी कहा जाता है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा.अनीष व्यास ने बताया कि वैदिक पंचांग के अनुसार आश्विन माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि 20 अक्टूबर को दोपहर 12:50 मिनट पर शुरू होगी। वहीं, इस तिथि का समापन 21 अक्टूबर को दोपहर में 2:11 मिनट पर होगा। दशहरा का त्योहार इस साल आज दि.20 अक्टूबर को मनाया जाएगा। रावण दहन प्रदोष काल में किया जाता है। हर साल दशहरा का त्योहार बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है। दशहरा के दिन भगवान राम ने रावण का वध कर युद्ध में जीत हासिल की थी। इस पर्व को असत्य पर सत्य और अधर्म पर धर्म की विजय के रूप में भी मनाया जाता है। दशहरा पर्व हर साल आश्विन माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को मनाया जाता है। इस त्योहार को विजयादशमी के नाम से भी जाना जाता है। मान्यता है कि इस दिन मां दुर्गा ने महिषासुर का वध किया था, इसलिए भी शारदीय नवरात्र की दशमी तिथि को ये उत्सव मनाया जाता है। कई जगह पर इस दिन मां दुर्गा की प्रतिमा का विसर्जन भी किया जाता है।

ज्योतिषाचार्य डा.अनीष व्यास ने बताया कि दशहरा या विजयादशमी का पर्व बुराई पर अच्छाई की जीत के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है। हिंदू धर्म में दशहरा के पर्व का विशेष महत्व है। दशमी को ही मां दुर्गा ने महिषासुर नामक राक्षस का वध किया था। इसलिए इसे विजयादशमी के रूप में मनाया जाता है। देशभर में अलग-अलग जगह रावण दहन होता है और हर जगह की परंपराएं बिल्कुल अलग हैं। इस दिन शस्त्रों की पूजा भी की जाती है। इस दिन शमी के पेड़ की पूजा भी की जाती है। इस दिन वाहन, इलेक्ट्रॉनिक्स आइटम, सोना, आभूषण नए वस्त्र इत्यादि खरीदना शुभ होता है। दशहरे के दिन नीलकंठ भगवान के दर्शन करना अति शुभ माना जाता है। इस दिन माना जाता है कि अगर आपको नीलकंठ पक्षी के दर्शन हो जाए तो आपके सारे बिगड़े काम बन जाते हैं। नीलकंठ पक्षी को भगवान का प्रतिनिधि माना गया है। दशहरे पर नीलकंठ पक्षी के दर्शन होने से पैसों और संपत्ति में बढ़ोतरी होती है। मान्यता है कि यदि दशहरे के दिन किसी भी समय नीलकंठ दिख जाए तो इससे घर में खुशहाली आती है और वहीं, जो काम करने जा रहे हैं, उसमें सफलता मिलती है।

दशहरा तिथि

दशमी तिथि का आरंभ: आज दि.20 अक्टूबर को दोपहर 12:50 मिनट से
तिथि का समापन: कल दि. 21 अक्टूबर को दोपहर में 2:11 मिनट पर

दशहरा पर्व के लिए हमेशा प्रदोष काल और विजय मुहूर्त देखा जाता है, क्योंकि रावण का दहन इसी मुहूर्त में करना शुभ होता है। इसी वजह से दशहरा पर्व 20 अक्टूबर को मनाया जाएगा।

शस्त्र पूजन मुहूर्त

दशहरा के दिन कई जगहों पर शस्त्र पूजा करने का भी विधान है। दशहरा के दिन शस्त्र पूजा विजय मुहूर्त में की जाती है। दशहरा के दिन शस्त्र पूजन का खास महत्व है। इस दिन शस्त्र पूजन का शुभ मुहूर्त दोपहर 01:59 से दोपहर 02:45 बजे तक रहेगा। पूजन की कुल अवधि 47 मिनट की है।

रावण दहन मुहूर्त

दशहरा के दिन लंकापति रावण और उसके भाई कुंभकर्ण और पुत्र मेघनाथ के पुतलों का दहन किया जाता है। पुतलों का दहन सही समय में किया जाए तो ही शुभ माना जाता है। रावण दहन इस दिन प्रदोष काल में शाम 5:47 मिनट से किया जा सकता है।

कई तरीकों से मनाया जाता है दशहरा

अलग-अलग जगहों पर दशहरे का त्योहार अलग-अलग तरीके से मनाया जाता है। शस्त्र का प्रयोग करने वाले समुदाय इस दिन शस्त्र पूजन करते हैं। वहीं कई लोग इस दिन अपनी पुस्तकों, वाहन इत्यादि की भी पूजा करते हैं। किसी नए काम को शुरू करने के लिए यह दिन सबसे ज्यादा शुभ माना जाता है। कई जगहों पर इस दिन नया सामान खरीदने की भी परंपरा है। अधिकतर जगहों पर इस दिन रावण का पुतला जलाया जाता है। वहीं जब पुरुष रावण दहन के बाद घर लौटते हैं तो कुछ जगहों पर महिलाएं उनकी आरती उतारती हैं और टीका करती हैं।

मांगलिक कार्यों के लिए यह दिन माना जाता है शुभ

दशहरा या विजयादशमी सर्वसिद्धिदायक तिथि मानी जाती है। इसलिए इस दिन सभी शुभ कार्य फलकारी माने जाते हैं। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, दशहरा के दिन बच्चों का अक्षर लेखन, घर या दुकान का निर्माण, गृह प्रवेश, मुंड़न, नामकरण, अन्नप्राशन, कर्ण छेदन, यज्ञोपवीत संस्कार और भूमि पूजन आदि कार्य शुभ माने गए हैं। विजयादशमी के दिन विवाह संस्कार को निषेध माना गया है।

पूजन विधि

दशहरे के दिन सुबह जल्दी उठकर, नहा-धोकर साफ कपड़े पहने और गेहूं या चूने से दशहरे की प्रतिमा बनाएं। गाय के गोबर से 9 गोले व 2 कटोरियां बनाकर, एक कटोरी में सिक्के और दूसरी कटोरी में रोली, चावल, जौ व फल रखें। अब प्रतिमा को केले, जौ, गुड़ और मूली अर्पित करें। यदि बहीखातों या शस्त्रों की पूजा कर रहे हैं तो उन पर भी ये सामग्री जरूर अर्पित करें। इसके बाद अपने सामर्थ्य के अनुसार दान-दक्षिणा करें और गरीबों को भोजन कराएं। रावण दहन के बाद शमी वृक्ष की पत्ती अपने परिजनों को दें। अंत में अपने बड़े-बुजुर्गों के पैर छूकर उनसे आशीर्वाद प्राप्त करें।

डॉ. अनीष व्यास
ज्योतिषाचार्य
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर

खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

क्या आप जानते हैं जनेऊ पहनने के इन पांच फायदो के बारे में

जनेऊ पहनने वाला व्यक्ति हर वक्त नियमों से बंधा हुआ होता है। वह मल-मूत्र विसर्जन के पश्चात अपनी जनेऊ उतार नहीं सकता। आज के जमाने में लडके इसे पहनना पसंद नहीं करते क्योंकि उन्हें लगता है कि यह उनके फैशन में बाधा डालता है।

आपने देखा होगा कि बहुत से लोग जनेऊ पहने हुए होते हैं। यह तीन धागों वाला एक सूत्र होता है जो लडके के दस से बारह वर्ष की आयु हो जाने के बाद उसे पहनाया जाता है। जनेऊ पहनने वाला व्यक्ति हर वक्त नियमों से बंधा हुआ होता है। वह मल-मूत्र विसर्जन के पश्चात अपनी जनेऊ उतार नहीं सकता। आज के जमाने में लडके इसे पहनना पसंद नहीं करते क्योंकि उन्हें लगता है कि यह उनके फैशन में बाधा डालता है। लेकिन इसे पहनने से हमारे शरीर को कई बडे फायदे होते हैं। वैज्ञानिक दृष्टि से जनेऊ पहनना बहुत ही लाभदायक है। यह केवल धर्माज्ञा ही नहीं, बल्कि आरोग्य का पोषक भी है, अत: इसको सदैव धारण करना चाहिए।

क्या है हिंदू धर्म जनेऊ पहनने का महत्व

चिकित्सकों अनुसार यह जनेऊ के हदय के पास से गुजरने से यह हृदय रोग की संभावना को कम करता है, क्योंकि इससे रक्त संचार सुचारू रूप से संचालित होने लगता है। ऐसे ही अनेको और भी बडे फायदे हैं जनेऊ धारण करने के जिसके बारे में आज हम आपको बताने जा रहे हैं, तो जरा ध्यान दें।

आइये जानें, क्या फायदे हैं जनेऊ पहनने के

यह बीमारियों से बचाता है

इसे पहनने वाले व्यक्ति को साफसफाई का काफी ध्यान रखना पडता है। अगर वह मल-मूत्र त्यागने गया है तो उसे जनेऊ को अपने कानों पर टांगना होगा और फिर हाथ पैर धो कर कुल्ला कर के ही जनेऊ को कानों से उतारता है। यह सफाई उसे दांत, मुंह, पेट, कृमि, जीवाणुओं के रोगों से बचाती है।

रक्त संचार बनें सुचारू

चिकित्सकों अनुसार यह जनेऊ के हदय के पास से गुजरने से यह हदय रोग की संभावना को कम करता है, क्योंकि इससे रक्त संचार सुचारू रूप से संचालित होने लगता है।

कान पर बांधने के फायदे

जब जनेऊ को कान पर बांधा जाता है, तो उससे स्मरण शक्ति बढती है। इसके अलावा ऐसा करने से कान के अंदर की नसें दबती हैं, जिनका संबंध सीधे आंतों से होता है।

नसों पर दबाव पडने से कब्जी की शिकायत नहीं होती और पेट अच्छे से साफहो जाता है।

बुरे कार्यो से बचाए

जनेऊ से पवित्रता का अहसास होता है। यह मन को बुरे कार्यों से बचाती है। कंधे पर जनेऊ है, इसका मात्र अहसास होने से ही मनुष्य भ्रष्टाचार से दूर रहने लगता है।

शुक्राणुओं की रक्षा होती है

जनेऊ को जब कान में लपेट जाता है तब कान की एक और नस दबती है, जिसका सीधा संबंध अंडकोष और गुप्तेंद्रियों से होता है। ऐसे में शुक्राणुओं की रक्षा होती है।

धर्म क्या है, क्या हम सब सही रूपों में इसे समझ पाए हैं

धर्म किसी एक या अधिक परलौकिक शक्ति में विश्वास और उसके साथ जुडी रिति, रिवाज, परम्परा, पूजा-पद्धति और दर्शन का समूह है। जिंदगी में हमें जो धारण करना चाहिए, वही धर्म है। नैतिक मूल्यों का आचरण ही धर्म है।

धर्म वह पवित्र अनुष्ठान है जिससे चेतना का शुद्धिकरण होता है। धर्म वह तत्व है जिसके आचरण से व्यक्ति अपने जीवन को चरितार्थ कर पाता है। यह मनुष्य में मानवीय गुणों के विकास की प्रभावना है, सार्वभौम चेतना का सत्संकल्प है। मध्ययुग में विकसित धर्म एवं दर्शन के परम्परागत स्वरूप एवं धारणाओं के प्रति आज के व्यक्ति की आस्था कम होती जा रही है। मध्ययुगीन धर्म एवं दर्शन के प्रमुख प्रतिमान थे- स्वर्ग की कल्पना, सृष्टि एवं जीवों के कर्ता रूप में ईश्वर की कल्पना, वर्तमान जीवन की निरर्थकता का बोध, अपने देश एवं काल की माया एवं प्रपंचों से परिपूर्ण अवधारणा।

उस युग में व्यक्ति का ध्यान अपने श्रेष्ठ आचरण, श्रम एवं पुरुषार्थ द्वारा अपने वर्तमान जीवन की समस्याओं का समाधान करने की ओर कम था, अपने आराध्य की स्तुति एवं जय गान करने में अधिक था। धर्म के व्याख्याताओं ने संसार के प्रत्येक क्रियाकलाप को ईश्वर की इच्छा माना तथा मनुष्य को ईश्वर के हाथों की कठपुतली के रूप में स्वीकार किया। दार्शनिकों ने व्यक्ति के वर्तमान जीवन की विपन्नता का हेतु कर्म-सिद्धान्त के सूत्र में प्रतिपादित किया। इसकी परिणति मध्ययुग में यह हुई कि वर्तमान की सारी मुसीबतों का कारण भाग्य अथवा ईश्वर की मर्जी को मान लिया गया। आज के युग ने यह चेतना प्रदान की है कि विकास का रास्ता हमें स्वयं बनाना है। किसी समाज या देश की समस्याओं का समाधान कर्म-कौशल, व्यवस्था-परिवर्तन, वैज्ञानिक तथा तकनीकी विकास, परिश्रम तथा निष्ठा से सम्भव है। आज के मनुष्य की रुचि अपने वर्तमान जीवन को सँवारने में अधिक है। उसका ध्यान भविष्योन्मुखी न होकर वर्तमान में है। वह दिव्यताओं को अपनी ही धरती पर उतार लाने के प्रयास में लगा हुआ है।

भगवान शिव की खंडित मूर्ति पूजा करने का रहस्य

शिव को सभी देवताओं में सबसे विशेष दर्जा दिया गया है क्योंकि सांसरिक मोह-माया से दूर शिव अपने तप में लीन रहते है। वे अपने उत्तरदायित्वों का निर्वाह करते हैं। इसके अलावा शिव को भौतिक नियमों से कोई सरोकार नहीं है।

हिंदू धर्म की मान्यता अनुसार किसी मूर्ति के खंडित होते ही उसे विसर्जित करने या किसी वटवृक्ष के पास रखा जाता है। ऐसा करने के पीछे सभी लोगों के अपने-अपने तर्क है। जहां एक ओर कुछ लोगों का मानना है कि भगवान की प्रतिमा में प्राण होते हैं इसलिए उनकी प्रतिमा टूट जाने पर उन्हें भी किसी भक्त की भांति ही पीडा होती है। दूसरी ओर कुछ लोगों का तर्क है कि यदि हमारे शरीर के किसी अंग में चोट लग जाए तो हम उस चोट को यूं ही नहीं छोड देते बल्कि उसका उपचार करवाते हैं तो भला भगवान की प्रतिमा को खंडित होने पर उन पर बिना कोई ध्यान दिए मंदिर में कैसे रख सकते है। हम में से कई लोग मूर्ति और प्रतिमा को एक समान ही समझते हैं। दोनों के अर्थ में कोई अधिक अंतर नहीं है लेकिन भगवान की मूरत को प्रतिमा कहा जाता है, क्योंकि लोगों को विश्वास होता है कि भगवान की मूर्ति सजीव होती है। जबकि किसी कला, जीव आदि की बनाई हुई छवि को मूर्ति कहा जाता है। लेकिन आधुनिक जीवनशैली में भगवान की मूरत को मूर्ति ही कहा जाता है। अब बात करें खंडित चीजों की तो, इनमें एक प्रकार की नकारात्मक ऊर्जा होती है। लेकिन इन सभी तर्कों से परे भगवान शिव एक ऐसे देवता हैं जिनकी खंडित मूर्ति की भी पूजा होती है।

इसलिए होती है शिव की खंडित मूर्ति की पूजा

शिव को सभी देवताओं में सबसे विशेष दर्जा दिया गया है क्योंकि सांसरिक मोह-माया से दूर शिव अपने तप में लीन रहते है। वे अपने उत्तरदायित्वों का निर्वाह करते हैं। इसके अलावा शिव को भौतिक नियमों से कोई सरोकार नहीं है। उनके लिए हर चीज की परिभाषा अलग है। शिव को निरंकारी माना जाता है। यानि शिव को वास्तव में किसी ने नहीं देखा है। तस्वीरों और मूर्तियों में उनका जो रूप दिखाई पडता है वो भक्तों की कल्पना मात्र है। इस प्रकार जिसका कोई आकार, रंग, रूप आदि न हो उसे भला क्या क्षति हो सकती है। महादेव का न तो आदि है और न ही अंत। इस प्रकार शिव की मूर्ति कितनी भी खंडित क्यों न हो जाए हमेशा पूज्यनीय होती है। साथ ही शास्त्रों के अनुसार शिवलिंग का पूजन किसी भी दिशा से किया जा सकता है लेकिन पूजन करते वक्त भक्त का मुख उत्तर दिशा होना सर्वश्रेष्ठ माना जाता

आइये जाने, हनुमानजी को खुश करके उनकी विशेष कृपा पाने के कुछ नियम

आइये जाने हनुमानजी को खुश करके उनकी विशेष कृपा पाने के कुछ नियम और कार्य

जब कोई भक्त हनुमानजी को सच्चे मन से समर्प्रित होकर याद करता है तब आसानी से हनुमानजी उस पर प्रसन्न हो जाते है । हम जानते है की वो राम के परम भक्त है और खुद वानर है अत: प्रभु राम की भक्ति और वानरों को गुड चन्ने और केले का प्रसाद खिलाना , अचूक उपाय है हनुमान जी को खुश करने का इसके अलावा हनुमान जी को सिंदूर लगाना भी सबसे प्रिय पूजा के भागो में से एक है। श्री हनुमान पूजा हनुमान जी अपने माँ पिता के बडे लाडले थे अत: माँ अंजना और पिता केसरी के जयकारे से भी हनुमान प्रसन्न होते है। हर मंगलवार को अगर हो सके तो श्री हनुमान की मूर्ति का मंदिर में जा कर दर्शन कर। सुबह जगने के बाद और रात्रि में सोने से पहले हनुमान चालीसा या हनुमान मंत्र का जाप करे। दिन में कम से कम एक बार हनुमान चालीसा पूर्ण ध्यान से पढे। हनुमान भक्त के लिए राम और माँ जानकी की भी पूजा प्रसन्नता दायक है। हो सके तो मंगलवार और शनिवार को हनुमान जी का व्रत करना चाहिए। हर मंगलवार या शनिवार को हनुमान मंदिर में बालाजी की लाल मूर्ति पर सिंदूर चढाना चाहिए फिर उन्हें गुड चन्ना या केले का प्रसाद चढा कर हो सके तो वानरों को यह प्रसाद खिलाना चाहिए।

जो लोग अज्ञानी हैं, उनमें ही अहंकार जन्म लेता है

प्रकृतेः क्रियमाणानि गुणैः कर्माणि सर्वशः।
अहङ्कारविमूढात्मा कर्ताहमिति मन्यते॥

अर्थ : संपूर्ण कर्म सब प्रकार से प्रकृति के गुणों द्वारा किए जाते हैं। फिर भी जिसका अंत:करण अहंकार से मोहित हो रहा है, ऐसा अज्ञानी 'मैं कर्ता हूं' यह मानता है।

भावार्थ :

जो लोग अज्ञानी हैं, उनमें ही अहंकार जन्म लेता है। उन्हें इस बात का ज्ञान नहीं होता कि सभी कर्म प्रकृति द्वारा ही किए जाते हैं। अज्ञानियों को यह भ्रम हो जाता है कि कोई कार्य उन्होंने स्वयं किया है। मान लें कोई मूर्तिकार सुंदर मूर्ति गढता है और उसमें यह अहंकार हो जाता है कि इस मूर्ति को मैंने रचा है।

दरअसल, मूर्तिकार ने जो संवेदना और कल्पना उस मूर्ति में डाली, वह उसकी भीतरी प्रकृति की देन थी। उसने जिन हाथों से उसे बनाया या जिन वस्तुओं को उसने प्रयोग किया, वे सब प्रकृति की ही देन हैं। फिर यह अहंकार करना कि यह मेरा है, व्यर्थ है। जिस क्षण यह अहंकार व्यक्ति के अंदर आ जाता है, उसकी कर्म की गुणवत्ता घटती जाती है।

वह उतना दत्तचित्त होकर कर्म नहीं कर पाता, जितना अहंकार रहित कर्म करने से होता है। अहंकार से व्यक्ति कर्म पर अपना अधिकार जमाने लगता है और जब वह कर्म उससे विमुख होता है, तो उसे पीडा पहुंचती है। इसलिए अहंकार रहित कर्म ही श्रेष्ठ है। मौन मन की शक्ति है।

यह ध्यान की ऊर्जा और सत्य का द्वार है। दैनिक जीवन में मौन के महत्व को पहचानने का प्रयास करें। सिर्फ श्वासों के आवागमन पर ही अपना ध्यान केंद्रित करें। मौन अवस्था में अपने जीवन का सिंहावलोकन कर ही अपने भविष्य का चिंतन करें।

वचन

हम वर्षों से व्यर्थ की बातें बोलते आए हैं। हमारे बोलने से न देश बदलता है और न समाज। यहां तक कि हमारी बातों का असर बगल में बैठे व्यक्ति पर भी लेश मात्र नहीं पडता है। फिर क्यों हम बोलकर निरंतर अपनी ऊर्जा खर्च करते रहते हैं। यदि जरूरत पडने पर बोला जाए, तो उसका दूरगामी प्रभाव होता है, पर ध्यान रहे कि जो भी बोलें, सकारात्मक बोलें।

कर्म

किसी क्षण में मिली जय-पराजय से विचलित हुए बिना हमें अपना कर्म करते रहना चाहिए। पराजय से ही हमारे मन में उत्कृष्ट विचार जन्म लेते हैं। यह हमें दृढनिश्चयी बनाता है और सफलता के रास्ते पर चलने के लिए प्रेरित करता है।

नकारात्मक लोगों को कैसे पहचानें?

जिन लोगों के साथ आप समय बिताते हैं वो जाने-अनजाने में आपके जीवन पर बहुत बड़ा असर डालते हैं। कहीं न कहीं हम उनकी तरह बात करने, उनकी तरह बनने और वैसा ही करने की कोशिश अनजाने में करने लगते हैं, ये मानवीय पकृति है जिसे हर कोई करता है और इसे बदलना लगभग नामुमकिन है, क्योंकि संगत का असर दिमाग पर पड़ता है और दिमाग एक जटिल अंग है जिसे समझ पाना असंभव है। कई बार हमें पता ही नहीं चलता है कि जो लोग हमारे साथ या आसपास हैं वो कितने बेकार और नकारात्मक सोच वाले हैं। ऐसे लोग विषैले सांप की तरह होते हैं जो कभी न कभी आपको भी नुकसान पहुंचाते ही हैं। इसलिए, बेहतर होगा कि ऐसे लोगों को पहचानें और उनसे दूरी बना लें। ऐसे लोग अपनी बातों या अपने कामों से आएं दिन किसी न किसी का दिल दुखाते रहते हैं। वे हमेशा कोशिश करेंगे कि वे आपको बहुत भला चाहते हैं लेकिन आपको निराश करने का कोई अवसर नहीं छोड़ते हैं। ऐसे लोगों को स्मार्टली हैंडल करना सीखें और उनसे भावनात्मक दूरी बना लें। वरना वे आपमें भी ऐसी आदत पनपा सकते हैं। ऐसे लोग हमेशा परेशान रहते हैं। वो जीवन में कभी खुश नहीं रहते हैं। चाहें परिस्थितियां कितनी भी अच्छी क्यों न हों, उन्हें हमेशा शिकायत और समस्या ही रहती है। समय रहते ऐसे लोगों से दूर हो जाएं। जो लोग आपको किसी काम को करने के लिए प्रेरित नहीं करते हैं बल्कि हमेशा हतोत्साहित करते रहते हैं वे लोग टॉक्सिक होते हैं। ऐसे लोग जीवन में नकारात्मकता लेकर आते हैं। जितना संभव हो, ऐसे लोगों से दूर रहें। जहरीले स्वभाव वाले लोगों से आप जब भी बात करें, तो वे दूसरों के बारे में हमेशा खराब ही बोलेगें। इससे आपके नजरिए पर भी असर पड़ता है। इसलिए, अच्छा होगा कि ऐसे लोगों से दूरी बनाकर रखें।

डीवीडी देखकर व्यायाम न करें...

एक नए शोध में पता चला है कि फिटनेस डीवीडी देखते हुए घर में व्यायाम करने का विचार अच्छा लग सकता है, लेकिन इसका काफी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। ऑरिगन स्टेट यूनिवर्सिटी में हुए एक शोध के परिणामों से पता चला है कि इस तरह के वीडियो से व्यक्ति की सोच नकारात्मक दिशा की ओर मुड़ सकती है और उनके प्रेरणा स्तर पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है। फिटनेस के लिए मिलने वाली डीवीडी के अध्ययन से यह भी सामने आया है कि इस तरह की डीवीडी में इस्तेमाल होने वाली निराशाजनक भाषा से व्यायाम करने वालों पर पड़ने वाले प्रभाव का स्तर कम हो सकता है। इसके साथ ही ऐसा वीडियो देखने वाले व्यक्तित की आशा और क्षमता पर पड़ने वाला नकारात्मक प्रभाव मनोवैज्ञानिक क्षति का कारण बन सकता है। इस शोध के लिए शोधकर्ताओं ने व्यायाम का प्रशिक्षण देने वाले 10 लोकप्रिय डीवीडी की समीक्षा की। इस तरह के डीवीडी में इस्तेमाल होने वाली भाषा और वीडियो का मूल्यांकन किया गया। इस शोध का लक्ष्य इस तरह के डीवीडी में दिए जाने वाले संदेशों और वीडियो को बेहतर तरीके से समझना और उपयोगतकर्ताओं पर इनके प्रभाव का आकलन करना था। इन फिटनेस डीवीडी का 25 करोड़ डॉलर का उद्योग है, लेकिन इनकी सुरक्षा से संबंधित कोई भी वैज्ञानिक सबूत नहीं है। इस शोध के परिणामों के बाद सभी उपभोक्ताओं से आग्रह किया गया कि वे इस तरह के डीवीडी को खरीदते समय या इनका इस्तेमाल करते समय इससे पड़ने वाले नकारात्मक प्रभाव के प्रति जागरूक रहें।

सैनिक स्कूलों में लड़कियों को भी मिल सकता है दाखिला

सैनिक स्कूलों में अब लड़कियों के दाखिले की भी अनुमति दी जा सकती है। करीब 55 साल पहले जब एक सैनिक स्कूल खुला था तो वह सिर्फ पुरुष प्रधान ही था यानी सिर्फ छात्रों का ही दाखिला होता था। मामले के जानकार एक अधिकारी ने बताया कि नागरिक उड़यन मंत्री अशोक गजापति राजू ने एक पत्र लिखा था जिसके आधार पर रक्षा मंत्रालय ने इन स्कूलों में लड़कियों को भी दाखिला देने की संभावना तलाशनी शुरू कर दी है। रक्षा मंत्रालय अभी देश भर में 22 सैनिक स्कूल चलाता है। अधिकारी ने बताया कि राजू ने रक्षा मंत्री मनोहर पारिज़्कर को एक पत्र लिखकर आग्रह किया जिस पर पार्रिकर ने इस मामले पर गौर करने का वादा किया। देश भर में नैशनल डिफेंस अकेडमी और आर्मी में महिलाओं के दाखिले को लेकर विभिन्न स्तरों पर बहस चल रही थी। सैनिक स्कूल में छात्राओं के प्रवेश को इस दिशा में पहला कदम माना जाएगा।

रक्षा मंत्री को लिखे पत्र में राजू ने उल्लेख किया, 'आज के आधुनिक समय में रक्षा सेवाएं अपवाद नहीं रह गई हैं जहां महिलाएं अपनी भूमिका न निभा सकें। इस संदर्भ में मैं आपके ध्यान में यह बात लाना चाहता हूं कि कई पैरेंट्स सैनिक स्कूल, कोरुकोंडा (विजयनगरम) के माध्यम से देश की सेवा में अपनी लड़कियों को भेजना चाहते हैं।'

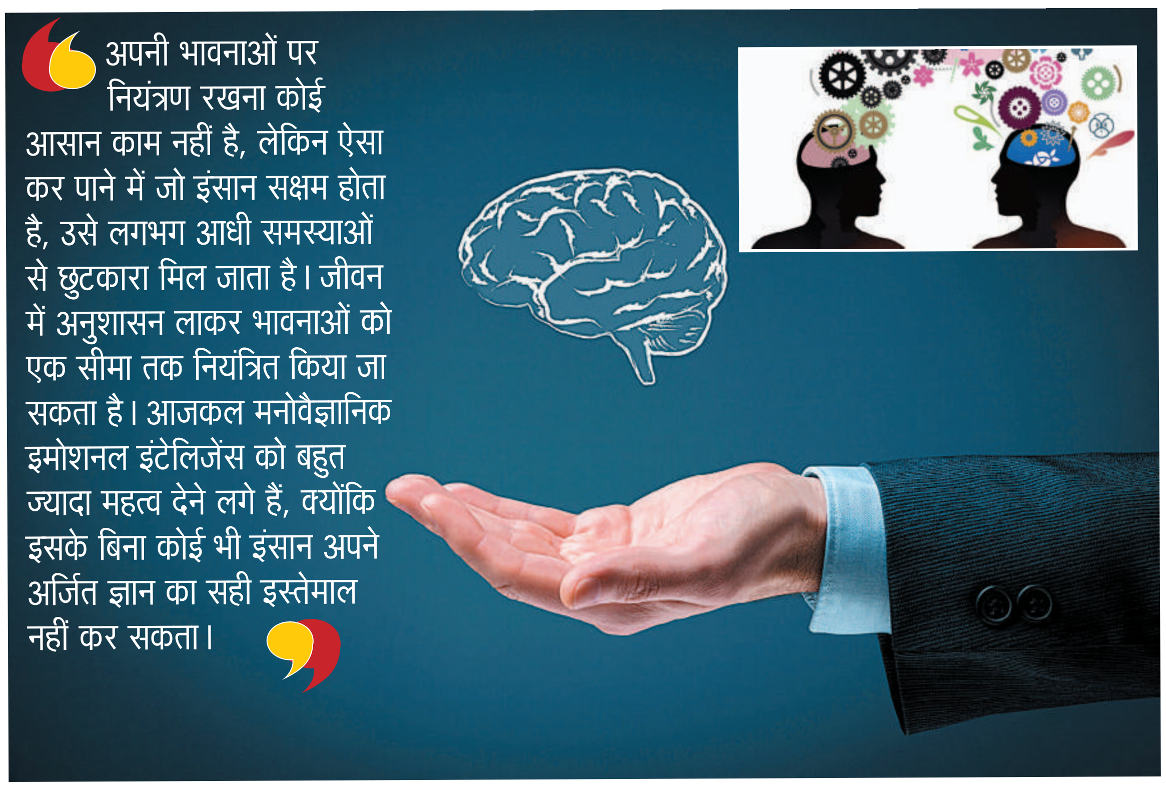

इमोशनल इंटेलिजेंस भी जरूरी...

आज की जटिल जीवन स्थितियों में खुशी और कामयाबी हासिल करने के लिए व्यक्ति का केवल मेहनती और बुद्धिमान होना ही काफी नहीं, बल्कि इसके लिए भावनात्मक परिपक्वता भी बहुत जरूरी है। आपने यह अनुभव किया होगा कि एक ही जैसी स्थितियों में लोग अलग-अलग ढंग से प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं।कुछ लोग छोटी-छोटी परेशानियों से हताश हो जाते हैं तो कुछ बेहद मुश्किल हालात में भी घबराने के बजाए शांतिपूर्ण ढंग से अपनी समस्याओं का हल ढूंढने की कोशिश करते हैं। इसमें से दूसरी तरह के लोग भावनात्मक रूप से बुद्धिमान माने जाते हैं और वे जीवन के हर मोर्चे पर कामयाब होते हैं। आजकल मनोवैज्ञानिक भावनात्मक विवेक को बहुत ज्यादा महत्व देने लगे हैं, क्योंकि इसके बिना कोई भी इंसान अपने अर्जित ज्ञान का सही इस्तेमाल नहीं कर सकता। भावनात्मक विवेक के सिद्धांत के प्रतिपादकों का ऐसा मानना है कि पारंपरिक रूप से जिसे हम आइक्यू कहते हैं, उसका क्षेत्र बहुत सीमित है, लेकिन इमोशनल इंटेलिजेंस का दायरा बहुत विस्तृत है।

क्या है इमोशनल इंटेलिजेंस

इमोशनल इंटेलिजेंस के अंतर्गत समस्त मानवीय व्यवहार समाहित हैं। जीवन में सफल होने के लिए केवल मेहनत करके तकनीकी कौशल सीखना और जानकारियां हासिल करना ही काफी नहीं, बल्कि इंसान को अपनी भावनाओं के बीच संतुलन स्थापित करना भी आना चाहिए। बौद्धिक रूप से कोई भी इंसान चाहे कितना ही सक्षम क्यों न हो लेकिन भावनात्मक परिपक्वता के अभाव में वह असफल हो सकता है।

अंतर्मन के आईने में

अपने व्यक्तित्व को अच्छी तरह समझना भी भावनात्मक विवेक का ही एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। आपको यह मालूम होना चाहिए कि आप किन बातों से खुश होते हैं, कौन सी बातें आपको नापसंद हैं, अगर कभी आपका मूड खराब है तो आपको यह मालूम होना चाहिए कि किस वजह से आपका मूड खराब है। किन बातों को लेकर आप चिंतित और परेशान होते हैं, आपके मन में किन बातों को लेकर असुरक्षा है, यह आपको स्पष्ट रूप से मालूम होना चाहिए। जब कभी आप शांतिपूर्वक अकेले बैठे हों तो तटस्थ हो कर दूसरों की नजर से आत्मविश्लेषण करें। जब आप ईमानदारी के साथ अपने व्यक्तित्व का मूल्यांकन करेंगे, तभी आप अपनी भावनाओं को अच्छी तरह समझने में सक्षम होंगे। इससे अपने मनोभावों को नियंत्रित और संतुलित करना आपके लिए सहज होगा।

भावनात्मक अनुशासन

अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखना कोई आसान काम नहीं है, लेकिन ऐसा कर पाने में जो इंसान सक्षम होता है, उसे लगभग आधी समस्याओं से छुटकारा मिल जाता है। जीवन में अनुशासन लाकर भावनाओं को एक सीमा तक नियंत्रित किया जा सकता है। अगर आप अच्छी प्रेरणादायक किताबें पढ़ेंगे और जीवन के लिए यह दिशा-निर्देश तय करेंगे कि मन में नकारात्मक भावनाओं को आने नहीं देना है तो क्रोध, ईर्ष्या-द्वेष जैसी भावनाओं से काफी हद तक ऊपर उठ सकते हैं। अगर कोई क्रोध में आकर आपके साथ बुरा व्यवहार करता है तो उसकी प्रतिक्रिया में आपका नाराज होना उचित नहीं है। उस वक्त आप शांत रहें और बाद में जब उस व्यक्ति का गुस्सा शांत हो जाए तब आप उसे उसकी गलती का एहसास कराएं। कोई भी निर्णय लेते समय इंसान को अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखना चाहिए क्योंकि भावावेश में आकर जल्दबाजी में लिया गया निर्णय अकसर गलत साबित होता है।

भावनात्मक परिपक्वता

जब इंसान अपनी भावनाओं को नियंत्रित करना सीख लेता है तो वह स्वतः भावनात्मक परिपक्वता की ओर बढ़ने लगता है। जीवन में सफलता और सच्ची खुशी हासिल करने के लिए किसी भी व्यक्ति का भावनात्मक रूप से परिपक्व होना बहुत जरूरी है। कोई भी इंसान भावनात्मक रूप से कितना परिपक्व होगा, यह इस बात पर निर्भर है कि वह अपनी भावनाओं की अभिव्यक्ति के प्रति कितना सचेत है। महात्मा बुद्ध के उपदेशों में आठ सम्यक सूत्रों का उल्लेख मिलता है, जिनके माध्यम से जीवन के हर क्षेत्र में संतुलित आचरण अपनाने की शिक्षा दी गई है। गौतम बुद्ध ने एक बार अपने शिष्यों से कहा था, तुम वीणा के तारों को इतना न कसो कि वे टूट जाएं और न ही इतना ढीला छोड़ों कि उनसे स्वर न निकले। कहने का अर्थ यह है कि भावनाओं की अभिव्यक्ति के मामले में हमेशा संतुलन होना चाहिए।

समझें दूसरों की भावनाएं

भावनात्मक रूप से संतुलित होने के लिए खुद को समझने के साथ दूसरों की भावनाओं को भी समझने और उनके अनुरूप व्यवहार करने की कोशिश करनी चाहिए। इमोशनली इंटेलिजेंट लोगों का सामाजिक व्यवहार हमेशा संतुलित होता है। दूसरों के व्यक्तित्व की खूबियों-खामियों को पहचानने और उनके मन की बातों को पढ़ पाने का गुर जीवन के हर क्षेत्र में आपके काम आता है। चाहे वह आपका व्यक्तिगत जीवन हो या सार्वजनिक। अगर आप दूसरों को समझते हैं तो यह आपके लिए भी अच्छा होगा। दूसरों की भावनाओं को बारीकी से समझ पाना भावनात्मक विवेक का एक महत्वपूर्ण पहलू है।

मुश्किल का हल

दफ्तर में जो व्यक्ति अपने साथियों के व्यक्तित्व को समझने में सफल होता है, अगर कभी उसके सामने कोई मुश्किल आती है तो वह आसानी से उसका हल ढूंढ लेता है। पारिवारिक और सामाजिक जीवन में भी भावनात्मक रूप से संतुलित लोग अपने सभी संबंधों का निर्वाह अच्छी तरह कर पाते हैं। वे अपने जीवनसाथी, दोस्तों और रिश्तेदारों के व्यवहार को ध्यान से देखते हुए उनके व्यक्तित्व के सकारात्मक-नकारात्मक पक्षों को समझने की कोशिश करते हैं। लोगों के साथ उनका व्यवहार बेहद संयत होता है। उन्हें मालूम होता है कि अगर किसी से अपनी बात मनवानी भी है तो उसके सामने किस ढंग से पेश आना चाहिए। बच्चों की परवरिश के मामले में भावनात्मक संतुलन की भूमिका काफी अहम होती है।

व्यवहार कुशलता

समाज में लोगों के साथ व्यक्ति के व्यवहार के आधार पर भी उसके भावनात्मक विवेक को आंका जाता है। भले ही किसी व्यक्ति से आपके वैचारिक मतभेद हों या किसी कारण से आप उसे नापसंद करते हों, लेकिन जब वह सामने मिले तो उसके साथ आपका व्यवहार हमेशा सहज और संतुलित होना चाहिए। जीवन के हर मोर्चे पर कामयाबी हासिल करने के लिए यह बहुत जरूरी है। अगर आप सचेत ढंग से इन सुझावों पर अमल करेंगे तो आपके लिए भावनात्मक संतुलन स्थापित करना आसान हो जाएगा।

संतुलन के कुछ सरल नियम

- **इमोशन मैनेजमेंट डायरी:** अपने लिए एक इमोशन मैनेजमेंट डायरी बनाएं, रोजाना रात को सोने से पहले उसमें दर्ज करें कि पूरे दिन में आपने कितनी बार और किन स्थितियों में नकारात्मक व्यवहार किया, ताकि अगली बार वैसी स्थिति में आप अपने व्यवहार में सुधार ला सकें।
- **यह आदत डालें:** समस्याओं से दुखी होने के बजाय उन्हें हल करने की आदत डालें घर और बाहर दोनों जगहों पर लोगों के साथ अच्छे संबंध बनाने और बिगडे हुए संबंध को सुधारने की कोशिश करें। अपनी भावनाओं की अभिव्यक्ति पर नियंत्रण रखें और सहनशक्ति को मजबूत बनाएं।
- **भावुक क्षणों में फैसला न लें:** भावुक क्षणों में कोई भी निर्णय न लें क्योंकि इसमें अकसर गलतियां हो जाती हैं। ऐसे लोगों से दोस्ती बढाएं, जिनसे बातें करके आपको खुशी मिलती है। अच्छे सामाजिक संबंध भावनात्मक संतुलन बनाने में मददगार होते हैं।
- **असफलताएं हैं जीवन का हिस्सा:** करियर के क्षेत्र में मिलने वाली छोटी-छोटी असफलताओं को पहले से ही अपने जीवन का जरूरी हिस्सा मानकर चलें। अपनी नाकामी से निराश होने के बजाय यह संकल्प लें कि दोबारा आपके साथ ऐसा नहीं होगा। अगर आप छात्र हैं या करियर बनाने की दिशा में प्रयासरत हैं तो अपनी क्षमताओं का सही मूल्यांकन करना सीखें।
- **अपनी क्षमताओं को जानें:** अपनी क्षमता के अनुरूप ही परिणाम की आशा रखें। अति महत्वाकांक्षा और उसके पूर्ण न होने की स्थिति में कोई भी व्यक्ति भावनात्मक रूप से असंतुलित हो जाता है। सीखने की कोई उम्र नहीं होती। अपने प्रोफेशन के संबंध में निरंतर नई जानकारियां हासिल करें और काम की नई तकनीकें सीखते रहें। इससे आप स्वयं को हमेशा युवा और ऊर्जावान महसूस करेंगे।
- **अपने ऊपर ध्यान दें:** अगर ऐसा लगता है कि वाकई आपका भावनात्मक संतुलन बिगड़ रहा है तो अपने ऊपर पूरा ध्यान दें। पर्याप्त नींद लें, योगाभ्यास और ध्यान करें।परिवार के साथ पूरा समय बिताएं। छुट्टियों में कहीं घूमने जाएं। हमेशा अच्छा सोचें। इससे जीवन में सकारात्मक बदलाव महसूस करेंगे।

जानें किताब पढ़ने के फायदे...

पढ़ना एक ऐसी गतिविधि है जिसके कई स्वास्थ्य लाभ भी होते हैं। यदि आप नियमित रूप से नहीं पढ़ते हैं तो आपको रीडिंग को एक शौक के रूप में लेने पर विचार करना चाहिए। अक्सर लोगों के पढ़ने के पीछे के प्रयोजनों में कोई काम या शौक होता है। लेकिन वास्तव में पढ़ना एक ऐसी गतिविधि है जिसके कई स्वास्थ्य लाभ भी होते हैं। यदि आप नियमित रूप से नहीं पढ़ते हैं तो आपको रीडिंग को एक शौक के रूप में लेने पर विचार करना चाहिए। हर दिन एक किताब के कुछ पन्नों को पढ़ने के साथ धीरे-धीरे इसे शुरू करें या फिर समाचार देखने के बजाय अखबार पढ़ें। जल्द ही आपको अहसास होगा कि आप फिल्में देखने के बजाए किताबें पढ़ने की अच्छी आदत के मालिक हो चुके हैं।

तनाव कम होता है

किताब पढ़ना आपके तनाव को कम करता है, क्योंकि यह एक तरह की शांतिपूर्ण गतिविधि होती है। यह ऐसी गतिविधि नहीं है, जो आपके विचारों को उत्तेजित करे। हां, किताब पढ़ने के दौरान यह जरूर देखें कि आप किस तरह की किताब पढ़ रहे हैं। याद रहे कि अवसाद और तनावग्रस्त होने पर हमेशा दिमाग को शांत करने वाली या फिर मन को हल्का करने वाली किताब ही पढ़ें, आपको अच्छा लगेगा।

अकेलापन दूर होता है

किताब पढ़ने का एक फायदा यह है कि ये आपका अकेलापन दूर करती है। आप दुनिया में कहीं भी चले जाएं, किताब आपको कभी अकेला नहीं छोड़ेगी। किताब तनाव से दूर ले जाती है और उन विचारों से दूर ले जाती है, जो आपको परेशान करते हैं।

फालतू बातों पर लगाम

किताब पढ़ने का एक फायदा यह है कि तनाव के दौरान तरह-तरह की फालतू बातें दिमाग में आती हैं। ऐसे में मन शांत रहे, यह काम मुश्किल हो जाता है। दिमाग में आई फालतू बातों पर लगाम लगाने का काम करती हैं किताबें। तनाव में किताब पढ़ने से दिमाग में मौजूद फालतू बातें बाहर निकल जाती हैं, क्योंकि आप एकाग्रचित्त हो कर किताब पढ़ रहे होते हैं।

सोचने की क्षमता का विकास

पढ़ना एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें आपको अपने शरीर को भी कष्ट नहीं पहुंचाना होता है। तनाव के दौरान यूं भी कुछ करने का मन नहीं करता। ऐसे में आप चुपचाप कहीं भी बैठ कर आराम से कोई किताब पढ़ सकते हैं। कई बार हम स्वकेंद्रित हो जाते हैं। कुछ नया नहीं सोच पाते हैं, सिर्फ और सिर्फ खुद के बारे में सोचने लगते हैं, पर किताब पढ़ने के दौरान आपके सामने कई सारी ऐसी बातें होती हैं, जो आप पर केंद्रित नहीं होती हैं। ऐसे में एक तरह से आपकी अन्य बातों को सोचने की क्षमता का विकास ही होता है।

मस्तिष्क का व्यायाम

पढ़ना एक प्रकार बेहतर तरीके से मस्तिष्क को उद्दीप्त करना करता है, जोकि टीवी देखने या रेडियो सुनने से कभी नहीं हो सकता। फिर भले ही आप कोई नया थ्रिलर पढ़ रहे हों या फिर अपने डीवीडी प्लेयर का अनुदेश मैनुअल, पढ़ने से आपका मस्तिष्क संलग्न रहता है और उसकी एक्सरसाइज होती है।

याददाश्त बढ़ती है

जो लोगो पढ़ाई करते रहते हैं उनकी याददाश्त तेज होती है। टीवी देखने और कंप्यूटर पर काम करने की तुलना में पढ़ाई करने वालों का दिमाग अधिक तेज होता है। इसके अलावा पढ़ने की आदत व्यक्ति के सोचने और समझने की क्षमता को भी बढ़ाती है।

दिमाग जवां रहता है

पढ़ने की आदत से इंसान का दिमाग हमेशा जवां रहता है। एक शोध के अनुसार, वे लोग जो रचनात्मक कामों जैसे पढ़ाई आदि में अधिक समय बिताते हैं, उनका दिमाग ऐसा न करने वाले लोगों की तुलना में 32 प्रतिशत तक अधिक युवा बना रहता है।

अल्जाइमर से बचाव

अल्जाइमर उम्रदराज लोगों में होने वाला एक मानसिक रोग है, जिसके कारण व्यक्ति की याददाश्त कमजोर हो जाती है। जो दिमागी गतिविधियों जैसे, पढ़ाई, चेस खेलना, पजल हल करना आदि में व्यस्त रहते हैं।

फंकी लुक और पार्टी वेयर 'किमोनो' है ट्रेंड में

फैशन जगत में भी लुक ईस्ट पॉलिसी पर फोकस किया जा रहा है। जापानी गुड़िया पर सजने वाली चीजें अब दुनिया के हर कोने के साथ-साथ भारत में भी खासी पसंद की जा रही हैं। 'किमोनो' भी इनमें से एक है। जो बहुत ही ट्रेंडी हैं। इस ढीले-ढाले परिधान को किसी भी ड्रेस के ऊपर पहना जा सकता है। इसे मॉडर्न आउटफिट कम टेड्रिशनल कहा जा रहा है। बॉलीवुड हमेशा से ही ट्रेंड सेटर रहा है। दीपिका पादुकोण ने 'किमोनो' को भी काफी पापुलर बना दिया है। गर्ल्सज़ अपने आप को डिफरेंट और अट्रैक्टिव दिखाने का प्रयास कर रही हैं, इसलिए यूनिक और स्टाइलिश 'किमोनो' टॉप्स में हैं। ये काफी लोकप्रिय हो रहे हैं। अब गर्ल्स भी 'किमोनो' टॉप्स में नजर आ रही हैं जो की उन्हें अट्रैक्टिव लुक दे रहा। ये लुक टीनेजर्स को बहुत लुभा रहा है। 'किमोनो' टॉप्स कलरफूल और सिम्पल लुक में भा रहे हैं। प्लेन और प्रिंटेड 'किमोनो' को जींस या पैंट्स के ऊपर पहन सकते हैं।

स्टाइलिश क्रेप व 'किमोनो' चलन में

कैजुअल लुक, फंकी लुक और पार्टी वेयर लुक के अलावा स्टाइलिश क्रेप और 'किमोनो' काफी चलन में है। नेट 'किमोनो' भी प्रचलित में है। मिनी स्कर्ट या शॉर्ट्स, फुल स्किनी ट्राउजर के साथ इसे कैरी कर सकते हैं और इसमें अटैच बेल्ट से इसे कमर में टाइट कर सकते हैं। ये बैक साइड से पूरा कवर होता है और सामने से हाफ ओपन होता है ताकि अंदर जो जीन्स और स्कर्ट पहना है वो नजर आ सके। ये गर्ल्स को स्टाइलिश लुक दे। जापानी 'किमोनो' का डिजाइनर आउटफिट्स काफी लड़कियों को लुभा रहा है जो स्लीवलेस कुर्ती और टी सर्ट के साथ कैरी किया जा रहा है।

फॉलो कर रही हैं

इस सीजन में सबसे ज्यादा चलन में है तो वो है 'किमोनो'। गर्ल्स ये ट्रेंड फॉलो कर रही हैं। यही नहीं इसमें भी नए-नए इन्नोवेशन देखने को मिल रहे हैं।

इसे जींस के साथ कैरी किया जा सकता है तो वहीं प्लाजो के साथ भी इसे पहना जा सकता है। कैजुअल लुक, फंकी लुक और पार्टी वेयर लुक के लिए भी इसे ट्राय कर सकते हैं। ये नया ट्रेंड है और कूल भी है।

संपादकीय

कौन करेगा 'रिजीम चेंज'

'तख्तापलट लोकतंत्र की भाषा नहीं है। जनमत के जरिए सत्ताएं बाहर होती रही हैं और जनादेश प्राप्त दल या गठबंधन सत्तारूढ़ होते रहे हैं। भारत एक संप्रभु, गणतांत्रिक, लोकतांत्रिक, संवैधानिक राष्ट्र है। भारत में आज तक तख्तापलट नहीं किया जा सका। देश में सत्ता का हस्तांतरण एकदम सहज और सरल भाव के साथ हो जाता है। हम अब किसी मुगल बादशाह की सल्तनत का देश नहीं हैं। भारत बांग्लादेश, नेपाल और श्रीलंका भी नहीं है और कभी हो भी नहीं सकता। इन देशों में एक निश्चित भीड़ ने विद्रोह किया और बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना को देश छोड़ना पड़ा। बांग्लादेश में तो 6 बार तख्तापलट किए जा चुके हैं। फिर भी इन देशों में नई सत्ता चुनाव के जरिए ही स्थापित हो पाई। हमारे देश में जो हुड़दंगी बांग्लादेश के 'कट्टरपंथी विद्रोह' से प्रेरित हैं, वे मुगालते में हैं और कठपुतलियों की तरह सक्रिय हैं। वे भारतीय सत्ता का 'तिनका' भी नहीं तोड़ सकते। भारत में 1977 से पहले कांग्रेस ही सत्ता में रहती थी, बेशक उसके टुकड़े होते रहते थे। आपातकाल के बाद 1977 में चुनाव हुए, तो पहली बार गैर-कांग्रेसी, जनता पार्टी की, सरकार बनी और मोरारजी देसाई प्रधानमंत्री बने। तब वाकई 'रिजीम चेंज', यानी व्यवस्था-परिवर्तन, हुआ था, क्योंकि जनता पार्टी की सरकार मानसिक, वैचारिक, कार्य-प्रणाली के तौर पर भी गैर-कांग्रेसी थी, लिहाजा भारत सरकार में कई स्तरों पर व्यवस्थाएं बदली गईं। हालांकि वह राजनीतिक प्रयोग, अंततः, नाकाम साबित हुआ। उसने निराश किया, वह विभाजित हो गया, अंततः 1980 में इंदिरा गांधी सरकार की वापसी हुई। आपातकाल के दौरान तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने जयप्रकाश नारायण और मोरारजी देसाई सरीखे नेताओं को 'सीआईए एजेंट' तक करार दिया था। राममनोहर लोहिया और तत्कालीन जनसंघ के नेता नारे लगाया करते थे-'सिंहासन खाली करो कि जनता आती है।' बहरहाल मौजूदा संदर्भ में प्रख्यात अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने बार-बार दोहरा कर बयान दिया है कि यह 'रिजीम चेंज', सत्ता-परिवर्तन की, लड़ाई है। हम युवाओं के नेतृत्व में 'रिजीम चेंज' करके रहेंगे। उन्होंने ऐसे ही नारे 'अन्ना आंदोलन' के दौरान भी लगाए थे। बेशक आम आदमी पार्टी की सरकार बनी, लेकिन प्रशांत सरीखों को बाहर खदेड़ दिया गया। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा का मानना है कि आपातकाल के बाद 'रिजीम चेंज' हुई थी। यह विपक्ष का ही दायित्व है कि वह चुनाव के जरिए सत्ता-परिवर्तन कराए। दावे और नारे कुछ उलझ रहे हैं। सत्ता और व्यवस्था-परिवर्तन में भेद नहीं किया जा रहा और भीड़ 'मोदी की सत्ता' को उखाड़ फेंकने की हुंकारें भर रही है। यदि समूचे विपक्ष की यही रणनीति है कि राजधानी दिल्ली और कुछ अन्य प्रमुख शहरों में भीड़ जुटा कर अराजकता फैलाई जाए, तो 2027 में ही उप्र, पंजाब समेत पांच राज्यों में चुनाव होने हैं। विपक्ष जोर लगाए, लामबंदियां बनाए और सत्ता-परिवर्तन के प्रयास करे। देश उन राज्यों के जनादेश देखना चाहेगा, लेकिन 'रिजीम चेंज' के कोई आसार नहीं हैं। तिलचट्टों और कथित वामपंथी हुड़दंगियों के जरिए भारत जैसे विशाल, विविध देश की सत्ता और व्यवस्था नहीं बदली जा सकती। उसकी 'अरब स्प्रिंग' से तुलना करना भी कुतर्क है। अक्सर शांत और सहज रहने वाले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर गंभीर आरोप मढ़े हैं कि वह अराजकता फैला कर देश में 'आग' लगाना चाहते हैं। उन्हें यह करने का कोई लाइसेंस नहीं मिला है। बहरहाल 'रिजीम चेंज' या सत्ता-परिवर्तन इसलिए भी संभव नहीं है, क्योंकि 2029 तक का जनादेश और भरपूर बहुमत मोदी सरकार को हासिल है। 'वोट चोरी' या मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार से जुड़े मुद्दे 'दीर्घजीवी' नहीं हैं, क्योंकि विपक्ष की मांगें 'असंवैधानिक' हैं। आप सीईसी को 'सनातन खलनायक' करार नहीं दे सकते। बेशक मतदाता सूचियों के शुद्धिकरण में कई खामियां सामने आई हैं, हम भी 'मताधिकार' की निरंतर पैरवी करते रहे हैं, लेकिन अब चुनाव आयोग 'विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण' (एसएसआर) के जरिए 17 राज्यों में गलतियां सुधार रहा है।

भारत एक संप्रभु, गणतांत्रिक, लोकतांत्रिक, संवैधानिक राष्ट्र है। भारत में आज तक तख्तापलट नहीं किया जा सका। देश में सत्ता का हस्तांतरण एकदम सहज और सरल भाव के साथ हो जाता है। हम अब किसी मुगल बादशाह की सल्तनत का देश नहीं हैं। भारत बांग्लादेश, नेपाल और श्रीलंका भी नहीं है और कभी हो भी नहीं सकता। इन देशों में एक निश्चित भीड़ ने विद्रोह किया और बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना को देश छोड़ना पड़ा। बांग्लादेश में तो 6 बार तख्तापलट किए जा चुके हैं। फिर भी इन देशों में नई सत्ता चुनाव के जरिए ही स्थापित हो पाई। हमारे देश में जो हुड़दंगी बांग्लादेश के 'कट्टरपंथी विद्रोह' से प्रेरित हैं, वे मुगालते में हैं और कठपुतलियों की तरह सक्रिय हैं। वे भारतीय सत्ता का 'तिनका' भी नहीं तोड़ सकते। भारत में 1977 से पहले कांग्रेस ही सत्ता में रहती थी, बेशक उसके टुकड़े होते रहते थे। आपातकाल के बाद 1977 में चुनाव हुए, तो पहली बार गैर-कांग्रेसी, जनता पार्टी की, सरकार बनी और मोरारजी देसाई प्रधानमंत्री बने। तब वाकई 'रिजीम चेंज', यानी व्यवस्था-परिवर्तन, हुआ था, क्योंकि जनता पार्टी की सरकार मानसिक, वैचारिक, कार्य-प्रणाली के तौर पर भी गैर-कांग्रेसी थी, लिहाजा भारत सरकार में कई स्तरों पर व्यवस्थाएं बदली गईं। हालांकि वह राजनीतिक प्रयोग, अंततः, नाकाम साबित हुआ। उसने निराश किया, वह विभाजित हो गया, अंततः 1980 में इंदिरा गांधी सरकार की वापसी हुई। आपातकाल के दौरान तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने जयप्रकाश नारायण और मोरारजी देसाई सरीखे नेताओं को 'सीआईए एजेंट' तक करार दिया था। राममनोहर लोहिया और तत्कालीन जनसंघ के नेता नारे लगाया करते थे-'सिंहासन खाली करो कि जनता आती है।'

कुछ अलग

है इनके बाप का राज

राजाओं जैसी शक्ति किसी के बाप को मिल जाए, तो जिंदगी की बादशाहत दर्ज हो सकती है। ऐसे कई लोग आपको मिल जाएंगे, जो इस सिद्धांत पर चलते हैं कि उनके ही बाप का राज है। आज के दौर में 'बाप का राज' होने का अर्थ सडक़ से शुरू होकर सदन तक पहुंच रहा है। इसे वंशवाद का नारा देना बेमानी है, बल्कि यह अद्भुत कला है जो बाप को प्रतिष्ठित करती है। श्राद्धों में घर-घर पकते पकवान भले ही किसी ब्राह्मण को खुश न कर सकें, लेकिन गंगा के किनारे कइयों के बाप का राज है। हमें तो लगता है कि कोई गरीब सा भिखारी भी अगर बार-बार मांग कर आपको तंग कर दे, तो निश्चित रूप से उसके बाप का राज तो अनवरत चल रहा है। खुशी के मौके पर दुल्हे का बाप अपनी सत्ता नहीं दिखा सकता है, क्योंकि आजकल खुशियों के नाम पर कोई न कोई ट्रांसजेंडर अपने बाप का राज साबित कर देता है। पता नहीं किसके बाप ने बाबाओं को महान बनाया, मगर सच यह है कि जहां चाहिए वहां आजकल इनके बाप का राज चल रहा है।

भारत में खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने अनेक महत्त्वपूर्ण पहल की

खाद्य सुरक्षा से पोषण सुरक्षा तक

भारत ने स्वतंत्रता के बाद खाद्यान्न उत्पादन में उल्लेखनीय प्रगति की है। हरित क्रांति से लेकर सार्वजनिक वितरण प्रणाली के विस्तार तक, देश ने खाद्य संकट से उबरकर खाद्यान्न के मामले में आत्मनिर्भरता की दिशा में लंबी यात्रा तय की है। आज भारत दुनिया के प्रमुख खाद्यान्न उत्पादक देशों में शामिल है। इसके बावजूद कुपोषण, एनीमिया, खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतें, जलवायु परिवर्तन और खाद्यान्न वितरण में असमानता जैसी चुनौतियाँ बनी हुई हैं। इसलिए अब आवश्यकता केवल अनाज के भंडार भरने की नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक तक संतुलित, पौष्टिक और सुरक्षित भोजन पहुँचाने की है।

खाद्य सुरक्षा किसी भी राष्ट्र की आर्थिक समृद्धि, सामाजिक न्याय और मानवीय विकास का आधार है। जिस देश के नागरिकों को पर्याप्त, सुरक्षित और पौष्टिक भोजन उपलब्ध नहीं होता, वहाँ विकास के बड़े-बड़े दावे भी अधूरे रह जाते हैं। भारत ने स्वतंत्रता के बाद खाद्यान्न उत्पादन में उल्लेखनीय प्रगति की है। हरित क्रांति से लेकर सार्वजनिक वितरण प्रणाली के विस्तार तक, देश ने खाद्य संकट से उबरकर खाद्यान्न के मामले में आत्मनिर्भरता की दिशा में लंबी यात्रा तय की है। आज भारत दुनिया के प्रमुख खाद्यान्न उत्पादक देशों में शामिल है। इसके बावजूद कुपोषण, एनीमिया, खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतें, जलवायु परिवर्तन और खाद्यान्न वितरण में असमानता जैसी चुनौतियाँ बनी हुई हैं। इसलिए अब आवश्यकता केवल अनाज के भंडार भरने की नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक तक संतुलित, पौष्टिक और सुरक्षित भोजन पहुँचाने की है। विश्व खाद्य दिवस 2026 की प्रस्तावित थीम 'इनोवेट टुडे, नॉरिश टुमॉरो' अर्थात 'आज नवाचार करें, कल पोषण सुनिश्चित करें' खाद्य सुरक्षा के भविष्य में नवाचार की भूमिका को रेखांकित करती है। बदलती जलवायु, बढ़ती आबादी और प्राकृतिक संसाधनों पर बढ़ते दबाव के बीच खाद्य व्यवस्था को अधिक टिकाऊ, समावेशी और तकनीक आधारित बनाना आवश्यक है। भारत में खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने अनेक महत्त्वपूर्ण पहल की हैं। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 इस दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। इसके माध्यम से पात्र लाभार्थियों को रियायती दरों पर खाद्यान्न उपलब्ध कराने का कानूनी आधार मिला। इस व्यवस्था ने गरीब और कमजोर परिवारों के लिए भोजन की उपलब्धता सुनिश्चित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कोविड-19 महामारी के दौरान प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना ने करोड़ों लोगों को खाद्यान्न उपलब्ध कराकर संकट के समय सामाजिक सुरक्षा का महत्त्व प्रदर्शित किया। जनवरी 2024 से पात्र लाभार्थियों को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत पाँच वर्षों के लिए मुफ्त खाद्यान्न उपलब्ध कराने की व्यवस्था लागू की गई। इससे गरीब परिवारों पर खाद्य व्यय का बोझ कम करने में सहायता मिली। भारतीय खाद्य निगम यानी एफसीआई द्वारा खाद्यान्न की खरीद, भंडारण और वितरण तथा बफर स्टॉक का रखरखाव देश की खाद्य सुरक्षा व्यवस्था के महत्त्वपूर्ण आधार हैं। न्यूनतम समर्थन मूल्य के माध्यम से किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने और सार्वजनिक वितरण प्रणाली के लिए अनाज जुटाने का प्रयास किया जाता है। हालांकि, इस व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने के लिए खरीद प्रक्रिया में विविधता लाने की आवश्यकता है, ताकि गेहूँ और धान के साथ दलहन, तिलहन तथा मोटे अनाजों को भी पर्याप्त प्रोत्साहन मिल सके। खाद्य वितरण में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए डिजिटल तकनीक का उपयोग भी उल्लेखनीय है। 'वन नेशन, वन राशन कार्ड' योजना के माध्यम से पात्र लाभार्थियों को देश के विभिन्न हिस्सों में अपनी सुविधा के अनुसार राशन प्राप्त करने की सुविधा मिली है। विशेष रूप से प्रवासी मजदूरों के लिए यह पहल महत्त्वपूर्ण है। आधार आधारित प्रमाणीकरण, राशन दुकानों पर इलेक्ट्रॉनिक पॉइंट ऑफ सेल मशीनों और डिजिटल निगरानी ने वितरण प्रणाली में सुधार की संभावनाएँ बढ़ाई हैं। फिर भी तकनीकी गड़बड़ियों, नेटवर्क की समस्या और प्रमाणीकरण में विफलता के कारण किसी जरूरतमंद व्यक्ति को राशन से वंचित नहीं होना चाहिए। तकनीक का उद्देश्य सुविधा बढ़ाना होना चाहिए, न कि पात्र नागरिकों के लिए नई बाधाएँ खड़ी करना। खाद्य सुरक्षा का वास्तविक अर्थ केवल पेट भरना नहीं, बल्कि शरीर की आवश्यकताओं के अनुरूप पोषण उपलब्ध कराना भी है। इसी उद्देश्य से प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना यानी पीएम-पोषण के अंतर्गत सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालयों में बच्चों को पका हुआ भोजन उपलब्ध कराया जाता है। पोषण अभियान के माध्यम से बच्चों, किशोरियों, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं के पोषण स्तर में सुधार पर ध्यान दिया जाता है। आंगनवाड़ी सेवाएँ, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना और सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रम भी इस दिशा में योगदान देते हैं। इसके अतिरिक्त, खाद्य पदार्थों के सुदृढ़ीकरण यानी फोर्टिफिकेशन के माध्यम से आयरन, फोलिक एसिड और अन्य आवश्यक सूक्ष्म पोषक तत्त्वों की कमी दूर करने के प्रयास किए जा रहे हैं। हालाँकि, इन उपायों के साथ विविध आहार, स्वच्छ पेयजल, स्वच्छता और स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता भी सुनिश्चित करनी होगी। इन प्रयासों के बावजूद भारत में कुपोषण और सूक्ष्म पोषक तत्त्वों की कमी गंभीर चिंता का विषय हैं। भोजन की पर्याप्त कैलोरी उपलब्ध होने के बावजूद यदि उसमें प्रोटीन, विटामिन, खनिज और अन्य आवश्यक पोषक तत्त्वों की कमी है, तो व्यक्ति स्वस्थ जीवन नहीं जी सकता। महिलाओं और बच्चों में एनीमिया, बच्चों की वृद्धि में रुकावट और कम वजन जैसी समस्याएँ इस चुनौती को स्पष्ट करती हैं। गरीबी, खाद्य पदार्थों की कीमतें, जागरूकता की कमी और असंतुलित खानपान इसके प्रमुख कारण हैं। इसलिए खाद्य सुरक्षा की नीतियों को पोषण सुरक्षा के व्यापक लक्ष्य से जोड़ना होगा। जलवायु परिवर्तन खाद्य सुरक्षा के सामने एक और बड़ी चुनौती बनकर उभरा है। अनियमित मानसून, सूखा, बाढ़, लू और बढ़ते तापमान का प्रभाव कृषि उत्पादन पर पड़ता है। गेहूँ जैसी फसलों पर अत्यधिक तापमान का प्रतिकूल असर पड़ सकता है, जबकि धान की खेती में अत्यधिक जल उपयोग भूजल संसाधनों पर दबाव बढ़ाता है। यदि कृषि उत्पादन प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन करके बढ़ाया जाएगा, तो भविष्य में खाद्य सुरक्षा स्वयं संकट में पड़ सकती है। इसके अलावा, भंडारण की अपर्याप्त सुविधाओं, शीत श्रृंखला की कमी और परिवहन संबंधी समस्याओं के कारण फल, सब्जियों तथा अन्य शीघ्र खराब होने वाले खाद्य पदार्थों की बर्बादी होती है। इन चुनौतियों से निपटने के लिए सबसे पहले कृषि उत्पादन को विविधतापूर्ण और टिकाऊ बनाना होगा। किसानों को दलहन, तिलहन, बाजरा, ज्वार और अन्य पौष्टिक फसलों की खेती के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। मोटे अनाज कम पानी में उगाए जा सकते हैं और पोषण की दृष्टि से भी महत्त्वपूर्ण हैं। फसल विविधीकरण से किसानों की आय बढ़ाने, मिट्टी की गुणवत्ता बनाए रखने और जल संसाधनों पर दबाव कम करने में सहायता मिल सकती है। इसके साथ ही सूखा सहन करने वाली बीज किस्मों, सूक्ष्म सिंचाई, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन और मौसम आधारित कृषि सलाह को बढ़ावा देना चाहिए। खाद्य आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करना भी उतना ही आवश्यक है। ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिक गोदाम, शीत भंडारण केंद्र, प्रसंस्करण इकाइयाँ और बेहतर परिवहन सुविधाएँ विकसित की जानी चाहिए। डिजिटल तकनीक के माध्यम से उत्पादन, भंडारण, बाजार की मांग और वितरण की निगरानी की जा सकती है।

देश दुनीया से

लोकतंत्र में असहमति के बीच अभिव्यक्ति का हक

गत सप्ताहांत सारा ध्यान गुजरात के तटीय इलाके में काठियावाड़ी शहर, जामनगर की ओर खिंच गया, जहां दुनिया की सबसे बड़ी तेल रिफाइनरी है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो वहां रिफाइनरी के मालिक मुकेश अंबानी के उस फैसले की तारीफ करने पहुंचेंगे, जिसमें रूस से तेल आयात कम करने और इसकी बजाय टेक्सास में एक रिफाइनरी बनाने के लिए 300 बिलियन डॉलर के निवेश का निर्णय लिया गया। रुबियो दिल्ली भी नहीं आ रहे हैं। इसका मतलब है कि वे प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात नहीं करेंगे। हाल के समय में ऐसा पहली बार हो रहा है कि कोई अमेरिकी नेता भारत आए और प्रधानमंत्री से न मिले। इसकी बजाय, विदेश मंत्री एस. जयशंकर मुंबई उनसे भेंट करने पहुंचेंगे, जहां जामनगर जाते समय रुबियो को कुछ देर रुकना है। तो, इसका दिल्ली में चल रहे जन-विरोध प्रदर्शनों से क्या लेना-देना है, जहां दिल्ली पुलिस लगातार लोकतंत्र समर्थक कार्यकर्ताओं और 'कॉकरोच जनता पार्टी' (सीजेपी) के समर्थकों को बेरहमी से उठा रही है। जिसके सभी शीर्ष नेताओं को भी पुलिस ने पिछले हफ्ते हिरासत में ले लिया। इसका कुछ जवाब कांग्रेस नेता राहुल गांधी की सोशल मीडिया टाइमलाइन पर मिलता है। रुबियो के दिल्ली न आने की खबर पर, गांधी ने 'एक्स' (ट्विटर) पर तीखी टिप्पणी करते हुए लिखा, 'मिस्टर रुबियो ने अपने कर्मचारी को मुंबई तलब किया है'। यह स्पष्ट नहीं है कि जयशंकर-रुबियो की मुलाकात में क्या भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर आगे कुछ होने की घोषणा होगी। मोदी सरकार के लिए दांव पर बहुत कुछ लगा है- अगर उसे नैरेटिव पर अपना नियंत्रण बनाए रखना है तो राजधानी में चल रहे विरोध प्रदर्शनों को लेकर सुर्खियों से लोगों का ध्यान हटाना ही होगा। बारह सालों में पहली बार, 'इंडिया' गठबंधन के हमले सही निशाने पर लग रहे। निस्संदेह सीजेपी समर्थकों, नेहा बोरा और उनके सीपीआई-एमएल कार्यकर्ताओं के साथ-साथ देशभर से आ रहे छात्रों के प्रतिबद्ध विरोध प्रदर्शनों ने इसकी गूंज बढ़ा दी है। निश्चित रूप से, जेएनयू की इस युवा छात्रा ने जिस जोश और वाकपटुता से अपनी राजनीतिक विचारधारा को सामने रखा है, उसने इंस्टाग्राम पर मीम और गेम्स के दीवाने भारतीयों की कल्पना को पूर्णतया अपनी ओर खींच लिया - जिनमें से एक गेम का नाम 'भाग, नेहा, भाग' है। तथापि, माहौल विरोधाभास भरा है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र ने दिल्ली के दिल, कनॉट प्लेस में 'तिरंगा रैली' निकालने की अनुमति देने से इनकार कर दिया और सीजेपी के शीर्ष नेतृत्व को हिरासत में ले लिया। जबकि उसी मुंबई में, जहां जयशंकर की मुलाकात रुबियो से होनी है, बॉलीवुड अभिनेता इमरान खान -जो एक अमेरिकी नागरिक हैं और ओसीआई कार्ड धारक हैं-उन्हें वापस अपने देश लौटने के लिए कह दिया गया, क्योंकि उन्होंने सीजेपी की रैली में हिस्सा लिया था। वहीं जब जामनगर में अंबानी रुबियो की मेजबानी करेंगे, तो कक्ष में मौजूद हर व्यक्ति को एलन मस्क का ख्याल जरूर आएगा- जो डोनाल्ड ट्रंप के बेहद करीबी हैं और खुलेआम और बारंबार अंबानी के खिलाफ बयान दिए – हालांकि इस बारे में कोई कुछ कहेगा नहीं। बुराई पर अच्छाई की विजय के इस त्योहारी सप्ताह में, जब देवी दुर्गा धरती पर आती हैं और महिषासुर के अंत की घोषणा करती हैं (या देवी सर्वभूतेषु बुद्धिरूपेण संस्थिता), तब यह स्पष्ट नहीं है कि इस 'अच्छाई की लड़ाई' में कौन जीत रहा है, या कौन अच्छा है और कौन बुरा। सिर्फ इतना कि दुनिया का दायरा सिमटता जा रहा है। उदाहरणतया, जो व्यक्ति तिरंगा फहराना चाहता है, क्या वह एक 'अच्छा' इंसान है या 'उतना अच्छा नहीं'? आखिरकार, राष्ट्रीय ध्वज फहराना तो एक अच्छाई की श्रेणी में आता है। लेकिन दिल्ली पुलिस ने जंतर-मंतर और कनॉट प्लेस, दोनों जगहों को ही पहुंच के बाहर घोषित कर डाला है, क्योंकि इनमें से कोई भी विरोध-प्रदर्शन के लिए तय की गई जगह नहीं रही। रामलीला मैदान ऐसी जगह है, लेकिन वह इस साल के बाकी दिनों-सिवाय तीन दिनों के-पहले ही बुक हो चुका है। वहां का किराया भी 1.21 लाख रु. प्रतिदिन है। और इस तरह, हमारे सामने एक नैतिक दुविधा खड़ी हो गई है। अब सवाल यह नहीं रहा कि कोई 'राष्ट्र-विरोधी' है या नहीं। सवाल यह है कि क्या दिल्ली पुलिस के फैसलों से ऊपर भी कोई है? सारे घटनाक्रम से लग रहा है कि राहुल गांधी ने तय कर लिया है कि कांग्रेस को सीजेपी और अन्य सियासी संगठनों द्वारा अपना-अपना विरोध प्रदर्शन करते रहने दिया जाए। साथ ही, वे 'इंडिया' गठबंधन की सभी पार्टियों को एक मंच पर लाने की कोशिश कर रहे हैं-खुद बड़े नेताओं को फोन कर शामिल होने के लिए आग्रह कर रहे हैं। मकसद यह दिखाना है कि मतभेदों के बावजूद, मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे के मुद्दे पर विपक्ष एकजुट है। 'इंडिया' गठबंधन का इरादा राजनीतिक माहौल गर्माए रखना है, ताकि इसका असर 2027 की शुरुआत में पंजाब, उत्तर प्रदेश, मणिपुर, गोवा और उत्तराखंड में होने वाले विधानसभा चुनावों पर पड़े। 'इंडिया' गठबंधन 1 नवंबर को एक और विशाल विरोध प्रदर्शन की योजना बना रहा है। राहुल गांधी के लिए यह 'करो या मरो' जैसा राजनीतिक पल है। उनके नेतृत्व में, 2024 के आम चुनावों के बाद से कांग्रेस आठ राज्यों में केवल एक यानि केरल में ही जीत पाई। आने वाले विधानसभा चुनाव के नतीजे उनके नेतृत्व पर एक तरह का जनमत संग्रह बनेंगे। उन्हें अहसास है कि नेहा बोरा और सीजेपी के छात्र नेताओं के जोश की उन्हें जरूरत है– वे चाहते हैं कि ये कांग्रेस के बड़े दायरे का हिस्सा बनें, यह कहकर कि 'शिवजी की बारात' में सभी का स्वागत है। ठीक इन्हीं कारणों से, मोदी और उनके साथियों के बृहद राजनीतिक अभियान के लिए दांव बहुत ऊंचे हैं।

आप का नजरीया

सियासत का खानदानी चरित्र

हिमाचल में सियासत का चरित्र खानदानी रहा है और इसे प्रमाणित करते कई विधायक आज भी शिरकत कर रहे हैं। वर्तमान विधानसभा में भी करीब तेरह विधायक इसी परंपरा का निर्वहन करते हुए अपनी उपस्थिति दर्ज कर रहे हैं, जबकि लोकसभा के प्रतिनिधित्व में अनुराग ठाकुर का कद इसी परिभाषा को सुदृढ़ कर रहा है। इस समय चर्चाओं के शिखर पर मंडी के विधायक अनिल शर्मा हैं, क्योंकि उनके साथ पंडित सुख राम की राजनीतिक विरासत जोड़ कर देखी जा रही है। वह पल में भाजपा को माशा करके खुद में तोला तौल लेते हैं। यानी कि सियासत के गरबा नृत्य में वह गोल-गोल घूम कर ऐसे बयान दाग रहे हैं, जिससे भाजपा के अनुशासन के बाहर असमंजस हैं। ऐसे सवाल यही कि क्या अनिल शर्मा पुनः खानदानी विरासत के पलड़े पर बैठ कर दूसरे पलड़े में छलांग लगा कर अपना वजन तय करेंगे और क्या नया भार उन्हें नई पार्टी में मिलेगा। खैर यह उनके लिए ऐसी स्थिति है जो सियासी पैमाने से ऊपर और खानदानी रिवायत के करीब है। हिमाचल के राजनीतिक अध्याय पुत्रों, बेटियों और बीवियों के महत्त्व का श्रृंगार करते-करते आज गढ़ बन चुके हैं, तो इसलिए कि पार्टियों में आम कार्यकर्ताओं को पीछे की पांत में बैठाया जाता है। प्रमुखतः दो ही पार्टियों के बीच झूलते समीकरण यह इजाजत नहीं देते कि किसी तीसरे मोर्चे का घर आंगन देखा जाए। हर चुनाव में कोशिश होती है। कुछ नेताओं ने सफलतापूर्वक कुछ कदम उठाए भी, लेकिन बदलाव की ईंटें पिघल गईं। पंडित सुखराम के अलावा विजय सिंह मनकोटिया की आवाज में यह जादू रहा कि तीसरे मंच पर सियासत कुछ हद तक एकत्रित हुई, वरना वंशवाद की पहचान में कांग्रेस ने अपनी परंपराओं को पार्टी बना दिया। इसी विधानसभा में विक्रमादित्य सिंह, आरएस बाली, आशीष बुटेल, भवानी पठानिया, अनिल शर्मा, हर्षवर्धन, सुधीर शर्मा, विनय कुमार, रोहित ठाकुर, विनोद सुल्तानपुरी, विवेक शर्मा, भुवनेश्वर गौड़ और कमलेश ठाकुर की मौजूदगी से वंशवाद का नारा बुलंद होता है। कुछ नए चेहरे या कुछ स्थापित नेताओं की सेवानिवृत्ति अपने ही घर के चिराग के नीचे होगी, तो हमें याद करना होगा कि चंद्र कुमार का आशीर्वाद नीरज भारती की दलील देगा और धनी राम शांडिल बड़े अरमानों से अपने बेटे कर्नल शांडिल को आगे कर रहे हैं। पूर्व विधायक ठाकुर सिंह भरमौरी भी चाहते हैं कि पार्टी का अगला टिकट उनके परिवार के संरक्षण में रहे। ऐसे में सियासत इस समय ऐसे दौर में जा रही जहां माप तौल की फितरत में कुछ खानदान दबाव बढ़ा कर वजूद की निशानियां खोज रहे हैं या राजनीतिक मसौदे बदलकर कहीं न कहीं कूदने की तैयारी कर रहे हैं। शांता कुमार सरीखे पूर्व मुख्यमंत्री ही अपवाद है जिन्होंने अपनी वसीयत में राजनीति को नहीं बांटा, वरना अब तो पंचायत चुनाव भी वंशवाद की परंपराओं से चल रहे हैं। पति के बाद पत्नी और पत्नी के बाद पति को प्रधान बनाने के सिलसिले आम हैं या कहीं डमी पत्नी के पीछे पतियों का ही साम्राज्य चल रहा है। बेशक राजनीति में प्रभुत्व और सत्ता की असीम शक्तियों की आस में कुछ युवा स्थानीय निकाय चुनावों की दिशा में अग्रसर हैं, फिर भी प्रदेश की समग्रता में वंशवाद के नारे तथा विरासत के चिन्ह स्पष्ट हो रहे हैं। कुछ परिवारों ने ऐसी किलेबंदी कर रखी है कि सामाजिक न्याय की भूमिका में कुछ क्षेत्र पिछड़ रहे हैं। प्रदेश के जातीय समीकरणों में परिवारवाद के घरौंदे पैदा हुए हैं, इसलिए समरसता के सवाल पर राजनीति ने वैकल्पिक मार्ग चुने हैं। जाहिर इससे जनता और लोकतत्र के प्रति कम जवाबदेही में नेताओं का ऐसा गुट पैदा हुआ है, जो चुनावी सियासत को भी लंगरवादी बना रहा है। यानी कई विधानसमा क्षेत्रों में एक ही तरह का ढर्रा पुरोसा जा रहा है। इसी वजह से प्रशासनिक और विभागीय कसरतों में अधिकारियों के बीच पसंद और नापसंद के कारण प्रदेश की कार्यसंस्कृति घने कोहरे में दिखाई देने लगी है।

वर्तमान विधानसभा में भी करीब तेरह विधायक इसी परंपरा का निर्वहन करते हुए अपनी उपस्थिति दर्ज कर रहे हैं, जबकि लोकसभा के प्रतिनिधित्व में अनुराग ठाकुर का कद इसी परिभाषा को सुदृढ़ कर रहा है। इस समय चर्चाओं के शिखर पर मंडी के विधायक अनिल शर्मा हैं, क्योंकि उनके साथ पंडित सुख राम की राजनीतिक विरासत जोड़ कर देखी जा रही है। वह पल में भाजपा को माशा करके खुद में तोला तौल लेते हैं। यानी कि सियासत के गरबा नृत्य में वह गोल-गोल घूम कर ऐसे बयान दाग रहे हैं, जिससे भाजपा के अनुशासन के बाहर असमंजस हैं। ऐसे सवाल यही कि क्या अनिल शर्मा पुन: खानदानी विरासत के पलड़े पर बैठ कर दूसरे पलड़े में छलांग लगा कर अपना वजन तय करेंगे और क्या नया भार उन्हें नई पार्टी में मिलेगा। खैर यह उनके लिए ऐसी स्थिति है जो सियासी पैमाने से ऊपर और खानदानी रिवायत के करीब है। हिमाचल के राजनीतिक अध्याय पुत्रों, बेटियों और बीवियों के महत्त्व का श्रृंगार करते-करते आज गढ़ बन चुके हैं, तो इसलिए कि पार्टियों में आम कार्यकर्ताओं को पीछे की पांत में बैठाया जाता है। प्रमुखत: दो ही पार्टियों के बीच झूलते समीकरण यह इजाजत नहीं देते कि किसी तीसरे मोर्चे का घर आंगन देखा जाए। हर चुनाव में कोशिश होती है। कुछ नेताओं ने सफलतापूर्वक कुछ कदम उठाए भी, लेकिन बदलाव की ईंटें पिघल गईं।

दृष्टि कोण

जीएसटी सुधारों से मजबूत होती आर्थिकी

इन दिनों भारत की अर्थव्यवस्था पर प्रकाशित हो रही राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों में कहा जा रहा है कि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में निरंतर सुधारों से देश की अर्थव्यवस्था को लगातार मजबूती मिल रही है। इस समय राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय परिवेश से जुड़ी हुई विभिन्न आर्थिक चुनौतियों के बीच एक बार फिर जीएसटी संबंधी नए सुधारों से अर्थव्यवस्था को धार मिलेगी। यह कोई छोटी बात नहीं है कि 13 अक्टूबर को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट में वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि का अनुमान 6.4 प्रतिशत से बढ़ाकर 7 प्रतिशत कर दिया गया है। अब जीएसटी सुधारों से आगामी वित्त वर्ष में भी भारत की विकास दर बढने की संभावनाएं उभरकर दिखाई दे रही हैं। उल्लेखनीय है कि हाल ही में नई दिल्ली में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में आयोजित 57वीं जीएसटी परिषद की बैठक में करीब 9 साल बाद जीएसटी को सरल एवं बेहतर बनाने के लिए बड़े बदलाव किए गए हैं। ये बदलाव कोई एक साल पहले जीएसटी दरों और स्लैब को कम करने के लिए उठाए गए महत्वपूर्ण कदम के बाद अब जीएसटी व्यवस्था को और कारगर व प्रभावी बनाने के मद्देनजर महत्वपूर्ण हैं। जीएसटी परिषद के नए फैसले पंजीकरण, टैक्स रिटर्न, रिफंड, इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी), कर प्रवर्तन, निर्यात, विवाद निपटान और विभिन्न प्रदेशों के बीच माल की आवाजाही से जुड़े नियमों को सरल और लाभप्रद बनाने से संबंधित हैं। वस्तुतः व्यापार सुगमता (ईज ऑफ डूइंग बिजनेस) और कर अनुपालन के सरलीकरण पर केंद्रित हैं। गौरतलब है कि जीएसटी परिषद के द्वारा निर्धारित नई व्यवस्था के अनुसार अब जीएसटी अधिकारी कारोबारियों को जीएसटी कानून का हवाला देकर गिरफ्तार नहीं कर सकेंगे तथा इसके लिए उन्हें कोर्ट से आदेश लेना होगा। कर अधिकारियों की गिरफ्तारी की शक्तियों को समाप्त करने और अभियोजन की सीमा को बढ़ाए जाने के लिए ऐतिहासिक कदम उठाए गए हैं। इससे 'कर आतंक' का डर खत्म होगा और ईमानदारी से व्यापार करने वालों का भरोसा बढ़ेगा। परिषद ने इनपुट टैक्स क्रेडिट और रिफंड की प्रक्रियाओं को बेहद तेज और पारदर्शी बनाने का निर्णय लिया है। रिफंड दावों को जोखिम मूल्यांकन के आधार पर अधिकांश मामलों में तत्काल स्वीकृति देने और रिफंड पावती की अवधि घटाए जाने के प्रस्तावों से व्यवसायों के पास नकदी का प्रवाह (लिक्विडिटी) बढ़ेगा, जिससे वे नया निवेश कर सकेंगे। कुल कर देनदारी 10000 रुपए से कम होने पर जीएसटी के तहत कारण बताओ नोटिस नहीं दिए जाने, धारा 125 के तहत सामान्य जुर्माने की सीमा घटाए जाने और भारतीय कंपनियों के विदेशी कारोबार को कुछ शर्तों के साथ निर्यात माने जाने संबंधी सिफारिशों से उद्योग-कारोबार के विकास का नया दौर शुरू होगा। खास तौर से छोटे और असंगठित विक्रेताओं को ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के वेयरहाउस का उपयोग कर बिना जटिलताओं के व्यापार करने की अनुमति मिलने से डिजिटल अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जीएसटी परिषद द्वारा मंजूर किए गए नेक्स्ट जेनरेशन जीएसटी सुधारों का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि इन बदलावों से निर्णय लेने की प्रक्रिया तेज होगी, अनुपालन (कंप्लायंस) लागत में कमी आएगी और करदाताओं को ऑटोमेटेड रिफंड की सुविधा मिलेगी। पीएम के अनुसार, इन सुधारों का मुख्य उद्देश्य भरोसे पर आधारित प्रशासन को बढ़ावा देना और जीएसटी प्रणाली को अधिक कुशल, पारदर्शी और नागरिक-अनुकूल बनाना है।

40 दिन लंबा न्यूजीलैंड का दौरा, टीम इंडिया की होगी अग्निपरीक्षा, 22 अक्टूबर से शुरू होगा दौरा शुरु

नई दिल्ली

भारत और वेस्टइंडीज के बीच सीरीज समाप्त होने के बाद अब टीम इंडिया के सामने न्यूजीलैंड की चुनौती है। भारतीय टीम का न्यूजीलैंड दौरा 22 अक्टूबर से शुरू होकर 1 दिसंबर तक चलेगा। लगभग 40 दिनों तक चलने वाले इस दौरे में भारतीय खिलाड़ी न्यूजीलैंड की धरती पर टेस्ट, वनडे और टी-20 सीरीज में अपना दमखम दिखाएंगे। लंबे दौरे के दौरान खिलाड़ियों को अलग-अलग प्रारूपों में अपनी क्षमता साबित करने का मौका मिलेगा।

इस दौरे को लेकर भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों की नजरें टीम के प्रदर्शन और खिलाड़ियों के चयन पर टिकी हैं। भारतीय टीम ने वनडे सीरीज के लिए दो अलग-अलग दलों की घोषणा की है। शुरुआती तीन मुकाबलों में शुभमन गिल टीम की कप्तानी करेंगे, जबकि अंतिम दो वनडे मैचों में श्रेयस अय्यर कप्तानी की जिम्मेदारी संभालेंगे। इस बदलाव के चलते सीरीज के दौरान टीम की रणनीति और नेतृत्व में भी अंतर देखने को मिल सकता है। इस दौरे पर भुवनेश्वर कुमार की वापसी भी चर्चा का विषय बनी हुई है। करीब चार साल बाद उनके भारतीय टीम के लिए खेलने की संभावना से प्रशंसकों में उत्साह है। अनुभवी गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार की वापसी से गेंदबाजी आक्रमण को मजबूती मिलने की उम्मीद की जा रही है। वहीं, आकिब नबी को एक बार फिर मौका दिया गया है, जबकि ऋतुराज गायकवाड़ वनडे टीम में अपनी जगह बनाए रखने में सफल रहे हैं। न्यूजीलैंड की परिस्थितियां भारतीय खिलाड़ियों के लिए चुनौतीपूर्ण साबित हो सकती हैं। वहां की तेज गेंदबाजी के अनुकूल पिचें और मौसम बल्लेबाजों तथा गेंदबाजों, दोनों की परीक्षा ले सकते हैं। ऐसे में टीम इंडिया को बेहतर तालमेल, सही रणनीति और निरंतर प्रदर्शन पर ध्यान देना होगा। मैदान पर दोनों टीमों के आमने-सामने आने से पहले क्रिकेट प्रशंसकों की दिलचस्पी टेस्ट, वनडे और टी-20 सीरीज के पूरे कार्यक्रम तथा तीनों प्रारूपों के लिए घोषित भारतीय टीम के खिलाड़ियों की सूची जानने में है। यह दौरा भारतीय टीम के लिए अपनी तैयारियों और खिलाड़ियों की क्षमता परखने का महत्वपूर्ण अवसर होगा।

पूरा शेड्यूल:

भारत-न्यूजीलैंड टी20 सीरीज भारत और न्यूजीलैंड की टी20 सीरीज 22 अक्टूबर से क्राइस्टचर्च में शुरू होगी. यह सीरीज 1 नवंबर तक चलेगी, जिसमें कुल 5 मैच खेले जाएंगे।

- 22 अक्टूबर – पहला टी20 (क्राइस्टचर्च)
- 24 अक्टूबर – दूसरा टी20 (क्राइस्टचर्च)
- 27 अक्टूबर – तीसरा टी20 (वेलिंगटन)
- 30 अक्टूबर – चौथा टी20 (आकलैंड)
- 1 नवंबर – पांचवां टी20 (हैमिल्टन)

भारत का टी20 स्क्वाड: श्रेयस अय्यर (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, तिलक वर्मा, अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, नमन धीर, शिवम दुबे, नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, ईशान किशन, अर्शदीप सिंह, प्रिंस यादव, भुवनेश्वर कुमार, मयंक यादव, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव।

न्यूजीलैंड का टी20 स्क्वाड: मिचेल सैंटनर (कप्तान), फिन एलन, माइकल ब्रेसवेल, डेरिल मिचेल, बेवन जैकब्स, नाथन स्मिथ, जोश क्लार्कसन, ग्लेन फिलिप्स, डेवोन कानवे, टिम साइफर्ट, जैकब डफी, मैट हेनरी, लाकी फर्ग्यूसन, एडम मिलने, काइल जैमीसन, ब्लेयर टिकनर।

भारत-न्यूजीलैंड वनडे शेड्यूल

भारत और न्यूजीलैंड की वनडे सीरीज 4 नवंबर से शुरू होकर 15 नवंबर तक चलेगी.

- 4 नवंबर – पहला वनडे (आकलैंड)
- 7 नवंबर – दूसरा वनडे (वेलिंगटन)
- 10 नवंबर – तीसरा वनडे (हैमिल्टन)
- 13 नवंबर – चौथा वनडे (माउंट मौनगुआनी)
- 15 नवंबर – पांचवां वनडे (माउंट मौनगुआनी)

भारत का वनडे स्क्वाड (पहले 3 मैच): शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, ऋतुराज गायकवाड़, नमन धीर, नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, अंशुल कंबोज, केएल राहुल, ईशान किशन, मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, गुरनूर बराड़, प्रसिद्ध कृष्णा।

न्यूज़ ब्रीफ

हांगकांग सिक्सेस के लिए अफगानिस्तान की टीम घोषित, गुलबदीन नायब को मिली कप्तानी

हांगकांग। अफगानिस्तान ने हांगकांग सिक्सेस-2026 के लिए अपनी सात सदस्यीय टीम घोषित कर दी है।

अनुभवी आलराउंडर गुलबदीन नायब को टीम की कप्तानी सौंपी गई है। छह खिलाड़ियों वाले इस तेजतर्रार क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन 30 अक्टूबर से 1 नवंबर तक हांगकांग के टिन क्वांग रोड रिक्रिएशन ग्राउंड में होगा। अफगानिस्तान की टीम में गुलबदीन नायब के अलावा फरमानुल्लाह सफी, इमरान मीर, अब्दुल रहमान, करीम जनत, नांगेयालिया खारोटे और सिदीकुल्लाह पाचा को शामिल किया गया है। टीम में अंतरराष्ट्रीय अनुभव के साथ आक्रामक क्रिकेट खेलने वाले खिलाड़ियों को जगह दी गई है। हांगकांग सिक्सेस में प्रत्येक टीम मैदान पर छह खिलाड़ियों के साथ उतरती है और एक पारी में छह ओवर बल्लेबाजी करती है। इस प्रारूप में तेज रन बनाना, आक्रामक बल्लेबाजी, रणनीतिक गेंदबाजी और चुस्त क्षेत्ररक्षण जीत के लिए अहम होते हैं। अफगानिस्तान को ग्रुप डी में दक्षिण अफ्रीका और ओमान के साथ रखा गया है। टीम अपने आक्रामक अंदाज और तेजतर्रार बल्लेबाजी के दम पर टूर्नामेंट में प्रभाव छोड़ने की कोशिश करेगी। क्रिकेट हांगकांग, चीन के वाणिज्यिक एवं विपणन निदेशक अनुराग भटनागर ने कहा, अफगानिस्तान ने लगातार अपने खेल में जबरदस्त ऊर्जा और प्रतिस्पर्धी भावना दिखाई है। हमें हांगकांग सिक्सेस-2026 में उसकी टीम का स्वागत करते हुए खुशी हो रही है। यह टूर्नामेंट क्रिकेट के रोमांच, मनोरंजन और तेज गति वाले स्वरूप का उत्सव है। अफगानिस्तान की आक्रामक शैली टूर्नामेंट के रोमांच को और बढ़ाएगी। हम टीम के स्वागत और प्रशंसकों को यादगार क्रिकेट अनुभव देने के लिए उत्सुक हैं।

पैरा एशियन खेलः शीतल देवी ने विश्व रिकार्ड की बराबरी कर रचा इतिहास, एशियाई रिकार्ड भी तोड़ा, पायल नाग संयुक्त पांचवें स्थान पर

आइची-नागोया। भारत की स्टार पैरा तीरंदाज शीतल देवी ने सोमवार को पैरा एशियन खेल 2026 में

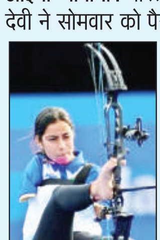

महिला कंपाउंड तीरंदाजी की क्वालीफिकेशन स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए विश्व रिकार्ड की बराबरी कर ली और नया एशियाई रिकार्ड अपने नाम कर लिया। शीतल ने 720 में से 704 अंक हासिल किए। इस दौरान उन्होंने अपने ही खेल की एशियाई स्तर पर स्थापित 698 अंकों की रिकार्ड सीमा को छह अंक से पीछे छोड़ दिया। क्वालीफिकेशन के 72 तीरों के बाद जारी परिणामों के अनुसार, शीतल ने दोनों 50 मीटर राउंड में 352-352 अंक हासिल किए। उनके नाम के सामने 32 एक्स और 25 बारह अंकों के निशाने दर्ज रहे। उनका यह प्रदर्शन भारतीय पैरा तीरंदाजी के लिए बड़ी उपलब्धि है। सिंगापुर की नूर स्याहिदा अलीम 683 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहीं, जबकि चीन की शुएकिंग शू ने 680 अंक हासिल कर तीसरा स्थान प्राप्त किया।

ला लीगा : रियल मैड्रिड ने सेविया को 4-1 से हराया, एम्बाप्पे ने दागे दो गोल

मैड्रिड। किलियन एम्बाप्पे के शानदार दो गोल की मदद से रियल मैड्रिड ने स्पेनिश फुटबाल लीग ला लीगा के

मुकाबले में सेविया को 4-1 से हरा दिया। इस जीत के साथ रियल मैड्रिड अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गया। टीम ने अगले सप्ताहांत बार्सिलोना के खिलाफ होने वाले एल क्लासिको से पहले अपनी तैयारी मजबूत कर ली। रियल मैड्रिड के लिए अर्दा गुलर ने शानदार गोल कर टीम का खाता खोला। इसके बाद एम्बाप्पे ने दो गोल किए, जबकि यान डिओमांडे ने जोरदार शाट पर गोल दागकर टीम की बड़ी जीत सुनिश्चित की। इस जीत से रियल मैड्रिड ने रियल बेटिस को पीछे छोड़ दिया। एम्बाप्पे का पहला गोल बेहद शानदार रहा। उन्होंने सेविया के पेनल्टी क्षेत्र के किनारे गेंद पर बेहतरीन नियंत्रण दिखाते हुए डिफेंडरों को छकाया और गोल कर दिया। इसके बाद उन्होंने पेनल्टी पर पनेन्का शैली में गेंद को चिप करके अपना दूसरा गोल पूरा किया। अर्दा गुलर को मुकाबले की शुरुआत में कोहनी मारने के कारण सीधे लाल कार्ड से बचने का फायदा मिला। हालांकि, उन्होंने बाद में शानदार गोल करके टीम को बढ़त दिलाई। सेविया की ओर से मैनुअल बुएनो ने बेहतरीन शाट लगाकर एक गोल किया, लेकिन टीम वापसी नहीं कर सकी। इस जीत के बावजूद रियल मैड्रिड शीर्ष स्थान की दौड़ में बार्सिलोना से छह अंक पीछे है। बार्सिलोना ने शनिवार को रियल बेटिस को बड़े अंतर से हराया था। एटलेटिको मैड्रिड अंक तालिका में दूसरे स्थान पर है। अगले सप्ताहांत कैंप नोउ में बार्सिलोना और रियल मैड्रिड के बीच होने वाला एल क्लासिको खिताबी दौड़ के लिहाज से अहम रहेगा।

पैरा एशियन गेम्स: भारत ने पहले दिन जीते 11 पदक, चार स्वर्ण पर कब्जा

भाला फेंक में रिंकू-अजीत, दौड़ में सौम्या-वेंकटेश राधा और शूटिंग में मोना-अवनी ने दिलाए स्वर्ण-रजत पदक

पैरा एशियन गेम्स 2026
मेडल टैली

रैंक	देश	गोल्ड	सिल्वर	ब्रॉन्ज	कुल मेडल
1	चीन	26	20	16	62
2	जापान	8	6	13	27
3	उज्बेकिस्तान	6	10	7	23
4	भारत	4	5	2	11
5	कजाकिस्तान	3	5	6	14
6	साउथ कोरिया	3	3	5	11
7	ईरान	3	3	2	8
8	थाईलैंड	1	7	4	12
9	इंडोनेशिया	1	1	8	10
10	मंगोलिया	1	1	1	3

आइची-नागोया। एशियन पैरा गेम्स में भारत ने पहले दिन शानदार प्रदर्शन करते हुए चार स्वर्ण सहित कुल 11 पदक अपने नाम किए। भाला फेंक में रिंकू ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि अजीत सिंह ने रजत पदक दिलाया। इसी तरह महिलाओं की 1500 मीटर टी12/टी13 दौड़ में सौम्या और वेंकटेश राधा ने भारत को स्वर्ण और रजत पदक दिलाए।

शूटिंग में भी भारत को दो पदक मिले। मोना अग्रवाल ने स्वर्ण और अवनी लेखरा ने रजत पदक जीता। दोनों ने महिलाओं की आर2 10 मीटर एयर राइफल एसएच1 श्रेणी में यह उपलब्धि हासिल की। लॉन्ग जंप में भी निशाद कुमार ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

रिंकू ने 65.11 मीटर का थ्रो कर जीता स्वर्ण

एशियन पैरा गेम्स में भारत के रिंकू ने पुरुषों की भाला फेंक एफ46 स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने 65.11 मीटर का सीजन का सर्वश्रेष्ठ थ्रो किया।

भारत के अजीत सिंह 65.02 मीटर के थ्रो के साथ दूसरे स्थान पर रहे और उन्होंने रजत पदक जीता। इंडोनेशिया के रिजाल बागुस सक्तियोनो ने 55.30 मीटर का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ थ्रो करते हुए कांस्य पदक हासिल किया।

सौम्या ने 5 मिनट 12.39 सेकंड में पूरी की दौड़

एशियन पैरा गेम्स में भारत की सौम्या ने महिलाओं की 1500 मीटर टी12/टी13 दौड़ में स्वर्ण पदक जीता। गाइड भारत कुमार के साथ दौड़ते हुए उन्होंने 5 मिनट 12.39 सेकंड का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय दर्ज किया। उन्हें 621 अंक मिले। भारत की वेंकटेश राधा ने गाइड गोविंद सोलंकी के साथ 5 मिनट 30.90 सेकंड का समय लेकर रजत पदक जीता। जापान की माना सासाकी 336 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहीं।

निशाद कुमार ने लॉन्ग जंप में जीता स्वर्ण

भारत के निशाद कुमार ने पुरुषों की लॉन्ग जंप टी47 स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने फाइनल में 7.11 मीटर की छलांग लगाई। निशाद ने यह दूरी दो बार हासिल की। उज्बेकिस्तान के ओमादबेक खासानोव ने 6.99 मीटर की सीजन की सर्वश्रेष्ठ छलांग के साथ रजत पदक जीता, जबकि श्रीलंका के मोहम्मद सफरान ने 6.55 मीटर की छलांग लगाकर कांस्य पदक हासिल किया।

मोना के 250 अंक, अवनी ने बनाए 249.6 अंक

पैरा एशियन गेम्स में मोना अग्रवाल ने स्वर्ण और अवनी लेखरा ने रजत पदक जीता। दोनों पदक आर2 महिला 10 मीटर एयर राइफल शूटिंग की एसएच1 श्रेणी में आए। इस श्रेणी में कमर से नीचे की दिव्यांगता वाले निशानेबाज हिस्सा लेते हैं।

मोना ने 250.0 अंक हासिल किए, जबकि अवनी ने 249.6 अंक प्राप्त किए। कोरिया की युनरी ली ने 227.9 अंकों के साथ कांस्य पदक जीता।

आखिरी शॉट तक चला स्वर्ण पदक का मुकाबला

जयपुर की दोनों निशानेबाजों के बीच मुकाबला 24 शॉट के फाइनल के आखिरी शॉट तक चला। निर्णायक शॉट से पहले मोना और अवनी के बीच मुकाबला बेहद करीबी था।

उस समय स्कोर 239.1 और 239.2 अंक था। मोना ने आखिरी शॉट में 10.8 अंक हासिल किए, जबकि अवनी ने 10.5 अंक बनाए। इस तरह मोना ने स्वर्ण और अवनी ने रजत पदक अपने नाम किया।

जूडो में कोकिला को रजत, कपिल ने जीता कांस्य

भारत की दृष्टिबाधित जूडो खिलाड़ी कोकिला ने महिलाओं के जे2, 52 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक जीता। वह इस श्रेणी के फाइनल मुकाबले में हार गईं। वहीं, कपिल ने जूडो में कांस्य पदक हासिल किया।

बदलते बल्लेबाजी क्रम में खेलना एक बड़ी चुनौती : तिलक वर्मा

नई दिल्ली

भारतीय टी20 टीम के उपकप्तान तिलक वर्मा ने यह स्वीकार किया है कि बल्लेबाजी क्रम में तीसरे नंबर से पांचवें या छठे नंबर पर उतरना उनके लिए आसान नहीं है, लेकिन उन्होंने इस चुनौती को स्वीकार किया है और भरोसा जताया है कि वह अपने कौशल में निखार लाकर और मानसिक तैयारी के दम पर इस नई भूमिका की चुनौतियों पर खरे उतरेंगे। तिलक पिछले कुछ समय से टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में पांचवें या छठे नंबर पर बल्लेबाजी कर रहे हैं, और उनके मुताबिक इस भूमिका में सफल होने के लिए अपने खेल पर लगातार काम करना जरूरी है। वेस्टइंडीज सीरीज समाप्त होने के बाद उन्होंने कहा कि तीसरे नंबर पर खेलना उनके लिए एक बल्लेबाज के तौर पर आसान होता, लेकिन फिलहाल टीम के शीर्ष क्रम के संयोजन को देखते हुए उन्हें पांचवें या छठे नंबर पर बल्लेबाजी करनी होगी।

तिलक ने बताया कि ईशान किशन अब तीसरे नंबर पर बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे हैं, और कप्तान श्रेयस अय्यर चौथे नंबर पर हैं, जबकि अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन सलामी जोड़ी के रूप में बरकरार हैं। ऐसे में उनके पास निचले क्रम में बल्लेबाजी करके टीम के लिए अपनी भूमिका निभाने के अलावा कोई और विकल्प नहीं है। उन्होंने कहा कि वह मानसिक रूप से इस भूमिका के लिए तैयार हैं और पिछले कुछ मैचों में इसी क्रम पर खेलते हुए टीम को जीत दिलाने में सफल रहे हैं। हैदराबाद के इस युवा बल्लेबाज ने यह भी बताया कि वह निचले क्रम में बल्लेबाजी की जरूरतों को पूरा करने के लिए लगातार अभ्यास कर रहे हैं, और उनका जोर अपने शाट्स के दायरे और कौशल को बेहतर बनाने पर है। उन्होंने कहा कि फिनिशर की भूमिका में आपको धीमी गति से आती गेंदों को भी छक्के के लिए भेजने में सक्षम होना चाहिए, और वह मैदान के चारों ओर शाट खेलने की क्षमता रखते हैं। तिलक ने व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद मानसिक रूप से मजबूत रहने और हर चुनौती के लिए खुद को तैयार करने की बात कही। उन्होंने वेस्टइंडीज सीरीज से मिली सकारात्मक बातों का भी उल्लेख किया, जिसमें बल्लेबाजों का 200+ रन बनाना और नीतीश रेड्डी, शिवम दुबे और नमन धीर जैसे आलराउंडरों का अच्छा प्रदर्शन शामिल है।

शे होप का भारत दौरा करियर के लिए बना मील का पत्थर

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के कप्तान शे होप के लिए भारत का हालिया दौरा किसी सुनहरे सपने से कम नहीं रहा है, और क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि यह उनके करियर का एक बड़ा टर्निंग पाइंट साबित हो सकता है। भारत दौरे पर खेले गए कुल आठ मैचों में, जिसमें वनडे और टी20 सीरीज शामिल हैं, उन्होंने शानदार बल्लेबाजी करते हुए कुल 539 रन बनाए। इस दौरान होप ने चार शतक जड़े, जिनमें से दो वनडे में और दो टी20 सीरीज में आए। वनडे सीरीज में उन्हें एक बार प्लेयर आफ द मैच चुना गया, जबकि टी20 सीरीज में उन्हें दो बार इस पुरस्कार से नवाजा गया। भारत बनाम वेस्टइंडीज टी20 सीरीज 2-2 की बराबरी पर समाप्त हुई, लेकिन होप को प्लेयर आफ द सीरीज के खिताब से सम्मानित किया गया क्योंकि उन्होंने सीरीज में सर्वाधिक 261 रन बनाए थे। दिलचस्प बात यह है कि इस भारत दौरे से पहले, शे होप को अपने पूरे टी20 करियर में केवल दो बार ही प्लेयर आफ द मैच का पुरस्कार मिला था, और पिछले नौ सालों में वे सिर्फ एक बार प्लेयर आफ द सीरीज बने थे। लेकिन भारत के खिलाफ इस सीरीज में उन्होंने यह कारनामा मात्र पांच मैचों में ही कर दिखाया, जो उनके शानदार फार्म को दर्शाता है। दूसरे और चौथे टी20 में उन्होंने 102 रनों की नाबाद पारियां खेलकर वेस्टइंडीज की जीत में अहम भूमिका निभाई थी।

मोहम्मद शमी के टीम से बाहर होने पर मोहम्मद कैफ ने उठाए सवाल, बीसीसीआई पर पारदर्शिता की कमी का आरोप

नई दिल्ली

भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को न्यूजीलैंड दौरे के लिए घोषित वनडे और टेस्ट टीम में एक बार फिर नजरअंदाज कर दिया गया है। उनके लगातार टीम से बाहर रहने पर पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। कैफ ने पारदर्शिता की कमी पर जोर देते हुए पूछा कि जिस तरह जसप्रीत बुमराह के वर्कलोड को मैनेज किया जाता है, वैसा सलूक शमी के साथ क्यों नहीं किया जाता।

36 वर्षीय मोहम्मद शमी ने मार्च 2025 के बाद से कोई भी अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है, और न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी सीरीज के लिए आकाश दीप और अंशुल कंबोज जैसे नए चेहरों की वापसी के बावजूद उन्हें मौका नहीं मिला। एक चर्चा के दौरान, कैफ ने इस मुद्दे पर अपनी बेबाक राय व्यक्त की। उन्होंने कहा कि टीम चयन के बाद बीसीसीआई या चयनकर्ताओं की ओर से कोई आधिकारिक बयान या स्पष्टीकरण नहीं आता, जिससे पारदर्शिता का अभाव साफ झलकता है।

कैफ ने मोहम्मद शमी के महत्व को रेखांकित करते हुए 2023 विश्व कप में उनके शानदार प्रदर्शन का हवाला दिया। उन्होंने कहा, अगर शमी नहीं होते तो भारत विश्व कप के फाइनल में नहीं पहुंचता। हार्दिक पांड्या के चोटिल होने के बाद, शमी ने पांचवें गेंदबाज के रूप में शानदार प्रदर्शन किया और पूरे टूर्नामेंट में छठे गेंदबाज की कमी महसूस नहीं होने दी। शमी ने उस विश्व कप में 24 विकेट लिए थे, जिससे रोहित शर्मा की कप्तानी में टीम इंडिया का संतुलन बना रहा था। पूर्व बल्लेबाज ने उन अटकलों को भी खारिज किया जिनमें कहा जाता है कि शमी को छोटे स्पेल डालने के कारण नहीं चुना जाता। उन्होंने तर्क दिया, टेस्ट मैचों में जसप्रीत बुमराह भी चार ओवर के स्पेल डालते हैं और उन्हें ब्रेक मिलता है। पिछले साल इंग्लैंड दौरे पर बुमराह के वर्कलोड मैनेजमेंट की बात हुई थी, जहां कप्तान शुभमन गिल ने उन्हें चार-चार ओवर के स्पेल दिए थे। अगर एक गेंदबाज के साथ ऐसा सलूक हो सकता है, तो मोहम्मद शमी के साथ क्यों नहीं कैफ ने जोर देकर कहा कि छोटे स्पेल डालना कोई बुराई नहीं है और इस पर भी काम किया जा सकता है।

कैफ ने अपनी बात समाप्त करते हुए फिर से पारदर्शिता की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि शमी रणजी ट्राफी और फर्स्ट क्लास क्रिकेट में लगातार खेल रहे हैं और विकेट ले रहे हैं, ऐसे में उन्हें टीम में न चुनने का कोई ठोस कारण बीसीसीआई को सार्वजनिक रूप से बताना चाहिए। उनके मुताबिक, चयन प्रक्रिया में स्पष्टता की कमी कहीं न कहीं खिलाड़ियों के मनोबल को प्रभावित कर सकती है।

सीरी ए : लाजियो ने युवेंटस को 3-0 से रौंदा, एसी मिलान और कोमो की भी जीत

मिलान

लाजियो ने इटली की फुटबाल लीग सीरी ए में शानदार प्रदर्शन करते हुए मेजबान युवेंटस को 3-0 से हरा दिया। इस जीत के साथ लाजियो अंक तालिका में शीर्ष पर काबिज इंटर मिलान के बराबर पहुंच गया। गोल अंतर के आधार पर लाजियो दूसरे स्थान पर है। वहीं, एसी मिलान ने अटलांटा को 3-2 से हराया, जबकि कोमो ने फियोरेंटीना को 3-1 से शिकस्त देकर पांचवां स्थान हासिल किया।

लाजियो के सात लीग मुकाबलों के बाद 19 अंक हो गए हैं। यह क्लब का लीग सत्र के शुरुआती सात मैचों में अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इससे पहले 1999-2000 सत्र की शुरुआत में टीम ने 17 अंक हासिल किए थे। उस सत्र में लाजियो ने अपना दूसरा और अब तक का आखिरी सीरी ए खिताब जीता था। लाजियो के कोच जेनारो गातुसो ने कहा, हम इस लीग में अप्रत्याशित रूप से अच्छा प्रदर्शन करने वाली टीम

साबित हो सकते हैं, लेकिन हमें अपना तरीका नहीं बदलना चाहिए। हमें हर मुकाबले को अलग-अलग देखते हुए कड़ी मेहनत जारी रखनी होगी।

लाजियो की दमदार जीत, युवेंटस की मुश्किलें बढ़ीं

लाजियो ने डेनमार्क के खिलाड़ियों के दो गोल की मदद से मुकाबले पर नियंत्रण बनाया। ओलिवर प्रोव्स्टगार्ड ने 37वें मिनट में शानदार हेडर से गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद 66वें मिनट में गुस्ताव इसाकसेन ने गेंद को अंदर की ओर ले जाते हुए सटीक शाट लगाया और बढ़त दोगुनी कर दी। मैच समाप्त होने से तीन मिनट पहले स्थानापन्न खिलाड़ी फिसायो डेले-बशिरू ने अपने ही हाफ से गेंद लेकर युवेंटस के पेनल्टी क्षेत्र तक दौड़ लगाई और शानदार गोल कर स्कोर 3-0 कर दिया। युवेंटस के प्रशंसकों ने टीम के प्रदर्शन पर नाराजगी जताई। टीम अपने पिछले पांच लीग मुकाबलों में केवल एक जीत दर्ज कर सकी है और आठवें स्थान पर है। शीर्ष टीमों से उसका अंतर बढ़कर आठ अंक हो गया है। युवेंटस के कोच लुसियानो स्पालेटी ने कहा, हम स्पष्ट रूप से विपक्षी टीम से पिछड़ गए। हमारे खेल में गति और विचारों की कमी थी। इसे समझना मुश्किल है।

एसी मिलान की रोमांचक जीत

एसी मिलान ने अपने घरेलू मैदान पर अटलांटा को 3-2 से हराकर अंक तालिका में चौथा स्थान हासिल किया। टीम ने पहले हाफ में दो गोल की बढ़त बनाई। गोंसालो रामोस ने 24वें मिनट में पेनल्टी पर गोल किया, जबकि एड्रियन राबियो ने हाफ टाइम से पहले दूसरा गोल दागा। दूसरे हाफ में 57वें मिनट में मारियो गिला ने गोल करके मिलान की बढ़त 3-0 कर दी। हालांकि, अटलांटा ने वापसी की कोशिश करते हुए जियानलुका गाएटानो और निकोला क्र्स्टोविच के गोल से अंतर घटाया, लेकिन मिलान ने अपनी बढ़त बरकरार रखी।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की फीकी पड़ी चमक

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान सांकेतिक गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। भाव में हुए बदलाव के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,47,650 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,47,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,35,340 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,35,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी मामूली कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,29,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,47,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,35,490 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,47,650 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,35,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,47,700 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,35,390 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,47,650 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,35,340 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,47,650 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,35,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,47,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,35,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,47,800 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,35,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,47,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,35,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,47,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,35,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में सांकेतिक कमजोरी का रुख बना हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,47,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजार में 22 कैरेट सोना 1,35,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज ब्रीफ

कच्चा तेल 5 महीने के उच्च स्तर से फिसला, ब्रेंट लगभग 108 डालर

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में सोमवार को हल्की नरमी दर्ज की गई, जिससे आयातक देशों को मामूली राहत मिली। दिसंबर डिलीवरी वाला ब्रेंट क्रूड 1.71 प्रतिशत गिरकर 107.98 डालर प्रति बैरल के करीब पहुंच गया। हालांकि, पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष, तेल टैंकरों पर हमले और रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण वैश्विक तेल आपूर्ति को लेकर चिंताएं अभी भी बरकरार हैं और इस गिरावट को बड़ी राहत मानना जल्दबाजी होगी। यह मामूली गिरावट 18 अक्टूबर को बने पांच महीने के उच्च स्तर से बहुत ज्यादा नीचे नहीं आई है। खाड़ी क्षेत्र में तनाव लगातार बना हुआ है। ब्रिटेन के समुद्री व्यापार संचालन केंद्र (यूकेएमटीओ) ने सऊदी अरब तट के पास फारस की खाड़ी में तेल टैंकरों पर हुए और हमलों की जानकारी दी है, जिससे स्ट्रेट आफ होर्मुज जैसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों से तेल की आवाजाही प्रभावित होने का जोखिम है। हालांकि, अमेरिका ने पिछले एक सप्ताह में स्ट्रेट आफ होर्मुज से 10 करोड़ बैरल से अधिक तेल की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने में मदद की है, जिसने बाजार को कुछ स्थिरता प्रदान की। चालू वर्ष में पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष और रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण ब्रेंट क्रूड की कीमतें 75 प्रतिशत से अधिक बढ़ी हैं, जिससे आपूर्ति अनिश्चितता बनी हुई है। इस बीच, भारत सरकार ने पेट्रोल और डीजल के निर्यात पर लगने वाले टैक्स में बदलाव किया है, जो 16 अक्टूबर से प्रभावी हैं। सरकारी आदेश के मुताबिक, पेट्रोल निर्यात पर टैक्स 50 पैसे प्रति लीटर से बढ़ाकर 2.50 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है, जबकि डीजल निर्यात पर टैक्स 16 रुपये प्रति लीटर से घटाकर 8.50 रुपये प्रति लीटर किया गया है।

2027 तक बाजार में आ सकती है नई एसयूवी सानेट

नई दिल्ली। अपनी लोकप्रिय सब-4 मीटर एसयूवी सानेट के नए जनरेशन माडल को किआ मोटर्स लान्च करने की तैयारी में है। इस एसयूवी को साउथ कोरिया में टेस्टिंग के दौरान देखा गया है। बताया जा रहा है कि नई सानेट, जिसका कोडनेम क्यूवाई2ई है, 2027 तक बाजार में आ सकती है। लान्च होने के बाद से भारत में सानेट की 5 लाख से अधिक यूनिट्स बिक चुकी हैं, और 2024 में इसे फेसलिफ्ट अपडेट मिला था। नई सानेट किआ की अपोजिट्स यूनाइटेड डिज़ाइन फिलासफी को अपनाते हुए पहले से अधिक बाक्सी और शार्प लुक के साथ आएगी। स्पाई तस्वीरों में बड़ा ग्लास एरिया, ऊपर की ओर जाती विंडो लाइन और रूफ रेल्स दिखाई दी हैं। इसके रियर में एज-टू-एज कनेक्टेड एलईडी लाइट बार और वर्टिकल लाइटिंग एलिमेंट्स वाली नई एलईडी टेललाइट्स मिलने की उम्मीद है, जो उल्टे एल या 7 जैसा डिज़ाइन बना सकती हैं। इसके अलावा, इसमें नया टेलगेट, रियर बंपर, नए ओआरवीएम और मशीन-कट अलाय व्हील भी देखने को मिलेंगे। फ्रंट में बड़ी ग्रिल, स्प्लिट हेडलैंप और कनेक्टेड एलईडी लाइट बार होने का अनुमान है। यह नई जनरेशन सानेट के1 प्लेटफार्म पर आधारित होगी, जिसका उपयोग मौजूदा हुंडई वेन्यू में भी होता है, जिससे इसका बाडी स्ट्रक्चर और केबिन स्पेस बेहतर होगा।

94,600 से अधिक गाड़ियां वापस बुलाईं हुंडई ने

नई दिल्ली। आग लगने के खतरे के कारण अमेरिकी बाजार से हुंडई मोटर ने अपनी 94,622 गाड़ियों को

वापस बुलाया है। इसकी जानकारी देते हुए अमेरिकी आटो सुरक्षा नियामक, एनएचटीएसए ने बताया कि इन गाड़ियों में आग लगने का खतरा है। यह खतरा ड्राइविंग के दौरान या पार्क करते समय भी हो सकता है, जिसका मुख्य कारण आगे की पावर सीटों की मोटर का ओवरहीट होना माना जा रहा है। जिन माडलों के लिए यह रिकाल जारी किया गया है, उनमें 2015 से 2016 की हुंडई जेनेसिस और 2017 से 2020 जेनेसिस जी80 माडल शामिल हैं। एनएचटीएसए के अनुसार, पावर सीट कंट्रोल स्विच के फंस जाने के कारण मोटरें अत्यधिक गर्म हो सकती हैं, जिससे आग लगने की संभावना बढ़ जाती है। हुंडई ने व्हीकल ओनर्स को सलाह दी है कि जब तक रिकाल की गई गाड़ियों में मरम्मत का काम पूरा नहीं हो जाता, तब तक वे अपने व्हीकल को खुली जगह पर और अन्य व्हीकल या इमारतों से दूर पार्क करें, ताकि किसी भी अनहोनी की स्थिति में अन्य कोई नुकसान न हो।

शेयर बाजार में इस हफ्ते आ रहे जियो और पारस हेल्थकेयर के मेगा इश्यू

दोनों आईपीओ 21 अक्टूबर को खुलेंगे और 23 अक्टूबर तक निवेशक आवेदन कर सकेंगे

नई दिल्ली

भारतीय शेयर बाजार में इस हफ्ते दो बड़े प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) दस्तक देने जा रहे हैं। रिलायंस समूह की जियो प्लेटफार्म्स और पारस हेल्थकेयर के ये आईपीओ 21 अक्टूबर को खुलकर निवेशकों के लिए उपलब्ध होंगे। जियो प्लेटफार्म्स का आईपीओ देश का अब तक का सबसे बड़ा सार्वजनिक निर्गम बनने की क्षमता रखता है, जबकि पारस हेल्थकेयर भी अपनी विस्तार योजनाओं के लिए बाजार से महत्वपूर्ण पूंजी जुटाने को तैयार है।

दोनों आईपीओ के लिए आवेदन 23 अक्टूबर तक किए जा सकेंगे और शेयरों की लिस्टिंग 28 अक्टूबर को होने की उम्मीद है। जियो प्लेटफार्म्स का मेगा आईपीओ रिलायंस समूह की डिजिटल और प्रौद्योगिकी कंपनी जियो प्लेटफार्म्स 30,213 करोड़ रुपए जुटाने के लक्ष्य के साथ अपना आईपीओ ला रही है, जो पूरी तरह से नए शेयरों का इश्यू होगा। कंपनी 27 करोड़ नए शेयर जारी करेगी। इसके लिए प्रति शेयर 1,065 रुपए से 1,119 रुपए का प्राइस बैंड तय किया गया है।

छोटे निवेशकों को कम से कम एक लाट (12 शेयर) के लिए 13,428 रुपए (ऊपरी प्राइस बैंड पर) का निवेश करना होगा। रिलायंस के पात्र कर्मचारियों को प्रति शेयर 54 रुपए की छूट भी मिलेगी। नवंबर 2019 में स्थापित जियो प्लेटफार्म्स मोबाइल, इंटरनेट, डिजिटल मनोरंजन, क्लाउड स्टोरेज और एआई जैसी सेवाएं प्रदान करती है। जून 2026 तक इसके लगभग 53.33 करोड़ ग्राहक थे। वहीं पारस हेल्थ ब्रांड के तहत अस्पताल चलाने वाली पारस हेल्थकेयर 1,450 करोड़ रुपए का आईपीओ ला रही है। इसमें 500 करोड़ रुपए के नए शेयर और मौजूदा शेयरधारकों द्वारा 950 करोड़ रुपए के शेयरों की बिक्री (ओएफएस) शामिल है। कंपनी ने 660 से 693 रुपए प्रति शेयर का प्राइस बैंड निर्धारित किया है। एक लाट में 21 शेयर होंगे, जिसके लिए छोटे निवेशकों को कम से कम 14,553 रुपए (ऊपरी प्राइस बैंड पर) लगाने होंगे।

1987 में स्थापित पारस हेल्थकेयर के उत्तर भारत, बिहार और झारखंड में आठ अस्पताल हैं, जिनकी कुल क्षमता 2,211 बिस्तर है। यह कंपनी दिल की बीमारियों, कैंसर और न्यूरोलाजी जैसे क्षेत्रों में विशेष सेवाएं देती है और गुरुग्राम व लुधियाना में नए अस्पताल खोलकर मार्च 2028 तक अपनी कुल क्षमता 3,011 बिस्तरों तक पहुंचाने की योजना बना रही है।

एयरटेल ने लान्च किए सिर्फ काल और एसएमएस वाले प्रीपेड प्लान, 185 रुपए से शुरू होकर 28 दिन से एक महीने की वैधता

नई दिल्ली। देश की अग्रणी दूरसंचार कंपनी एयरटेल ने भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) की समय-सीमा का पालन करते हुए तीन नए प्रीपेड प्लान बाजार में उतारे हैं। ये प्लान विशेष रूप से उन उपभोक्ताओं के लिए हैं जिन्हें केवल कालिंग और मैसेजिंग (एसएमएस) की सुविधा चाहिए और वे डेटा के खर्च से बचना चाहते हैं। इन प्लान्स में कोई डेटा शामिल नहीं है, जिससे कम आय वाले और ग्रामीण ग्राहकों को बड़ी राहत मिलेगी। एयरटेल ने 185 रुपये, 203 रुपये और 206 रुपये के ये प्लान पेश किए हैं, जिनकी वैधता 28 दिन से लेकर एक महीने तक है। 185 रुपये के प्लान में ग्राहकों को 28 दिनों के लिए असीमित कालिंग और 300 एसएमएस की सुविधा मिलेगी। वहीं, 203 रुपये वाला प्लान 30 दिनों के लिए और 206 रुपये वाला प्लान पूरे एक महीने के लिए (28 या 31 दिन) वैध होगा। 300 एसएमएस की सीमा समाप्त होने के बाद, लोकल मैसेज के लिए 1 रुपये और एसटीडी के लिए 1.5 रुपये का शुल्क लगेगा। इंटरनेट का उपयोग करने पर 50 पैसे प्रति एमबी खर्च होंगे। यह कदम ट्राई द्वारा हाल ही में जारी उस आदेश के बाद उठाया गया है, जिसमें सभी टेलीकाम कंपनियों को केवल वाइस और एसएमएस वाले प्लान पेश करने को कहा गया था। ट्राई ने यह निर्देश ग्रामीण क्षेत्रों, कम आय वाले परिवारों और फीचर फोन का उपयोग करने वाले उपभोक्ताओं की शिकायतों के आधार पर दिया था, जिन्हें केवल मोबाइल चालू रखने के लिए डेटा वाले महंगे रिचार्ज खरीदने पड़ते थे। एयरटेल ने समय सीमा का पालन किया है, जबकि जियो और वोडाफोन-आइडिया जैसी अन्य प्रमुख कंपनियों को अभी अपने पैकेज लान्च करने बाकी हैं।

स्टेलंटिस ने की 4,000 करोड़ रुपये के नए निवेश की घोषणा

नई दिल्ली

भारत में वैश्विक आटोमोबाइल समूह स्टेलंटिस ने अपने 2030 प्रोग्राम के तहत 4,000 करोड़ रुपये के नए निवेश की घोषणा की है। इस योजना के तहत, स्टेलंटिस अगले तीन वर्षों में जीप और सिट्रोन ब्रांडों के तहत कुल 12 नए उत्पाद भारतीय बाजार में उतारेगी। इस रोडमैप में 7 बिल्कुल नए व्हीकल और मौजूदा 5 व्हीकल के अपग्रेड शामिल हैं। इस निवेश के साथ, कंपनी का भारत में कुल खर्च 2030 तक लगभग 15,000 करोड़ रुपये तक पहुंच जाएगा। कंपनी ने भारत के लिए 7 नई व्हीकल कैटेगरी की योजना बनाई है, जिसमें पहला उत्पाद 2027 की दूसरी तिमाही में पेश किया जाएगा।

जीप ब्रांड के तहत, एक बी-सेगमेंट एसयूवी, सी-सेगमेंट एसयूवी, डी-सेगमेंट एसयूवी और एक डी-सेगमेंट पिकअप ट्रक सहित चार नए व्हीकल लान्च किए जाएंगे, जबकि एक मौजूदा माडल को अपग्रेड किया जाएगा। सिट्रोन ब्रांड के लिए, एक ए-सेगमेंट पैसेंजर कार, सी-सेगमेंट एसयूवी और एक डी-सेगमेंट एमपीवी सहित तीन नए व्हीकल पेश किए जाएंगे, साथ ही चार मौजूदा माडलों को अपग्रेड किया जाएगा। स्टेलंटिस के नए प्रोडक्ट पोर्टफोलियो में पारंपरिक इंटरनल कंबशन इंजन (आईसीई), हाइब्रिड सिस्टम, प्लग-इन हाइब्रिड पावरट्रेन और बैटरी इलेक्ट्रिक व्हीकल (बीईवी) टेक्नोलाजी जैसे विविध पावरट्रेन विकल्प शामिल होंगे।

हाल ही में, स्टेलंटिस इंडिया के व्यवसाय में पिछली तिमाही की तुलना में 35प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई थी, और सिट्रोन की खुदरा बिक्री में साल-दर-साल आधार पर 68 प्रतिशत का उछाल आया। कंपनी टियर-2, टियर-3 और टियर-4 बाजारों में अपने बिक्री और सर्विस नेटवर्क का विस्तार करने की भी योजना बना रही है। कंपनी ने जीप और सिट्रोन के लिए 90 प्रतिशत लोकलाइजेशन का लक्ष्य रखा है। स्टेलंटिस के भारत में रंजनगांव, तिरुवल्लुर और होसुर में तीन मैन्युफैक्चरिंग प्लांट हैं, साथ ही बेंगलुरु में एक इंजीनियरिंग और साफ्टवेयर डेवलपमेंट सेंटर भी है। कंपनी भारत से लगभग 50 देशों में गाड़ियां और कंपोनेंट्स एक्सपोर्ट करती है।

ज़ूरी ने की राष्ट्रीय विस्तार की शुरुआत

नेचुरल डायमंड ज्वेलरी ब्रांड ज़ूरी ने राजभवन रोड, सोमाजीगुडा में अपना पहला रिटेल आउटलेट उद्घाटन किया है। दो दशक से अधिक की मैन्युफैक्चरिंग विशेषज्ञता वाले इस ब्रांड ने राष्ट्रीय विस्तार की शुरुआत की है। संस्थापकों साई विनीत, महेश चौधरी और अंकुश सुराना तथा फ्रैंचाइजी मालिकों श्रीधर बोनाला, चंद्रहास इन्नमुरी और सुरेश कुमार एन्नमुरी ने आउटलेट का उद्घाटन किया। ब्रांड का लक्ष्य एक वर्ष में 25 स्टोर खोलना है। हैदराबाद में अगले तीन महीनों में चार आउटलेट खोलने की योजना है, जिनमें दूसरा स्टोर कोमपल्ली में दिवाली से पहले आएगा। ज़ूरी बीआईएस हॉलमार्क गोल्ड और आईजीआई सर्टिफाइड डायमंड ज्वेलरी (18केटी, 14केटी, 9केटी) पेश करता है। डिजाइन समकालीन, हल्के और रोजमर्रा के उपयोग के लिए उपयुक्त हैं। कीमतें 10,000 से 5 लाख तक हैं। ग्राहक सुविधाओं में आजीवन मुफ्त मेंटेनेंस, 20 दिन की रिटर्न पॉलिसी, आजीवन डायमंड एक्सचेंज, मेंबरशिप और लॉयल्टी बेनिफिट्स शामिल हैं। ब्रांड युवा पीढ़ी के लिए रोजमर्रा की लग्जरी ज्वेलरी पर जोर दे रहा है।

विकसित भारत कानून: आदिवासी रोजगार पर 50 दिन का पेंच

लाखों आदिवासी परिवारों के लिएआजीविका संकट गहराने की आशंका

नई दिल्ली

केंद्र सरकार द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को प्रतिस्थापित कर लागू किए गए विकसित भारत-रोजगार एवं ीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम, 2025 के तहत लाखों आदिवासी परिवारों कीआजीविका पर संकट गहरा गया है। 1 जुलाई 2026 से प्रभावी हुए इस नए कानून में वन अधिकार कानून (एफआरए) के तहत जमीन का पट्टा पाने वाले उन गरीब परिवारों के लिए 50 अतिरिक्त दिनों के विशेष रोजगार को लेकर अनिश्चितता है, जो उन्हें मनरेगा के तहत मिलता था, जिससे उनके कुल काम के दिन 150 से घटकर 125 होने की आशंका है। मनरेगा के पुराने प्रावधानों के तहत, जनवरी 2014 से, एफआरए पट्टाधारक परिवारों को सामान्य 100 दिनों के अतिरिक्त 50 दिन का काम सुनिश्चित किया जाता था, बशर्ते उनके पास कोई अन्य निजी जमीन न हो। यह विशेष प्रावधान मनरेगा की धारा 3(4) के तहत एक प्रशासनिक आदेश द्वारा दिया गया था, जिसका उद्देश्य जंगल पर निर्भर अति-गरीब अनुसूचित जनजाति परिवारों को आर्थिक रूप से सशक्त और स्थिर करना था।

हालांकि, नए विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम, 2025 की धारा 5(1) सभी ग्रामीण परिवारों को 125 दिन के रोजगार की कानूनी गारंटी देती है। समस्या यह है कि इसकी धारा 5(4) भले ही सरकार को जरूरत के हिसाब से 125 दिन से ज्यादा काम देने का अधिकार देती है, लेकिन इसमें एफआरए पट्टाधारक आदिवासी परिवारों के लिए पहले से मिलने वाले 50 अतिरिक्त दिनों के रोजगार का कोई स्पष्ट उल्लेख नहीं है। हाल ही में एक आरटीआई रिपोर्ट ने भी इस अस्पष्टता की पुष्टि की है, जिससे इन परिवारों के कुल काम के दिन 150 से घटकर 125 होने की आशंका बढ़ गई है। कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि नए कानून की धारा 37 (निरसन और बचत) और जनरल क्लाज एक्ट, 1897 की धारा 6 के आधार पर 2014 का पुराना आदेश जीवित रह सकता है, क्योंकि यह नए कानून के किसी मूल सिद्धांत का उल्लंघन नहीं करता। इसके बावजूद, सरकारी स्पष्टीकरण के अभाव में, यह तय नहीं हो पा रहा है कि ये अतिरिक्त 50 दिन 125 दिनों के ऊपर मिलेंगे या नहीं।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुआ, जहां आईटी और बड़े शेयरों में बिकवाली का दबाव देखा गया। हालांकि, डाउ जान्स फ्यूचर्स मामूली बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। दूसरी ओर, यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लिवाली का माहौल बना रहा और प्रमुख सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में बंद होने में कामयाब रहे। वहीं एशियाई बाजार में मिला-जुला रुख देखने को मिल रहा है। यहां कुछ प्रमुख बाजारों में गिरावट का रुख बना हुआ है, तो कुछ सूचकांक रिकवरी की कोशिश करते नजर आ रहे हैं।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान ऊपरी स्तर से गिरावट दर्ज की गई, जिसकी वजह से वाल स्ट्रीट के सूचकांक लाल निशान में बंद हुए। डाउ जान्स इंडस्ट्रियल एवरेज 175.28 अंक यानी 0.34 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 52,002.41 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स ने भी 1.09 प्रतिशत की गिरावट दर्ज करते हुए 7,659.44 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा टेक-हैवी नैस्डेक कंपोजिट में भारी बिकवाली देखी गई। यह सूचकांक 572.99 अंक यानी 2.15 प्रतिशत की बड़ी गिरावट के साथ 26,140.03 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 275.99 अंक यानी 0.53 प्रतिशत की बढ़त के साथ 52,277.40 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान खरीदारी का माहौल बना रहा, जिससे प्रमुख सूचकांक मजबूती के साथ बंद हुए। जर्मनी का डीएएक्स इंडेक्स 239.99 अंक यानी 0.94 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,622.61 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह फ्रांस के सीएसी 40 इंडेक्स ने 22.00 अंक यानी 0.28 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,956.70 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा ब्रिटेन का एफटीएसई 100 इंडेक्स भी 41.55 अंक यानी 0.38 प्रतिशत की छलांग लगाकर 10,881.90 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के नौ प्रमुख बाजारों में से छह के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि तीन सूचकांकों में गिरावट की वजह से लाल निशान बना हुआ है। भारतीय बाजार के लिए शुरुआती संकेत देने वाले गिफ्ट निफ्टी में सुबह बढ़त नजर आ रही है। फिलहाल यह सूचकांक 46 अंक यानी 0.20 प्रतिशत उछल कर 23,140.50 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजारों की मंदी का असर जापान के बाजार पर साफ देखा जा रहा है, जिससे निक्केई 225 इंडेक्स में बड़ी गिरावट दर्ज की जा रही है। फिलहाल जापान का यह सूचकांक 584.29 अंक यानी 0.90 प्रतिशत की भारी कमजोरी के साथ लुढ़क कर 64,740 अंक के स्तर पर आ गया है। दूसरी ओर, एशियाई बाजारों में स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स मामूली बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। फिलहाल यह सूचकांक 13.53 अंक यानी 0.25 प्रतिशत उछल कर 5,429.06 अंक के स्तर पर आ गया है। वहीं, हांगकांग का हैंग सेंग इंडेक्स मजबूती के मूड में है। फिलहाल यह सूचकांक 124.11 अंक यानी 0.51 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,186.83 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। ताइवान वेटेड इंडेक्स में भारी बिकवाली और दबाव का माहौल बना हुआ है, जिसके कारण यह सूचकांक 609.51 अंक यानी 1.31 प्रतिशत की बड़ी गिरावट के साथ लुढ़क कर 46,501.75 अंक के स्तर पर आ गया है। इसके अलावा दक्षिण कोरिया के कोस्पी इंडेक्स में अच्छी रिकवरी नजर आ रही है। इस रिकवरी के कारण फिलहाल कोस्पी इंडेक्स 41.92 अंक यानी 0.73 प्रतिशत की तेजी के साथ 5,709.97 अंक के स्तर पर पहुंच गया है। थाईलैंड के सेट कंपोजिट इंडेक्स में हल्की मजबूती देखी जा रही है और फिलहाल यह सूचकांक 0.24 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,576.74 के स्तर पर टिका हुआ है। इसके विपरीत जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स में भारी बिकवाली के चलते तगड़ा क्रैश देखने को मिल रहा है। फिलहाल यह सूचकांक 266.62 अंक यानी 5.42 प्रतिशत की भारी-भरकम गिरावट के साथ गिर कर 4,918.49 अंक के स्तर पर आ गया है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, मंगलवार, 20 अक्टूबर , 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

अग्र डांडिया में उमड़ा जनसैलाब

उर्वशी रौतेला की लाइव प्रस्तुति, प्रणब अग्रवाल ने जीती इलेक्ट्रिक बाइक

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज, तेलंगाना की ओर से शमशाबाद स्थित क्लासिक कन्वेंशन-3 में आयोजित नौ दिवसीय अग्र डांडिया उत्सव के आठवें दिन हजारों धर्मप्रेमियों ने भाग लिया। बॉलीवुड अभिनेत्री उर्वशी रौतेला और जाने-माने अभिनेता राकेश बेदी की उपस्थिति ने आयोजन की रौनक बढ़ा दी।

विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता सम्मानित

जयंती उत्सव के मीडिया प्रभारी डॉ. दिलीप पंसारी द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, बेस्ट डांडिया एवं गरबा ड्रेस, बेस्ट डांडिया प्लेयर और बेस्ट गरबा प्लेयर जैसी विभिन्न श्रेणियों में रिद्धिविका, निमेश, रित्विका, यज, शोभित, सहर्ष, आर्यांशिका, विनय, शिवानी, परिधि, प्रियेश, दीपेश, पूर्वा, आशीष, मीना, राहुल, कपिल, ममता, हनुमान, सोनल, कृतविक, राशि, रितिका एवं दिया को विजेता घोषित कर पुरस्कृत किया गया।नॉन-स्टॉप डांडिया एवं गरबा प्लेयर प्रतियोगिता में सागर, दीपिका, शीनू, मोनिका एवं वर्षा विजेता रहे। विशेष थीम प्रतियोगिता के अंतर्गत बेस्ट मैचिंग अटायर ग्रुप डांस श्रेणी में हित्वी, भावी, दीप्ति, दियारा, इवान्सी, सीताक्षी, खुश्बी एवं कियारा को पुरस्कृत किया गया।

ज्ञान बाग महिला शाखा को दूसरा स्थान

समाज की ज्ञान बाग महिला शाखा की टीम ने 'द फेस्टिवल ऑफ इंडिया' थीम पर आधारित ग्रुप प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इस उपलब्धि के लिए ग्रुप के सभी आठ सदस्यों को उपहार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

प्रणब अग्रवाल को इलेक्ट्रिक बाइक

कार्यक्रम का विशेष आकर्षण बंपर पुरस्कार रहा। यह पुरस्कार सबसे ऊर्जावान प्रदर्शन, बेहतरीन परिधान तथा डांडिया एवं गरबा में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर रखा गया था। इस विशेष बंपर पुरस्कार के विजेता मुलीनगर शाखा के प्रणब अग्रवाल रहे, जिन्हें उपहार स्वरूप इलेक्ट्रिक बाइक प्रदान की गई।

पुरस्कार वितरण समारोह में उपस्थित चारों निर्णायकों के साथ समाज की मैरिज डेटा समिति के सह-चेयरमैन अशोक जिंदल, अल्का मिंडा एवं अन्य गणमान्य लोगों ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए।

उर्वशी की प्रस्तुति ने मोहा मन

इस भव्य आयोजन में बॉलीवुड अभिनेत्री उर्वशी रौतेला और जाने-माने अभिनेता राकेश बेदी विशेष रूप से उपस्थित रहे। उर्वशी रौतेला ने अपनी शानदार लाइव डांस प्रस्तुति से हजारों दर्शकों का मन मोह लिया। वहीं, अभिनेता राकेश बेदी ने अपने लोकप्रिय अंदाज और शानदार संवादों से दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। दोनों कलाकारों ने दर्शकों के साथ सेल्फी लेकर कार्यक्रम के उत्साह को और बढ़ाया।

समाज के पदाधिकारी रहे उपस्थित

कार्यक्रम में निर्णायक मंडल के रूप में अंजनी शाह, अनीका खारा, प्रतिभा अग्रवाल एवं मंजू अग्रवाल उपस्थित थीं। प्रमुख अतिथि के रूप में तेलंगाना राज्य के पुलिस आयुक्त सी.वी. आनंद ने शिरकत की।

इस अवसर पर समाज अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता, कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र गोयल, उपाध्यक्ष सीए हरगोविंद अग्रवाल, सचिव डॉ. सीमा जैन, सह-सचिव प्रतीक नरसरिया, कोषाध्यक्ष सीए राज गोपाल अग्रवाल, डांडिया आयोजन समिति के अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल (सीएसके), संयोजक प्रवीण अग्रवाल, सह-संयोजक हर्ष सोंथालिया, प्रीति अग्रवाल, डॉ. स्वाति गोयल एवं अल्का मिंडा उपस्थित रहे।

नौ दिवसीय डांडिया उत्सव में लगातार सक्रिय भूमिका निभा रहे राजेश गोयल, राजेश नरेडी, विनोद सोंथालिया, रितेश अग्रवाल, विकास अग्रवाल सहित विभिन्न शाखाओं के पदाधिकारी, सदस्य एवं अन्य गणमान्य लोग भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान में हिंदी चेतना मास – पुरस्कार वितरण समारोह संपन्न

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भाकृअनुप – भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद में 14 सितंबर – 13 अक्तूबर, 2026 के दौरान आयोजित हिंदी चेतना मास समारोह के अंतर्गत हिंदी में विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिनमें वैज्ञानिक, तकनीकी, प्रशासनिक, शोध अध्येता आदि ने बड़े-ही उत्साह एवं उमंग के साथ भाग लिया। इसके अलावा उक्त चेतना मास के दौरान हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया तथा हिंदी में हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया, जिसमें सभी अधिकारियों तथा कर्मचारियों ने हिंदी में हस्ताक्षर करके कार्यक्रम को सफल बनाया।

संस्थान में दि. 19 अक्तूबर 2026 को हिंदी चेतना मास के दौरान आयोजित हिंदी प्रतियोगिताओं के विजेताओं हेतु पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। समारोह का शुभारंभ वंदेमातरम तथा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् गान से हुआ। तत्पश्चात श्री शेख रुकमान, वित्त एवं लेखा अधिकारी ने समारोह में उपस्थित पदाधिकारियों का स्वागत किया। श्रीमती डी रेवती, मुख्य तकनीकी अधिकारी ने संस्थान में 2025-2026 के दौरान संपन्न राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी गतिविधियों पर प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। डॉ. महेश कुमार, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी (राजभाषा) ने हिंदी चेतना मास के दौरान आयोजित विविध कार्यक्रमों पर प्रतिवेदन प्रस्तुत किया तथा कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु सभी सहभागियों, निर्णायकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

डॉ. (श्रीमती) सी तारा सत्यवती, निदेशक ने संस्थान में राजाभाषा कार्यान्वयन को प्रोत्साहन प्रदान करने हेतु श्रीमती एम सुस्मिता, सहायक, श्री शेख रुकमान, वित्त एवं लेखा अधिकारी तथा श्री मोहम्मद शादाब, सहायक को वार्षिक नकद पुरस्कार एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान किए। तत्पश्चात उन्होंने प्रतियोगिताओं के विजेताओं एवं सहभागियों को नकद पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र तथा निर्णायकों को स्मृति चिह्न प्रदान किए।

डॉ. तारा सत्यवती ने अपने संबोधन में कहा कि हिंदी चेतना मास से तात्पर्य यह नहीं कि केवल उक्त मास के दौरान हमें हिंदी में कार्य करना है, बल्कि हमें दैनंदिन कार्यों में हिंदी के प्रयोग को उत्तरोत्तर बढ़ाना प्रदान करना है।

राजभाषा कार्यान्वयन को ऊंचाइयों तक केवल अभ्यास ही पहुंचा सकता है, अतः हमें झिझक को दूर रखते हुए निरंतर हिंदी में कार्य करना होगा। अंत में डॉ. महेश कुमार के द्वारा धन्यवाद ज्ञापन, तत्पश्चात राष्ट्रगान के साथ समारोह का समापन हुआ। संस्थान में संपन्न पूरे हिंदी चेतना मास समारोह के कार्यक्रमों का संचालन एवं समन्वय डॉ. सी तारा सत्यवती के दिशा-निर्देश में डॉ. जिनु जेकब तथा डॉ. महेश कुमार के द्वारा किया गया।

टीजीएसआरटीसी कर्मचारी संघ चुनाव में गठबंधन की शानदार जीत, निकला भव्य विजय जुलूस

प्रजा एकता पार्टी ने सरकार से दीपावली से पूर्व निगम के विलय पर पूर्ण स्पष्टता की मांग की

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो): तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीएसआरटीसी) में हाल ही में संपन्न हुए यूनियन चुनावों में राज्य स्तर पर ईयू , टीएमयू और एनएमयू गठबंधन यूनियनों ने ऐतिहासिक और शानदार जीत दर्ज की है। इस जीत के उपलक्ष्य में रंगा रेड्डी रीजनल एम्प्लॉइज यूनियन और हैदराबाद-1 डिपो एम्प्लॉइज यूनियन के नेताओं व कर्मचारियों ने एकजुट होकर हैदराबाद डिपो परिसर में एक भव्य विजय जुलूस (विक्ट्री रैली) और विजयोत्सव समारोह का आयोजन किया।

इस विजयोत्सव के अवसर पर प्रजा एकता पार्टी (पीईपी) के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष बोनाला श्रीनिवास मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस दौरान तेलंगाना सरकार से मांग करते हुए बोनाला श्रीनिवास ने कहा कि मुख्यमंत्री अनुमुला रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली सरकार आगामी दीपावली त्यौहार से पहले टीजीएसआरटीसी निगम को पूरी तरह से सरकार में विलय करने के विषय पर अपनी स्थिति स्पष्ट करे। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार इस पर स्पष्ट निर्णय नहीं लेती है, तो प्रजा एकता पार्टी यूनियन नेताओं और कर्मचारियों के समर्थन से सरकार के खिलाफ लोकतांत्रिक तरीके से विरोध प्रदर्शन करेगी।

इससे पूर्व यूनियन नेताओं के प्रतिनिधिमंडल ने रंगा रेड्डी रीजनल मैनेजर श्रीमती श्रीदेवी मैडम, हैदराबाद-1 डिपो मैनेजर श्री पी. उपेंदर, असिस्टेंट डिपो मैनेजर श्रीमती स्वाति मैडम और डिपो एम.एफ. अधिकारियों से सौजन्य मुलाकात की और उन्हें सम्मानित किया। इसके बाद डिपो परिसर में कर्मचारियों ने एक-दूसरे को बधाई देते हुए ढोल-नगाड़ों के साथ जीत का जश्न मनाया।

विजय जुलूस और इस आयोजन का नेतृत्व प्रमुख यूनियन नेता आ-गेर्ला क्रिष्णय्या और उनकी टीम ने किया। कार्यक्रम में कट्टा विजयलक्ष्मी, बालराजू, मनोहर, रवींद्र, ए. एम. हैरी, नागभूषणम, बी. आर. सागर, एम. वी. नारायण, श्री रामुलु, नरेंद्र, आर. एस. कोंडा, अरुणम्मा और जयंती सहित बड़ी संख्या में निगम कर्मचारी और यूनियन प्रतिनिधि मौजूद रहे।

'एक शाम गौमाता के नाम' जागरण 24 को

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बालाजी नगर, जवाहर नगर स्थित श्री शिव गौशाला में आगामी 24 अक्टूबर को 'एक शाम गौमाता के नाम' भव्य जागरण का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर महाप्रसादी की व्यवस्था भी रहेगी।श्री शिव गौशाला के गौभक्त जयराम पंवार एवं मांगीलाल देवासी द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, जागरण में राजस्थान के प्रसिद्ध गायक अनिल जैतारणिया, भजन गायिका करीना कच्छावा तथा भजन गायक मुखीराम बंजारा एंड पार्टी भजनों की प्रस्तुति देंगे। कार्यक्रम का मंच संचालन पूनाराम सीरवी करेंगे। जागरण का सीधा प्रसारण सीरवी यूट्यूब चैनल के माध्यम से किया जाएगा।आयोजकों ने सभी गौभक्तों से जागरण में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर धर्मलाभ लेने का आग्रह किया है।

गंड़ीमैसम्मा स्थित सोलंकी निवास पर नवरात्रि महोत्सव की दुर्गाष्टमी के पावन अवसर पर कन्या पूजन एवं भोजन प्रसादी कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर आयोजक गीता सोलंकी, रेखा हाम्बड़, हेमलता सोलंकी, मनीषा गेहलोत, पूजा गेहलोत, राखी हाम्बड़, वंदना, वर्षा, तनीसा, मनीषा, आरु, लक्षिता, वंशिका, तनीषा सोलंकी, हेमा दिवासी पालड़िया, राहुल हाम्बड़, सचिन सोलंकी एवं राहुल गेहलोत उपस्थित रहे।

सनतनगर में महिलाओं ने नवरात्रि पर्व मनाया और दशहरा की तैयारियां कीं। इस अवसर पर माता का पूजन किया गया तथा प्रसाद वितरित किया गया। कार्यक्रम में नीता, मीनू, आभा, सोनिया, प्रमिला, जनक, सोनिया, मघू, भाजपा नेता सपना गुप्ता, रेखा, अंजू व अन्य महिलाएं उपस्थित रहीं।

विशाल भगवती जागरण भव्यता से संपन्न

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। कीसरा हरदासपल्ली एवं चिरियाला गांव में श्री आईजी सेवा संघ की ओर से 18 अक्टूबर की रात 9:15 बजे मां भगवती का विशाल जागरण भव्यता एवं भक्तिमय वातावरण में आयोजित किया गया। संघ के अध्यक्ष भगाराम मुलेवा एवं सचिव ढगलाराम सेपटा ने संयुक्त रूप से जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि पूजा-अर्चना एवं आरती के बाद ज्योत प्रज्वलित कर जागरण का शुभारंभ किया गया।जागरण में सुप्रसिद्ध भजन गायक बाबूलाल मुलेवा, प्रवीण कुमार सेपटा, अशोक मुलेवा, प्रेम हाम्बड़, नारायणलाल गेहलोत एवं नेमाराम काग एंड पार्टी ने मां भगवती के चरणों में भजनों के पुष्प अर्पित किए। हजारों की संख्या में पहुंचे समाजबंधुओं एवं श्रद्धालुओं ने देर रात तक भजनों पर नाचते-गाते हुए भक्ति का आनंद लिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मोहनलाल हाम्बड़, किशनलाल पंवार, सचिव हुक्माराम सानपुरा, मोतीलाल काग एवं भंवरलाल मुलेवा सहित समाज के गणमान्य पदाधिकारियों को मंच पर आमंत्रित कर शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम स्थल पर भोजन-प्रसादी की व्यवस्था भी की गई। जागरण के सफल आयोजन में श्री आईजी सेवा संघ के अध्यक्ष भगाराम मुलेवा, उपाध्यक्ष ओमप्रकाश पंवार एवं भैरुसिंह सैणचा, सचिव ढगलाराम सेपटा, सहसचिव अन्नाराम राठौड़, कोषाध्यक्ष बाबूलाल मुलेवा सहित मोतीलाल काग, भंवरलाल मुलेवा, ओमप्रकाश काग, चन्द्रप्रकाश गेहलोत, नेमाराम पंवार, धर्माराम गेहलोत, भेराराम लखावत एवं कन्हैयालाल का विशेष सहयोग रहा।महिला मंडल की मांगीबाई मुलेवा, कुसुम सेपटा, संतोष सेपटा, कंवरी बाई मुलेवा एवं रेखा मुलेवा सहित समस्त कार्यकारिणी सदस्यों और कार्यकर्ताओं ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। साउंड व्यवस्था भगवानराम राठौड़ एवं बबलू की ओर से की गई। महाआरती के बाद कार्यक्रम का समापन हुआ। अंत में सचिव ढगलाराम सेपटा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

बंडारू दत्तात्रेय ने राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला से की मुलाकात

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो):

अलई बलई फाउंडेशन के एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने पूर्व राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय के नेतृत्व में हैदराबाद स्थित लोक भवन में तेलंगाना के माननीय राज्यपाल श्री शिव प्रताप शुक्ला से सौजन्य मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने आगामी अलई बलई – 2026 कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने के लिए राज्यपाल को औपचारिक निमंत्रण पत्र सौंपा।

इस प्रतिनिधिमंडल में अलई बलई फाउंडेशन की चेयरपर्सन श्रीमती बंडारू विजयालक्ष्मी, पूर्व विधायक श्री चिंताला रामचंद्र रेड्डी, डॉ. एन. गौतम राव तथा श्री जी. आनंद गौड़ प्रमुख रूप से शामिल रहे।

मुलाकात के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल को तेलंगाना की समृद्ध लोक संस्कृति, भाईचारे और सांस्कृतिक एकता के प्रतीक 'अलई बलई' उत्सव की पृष्ठभूमि और इस वर्ष आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी।

माननीय राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला ने निमंत्रण स्वीकार करते हुए फाउंडेशन द्वारा तेलंगाना की परंपराओं और सामाजिक एकजुटता को बढ़ावा देने के प्रयासों की सराहना की।

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

राउंड टेबल इंडिया एरिया-9 ने दुंडीगल में एकीकृत सरकारी स्कूल की नींव रखी

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राउंड टेबल इंडिया (आरटीआई) एरिया-9 ने मेडचल-मालकाजगिरी जिले के दुंडीगल नगरपालिका अंतर्गत डी. पोचमपल्ली में एरिया-9 एकीकृत सरकारी स्कूल के भूमि पूजन के साथ एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक पहल की शुरुआत की। मुख्य अतिथि तेलंगाना सरकार के विशेष मुख्य सचिव (मेट्रोपॉलिटन एरिया एंड अर्बन डेवलपमेंट) श्री जयेश रंजन, आईएएस थे। यह परियोजना राउंड टेबल इंडिया के प्रमुख कार्यक्रम 'फ्रीडम थ्रू एजुकेशन' के अंतर्गत लगभग 7,000 आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुरू की गई है।

प्रस्तावित स्कूल कक्षा 1 से 10 तक के छात्रों के लिए आधुनिक शैक्षणिक बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराएगा। इसमें हवादार कक्षाएं, विज्ञान एवं स्टेम प्रयोगशालाएं, डिजिटल लर्निंग सुविधाएं, पुस्तकालय और स्वच्छ शौचालय जैसी सुविधाएं शामिल होंगी। क्षेत्र के कई बच्चे वर्तमान में हाई स्कूल शिक्षा के लिए दूर तक यात्रा करते हैं। यह स्कूल स्थानीय स्तर पर गुणवत्ता-पूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराकर नामांकन बढ़ाने और शिक्षा जारी रखने में मदद करेगा।

एरिया-9 चेयरमैन टीआर. अनिरुद्ध सोमपल्ली ने कहा, यह केवल एक स्कूल का निर्माण नहीं, बल्कि हजारों सपनों की नींव है। हर बच्चे को आर्थिक पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का अधिकार है। इस सिग्नेचर प्रोजेक्ट के माध्यम से हम आने वाली पीढ़ियों के लिए एक मजबूत विरासत छोड़ना चाहते हैं। उन्होंने अगले शैक्षणिक सत्र से स्कूल को चालू करने का लक्ष्य रखा है, बशर्ते आवश्यक अनुमतियां और निर्माण कार्य समय पर पूरा हो जाए।

मुख्य अतिथि श्री जयेश रंजन ने सरकारी स्कूलों में आधुनिक बुनियादी ढांचे के महत्व पर जोर देते हुए राउंड टेबल इंडिया एरिया-9 की इस पहल की सराहना की। अतिरिक्त कलेक्टर (लोकल बॉडीज) श्री फैजान अहमद, आईएएस ने भी परियोजना के समय पर पूरा होने के लिए सहयोग का आग्रह किया।

समारोह में श्री सी.वी. राव (चेयरमैन, इमेज हॉस्पिटल्स एवं सीवीआर न्यूज), श्रीमती वनजा सोमपल्ली तथा राउंड टेबल इंडिया के राष्ट्रीय और एरिया-9 नेतृत्व, मानद टेबलर्स, परियोजना टीम, शिक्षाविद और स्थानीय प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

राम प्रकाश अग्रवाल ने सेवा को बताया मानवता की सच्ची पहचान

हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन के पिलर नंबर 1265-ए के पास नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ग्रुप के सदस्य सेवा, समर्पण और सहयोग की भावना के साथ नियमित रूप से इस पुनीत कार्य में सहभागी बनकर जरूरतमंदों तक अन्नसेवा पहुंचा रहे हैं। कार्यक्रम के माध्यम से समाज में मानवता, परोपकार और निस्वार्थ सेवा का संदेश प्रसारित किया जा रहा है।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए राम प्रकाश अग्रवाल ने कहा कि मानव सेवा ही सच्चे अर्थों में ईश्वर की आराधना है। जरूरतमंदों की सहायता करना, भूखे को भोजन कराना और दूसरों के दुख-दर्द को समझना प्रत्येक व्यक्ति का नैतिक दायित्व है। सेवा के लिए धन से अधिक महत्वपूर्ण मन में समर्पण, करुणा और सहयोग की भावना

होना है। जब व्यक्ति निस्वार्थ भाव से किसी जरूरतमंद की सहायता करता है, तो इससे न केवल उसे राहत मिलती है, बल्कि समाज में प्रेम, सद्भाव और आत्मीयता भी बढ़ती है।

उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद का उद्देश्य सेवा को केवल एक दिन या किसी विशेष अवसर तक सीमित रखना नहीं, बल्कि इसे जीवन का अभिन्न अंग बनाना है। नियमित अन्नसेवा के माध्यम से ग्रुप मानवता की सेवा का संकल्प निरंतर आगे बढ़ा रहा है। इस कार्य में सभी सदस्यों का सहयोग और सामूहिक सहभागिता महत्वपूर्ण है। समाज के प्रत्येक व्यक्ति को अपनी सामर्थ्य के अनुसार सेवा कार्यों में योगदान देना चाहिए, क्योंकि सामूहिक प्रयासों से ही समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है।

राम प्रकाश अग्रवाल ने कहा कि समाज में जाति, धर्म और वर्ग के भेदभाव से ऊपर उठकर मानवता को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए। जरूरतमंदों की सेवा करने से मन को संतुष्टि मिलती है और दूसरों के जीवन में खुशियां लाने का अवसर प्राप्त होता है। सेवा का वास्तविक महत्व तभी है, जब उसमें किसी प्रकार के दिखावे या स्वार्थ की भावना न हो। निस्वार्थ भाव से किया गया छोटा-सा प्रयास भी किसी के जीवन में बड़ा बदलाव ला सकता है।कार्यक्रम में कैलाश चंद केडिया, निर्मला देवी केडिया, भगत राम गोयल, भाकराम , नंद किशोर अग्रवाल, संजय गोयल और किरण गोयल सहित राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

देवेन्द्रनगर दुर्गा पंडाल में भक्ति और उल्लास का संगम

हैदराबाद, उप्पल (रामंतपुर)। उप्पल के रामंतपुर स्थित देवेन्द्रनगर कॉलोनी के दुर्गा माता पंडाल में इस वर्ष शारदीय नवरात्रि महोत्सव अत्यंत भव्यता और धार्मिक उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। यहां स्थापित मां दुर्गा की अलौकिक प्रतिमा के दर्शन के लिए प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। इसी क्रम में पंडाल में एक विशेष सांस्कृतिक एवं धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति ने उत्सव की गरिमा को और बढ़ाया।

इस भव्य आयोजन में तेलंगाना गोशाला फेडरेशन के अध्यक्ष महेश अग्रवाल और प्रसिद्ध अभिनेत्री मृणाल शीर्षत ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। अतिथियों ने सर्वप्रथम माता के दरबार में माथा टेककर

विधि-विधान से पूजा-अर्चना की तथा समस्त प्रदेशवासियों के सुख, शांति और समृद्धि के लिए मां दुर्गा से प्रार्थना की।

कॉलोनीवासियों और पूजा समिति के सदस्यों ने दोनों अतिथियों का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया। महेश अग्रवाल और अभिनेत्री मृणाल ठाकुर ने पंडाल की व्यवस्थाओं तथा यहां चल रहे धार्मिक अनुष्ठानों की सराहना की।

तेलंगाना की सांस्कृतिक विरासत के प्रतीक पर्व बत्तकम्मा के अवसर पर पंडाल परिसर में आकर्षक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें स्थानीय महिलाओं और युवतियों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया तथा रंग-बिरंगे फूलों से सजी सुंदर बत्तकम्मा तैयार कीं। कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण के रूप में अतिथियों ने बत्तकम्मा प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागियों को आकर्षक पुरस्कार प्रदान किए। पुरस्कार प्राप्त करने वाले विजेताओं के चेहरों पर खुशी और उत्साह देखते ही बनता था। इस दौरान पारंपरिक लोकगीतों और नृत्य की प्रस्तुतियों से पूरा पंडाल परिसर गूंज उठा।

पूजा समिति के सदस्यों ने बताया कि इस प्रकार के आयोजनों का उद्देश्य धार्मिक आस्था को सुदृढ़ करने के साथ-साथ समाज में आपसी भाईचारे, सांस्कृतिक एकता और परंपराओं को जीवित रखना भी है।

कार्यक्रम के अंत में सभी श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया। इसके साथ ही भक्ति, संस्कृति और उल्लास से परिपूर्ण इस आयोजन का सफलतापूर्वक समापन हुआ।

नियमित अन्नसेवा सेवा और समर्पण की मिसाल बना राधे-राधे ग्रुप

हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास स्थित केबीआर पार्क में नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ग्रुप के सदस्य सेवा, समर्पण और सहयोग की भावना के साथ जरूरतमंदों तक अन्नसेवा पहुंचाने के पुनीत कार्य में निरंतर जुटे हुए हैं।

राधे-राधे ग्रुप का उद्देश्य केवल जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराना ही नहीं, बल्कि समाज में मानवता, करुणा और परोपकार की भावना को मजबूत करना भी है। ग्रुप के सदस्य मानते हैं कि भूखे को भोजन कराना सबसे बड़ा पुण्य है और जरूरतमंदों की सेवा करना ही सच्चे अर्थों में ईश्वर की आराधना है। इसी विचारधारा के साथ ग्रुप

द्वारा नियमित रूप से अन्नसेवा का कार्य किया जा रहा है।

इस अवसर पर मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल एवं भंवरलालजी गुप्ता सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने सेवा कार्य में सहयोग देते हुए समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाई। ग्रुप का मानना है कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को अपनी सामर्थ्य के अनुसार सेवा कार्यों में योगदान देना चाहिए। सेवा का यह संकल्प तभी सार्थक होगा, जब अधिक से अधिक लोग निस्वार्थ भाव से मानवता की सेवा के लिए आगे आएंगे। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद इसी भावना के साथ सेवा, समर्पण और सहयोग के मार्ग पर निरंतर अग्रसर है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

हत्या...

पुलिस अब आरोपियों से पूछताछ के जरिए वारदात से जुड़े अन्य पहलुओं का पता लगाने में जुटी है। फायरिंग में टाइगर श्रॉफ को गोली नहीं लगी, लेकिन उनके बाएं हाथ में बारूद और कांच के टुकड़ों से चोट आई है। गोलीबारी के दौरान उनके चालक को भी चोट लगी है।

दस दिन रेकी

मुंबई पुलिस के सूत्रों के मुताबिक, आरोपी करीब 10 दिनों से टाइगर श्रॉफ पर नजर रख रहे थे। उन्होंने उनके घर और जिम की भी रेकी की थी। फायरिंग से पहले आरोपियों ने करीब 45 मिनट तक इलाके की गतिविधियों और रास्तों की जानकारी जुटाई थी।

आरोपी सोशल मीडिया पर पापराजी के वीडियो और ब्लॉगर्स की सामग्री के जरिए भी टाइगर की लोकेशन तथा दिनचर्या की जानकारी हासिल कर रहे थे। रविवार को फायरिंग के बाद आरोपी मुंबई में एसवी रोड से विले पार्ले और अंधेरी की ओर भागे। उन्होंने अंधेरी पश्चिम रेलवे स्टेशन के पास अपनी मोटरसाइकिल छोड़ दी और ट्रेन में सवार हो गए। पुलिस ने मोटरसाइकिल बरामद कर ली थी।

राजस्थान पुलिस के मुताबिक, शुरुआती पूछताछ में सामने आया कि हरियाणा के रेहान का संपर्क अमेरिका में रह रहे अनिल पंडित से था। अनिल पंडित को लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़ा बताया जा रहा है।

फायरिंग के बाद सोशल मीडिया पोस्ट और ऑडियो क्लिप के जरिए अनिल पंडित ने हमले की जिम्मेदारी लेने का दावा किया। उसने अभिनेता सलमान खान को भी धमकी दी और उनसे लॉरेंस बिश्नोई से माफी मांगने को कहा।पुलिस सोशल मीडिया पोस्ट और ऑडियो क्लिप की सत्यता की जांच कर रही है। साथ ही, हमले के पीछे की साजिश, कथित कॉन्ट्रैक्ट और अन्य संभावित आरोपियों की भूमिका का पता लगाने के लिए पूछताछ जारी है।

गैंगवार...

12 अगस्त 1997 को टी-सीरीज के संस्थापक और कैसेट किंग के नाम से मशहूर गुलशन कुमार की बेरहमी से हत्या ने पूरे देश को झकझोर दिया था। हालांकि, वर्ष 2000 के आसपास मुंबई में अंडरवर्ल्ड का प्रभाव धीरे-धीरे कमजोर पड़ने लगा। नवंबर 2002 में मुंबई में डी-कंपनी से जुड़ी आखिरी गोलीबारी की घटनाओं में से एक दर्ज की गई। पुर्तगाल में गिरफ्तारी के बाद अबू सलेम के गिरोह की गतिविधियां भी प्रभावित हुईं। अंडरवर्ल्ड डॉन अरुण गवली के गिरोह से जुड़ी वर्ष 2008 की हत्या और वर्ष 2011 में अपराध पत्रकार ज्योतिर्मय डे (जे. डे) की हत्या ने संगठित अपराध की चुनौती को फिर उजागर किया। जे. डे की हत्या में छोटा राजन गिरोह का नाम सामने आया था। समय के साथ कई कुख्यात अपराधी जेल पहुंच गए और मुंबई में अंडरवर्ल्ड का पुराना प्रभाव काफी कमजोर हुआ। लेकिन करीब दो दशक बाद लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़े मामलों ने संगठित अपराध के नए स्वरूप को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं।

सितारे निशाने पर

बॉलीवुड में अपना प्रभाव और खौफ स्थापित करने के लिए लॉरेंस बिश्नोई गिरोह का नाम सलमान खान जैसे बड़े सितारे से जुड़े मामलों में सामने आया है। अप्रैल 2024 में सलमान खान के बांद्रा स्थित गैलेक्सी अपार्टमेंट के बाहर गोलीबारी हुई थी। इस घटना ने उनकी सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा कर दी थीं। अक्टूबर 2024 में महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की हत्या की जिम्मेदारी भी लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़े लोगों ने लेने का दावा किया था। उस समय गिरोह की ओर से सलमान खान के साथ सिद्दीकी की करीबी का भी उल्लेख किया गया था। इसके बाद भी धमकियों और हमलों से जुड़ी खबरें सामने आती रहीं। इसी वर्ष जून में गायक गुरु रंधावा के जिम पर गोलीबारी की घटना में भी लॉरेंस गिरोह से जुड़े होने के दावे सामने आए। टाइगर श्रॉफ पर गोलीबारी की घटना ने एक बार फिर फिल्म जगत की सुरक्षा और संगठित अपराध के कथित नेटवर्क को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं।

जेल में नेटवर्क?

लॉरेंस बिश्नोई वर्ष 2023 से गुजरात की साबरमती केंद्रीय जेल में बंद है। जेल की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सामने आई जानकारी के मुताबिक, उसे उच्च सुरक्षा वाले प्रकोष्ठ में रखा गया है, जहां सीसीटीवी निगरानी और मुलाकात पर कड़े प्रतिबंध हैं। दूसरे राज्यों की पुलिस को भी पूछताछ के लिए जेल पहुंचना पड़ता है। अदालतों में उसकी पेशी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए किए जाने की जानकारी भी सामने आती रही है।

लेकिन जेल में बंद होने का अर्थ यह नहीं कि किसी गिरोह का नेटवर्क अपने आप समाप्त हो जाता है। संगठित अपराध के मामलों में बाहर मौजूद सहयोगी, कथित संचालक और अलग-अलग स्थानों पर सक्रिय सदस्य नेटवर्क को चलाने में भूमिका निभा सकते हैं। जांच का असली सवाल यह है कि क्या टाइगर श्रॉफ पर हमले के मामले में भी ऐसा हुआ और यदि हुआ, तो निर्देश किसने दिए?टाइगर श्रॉफ पर हमले की जिम्मेदारी से जुड़े सोशल मीडिया दावों और कथित ऑडियो को अपने आप में निर्णायक सबूत नहीं माना जा सकता। पुलिस को यह स्थापित करना होगा कि हमले की साजिश किसने रची, आरोपियों को किसने निर्देश दिए और क्या इस घटना का लॉरेंस बिश्नोई से सीधा संबंध था।

निज्जर मामला

लॉरेंस बिश्नोई के कथित अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क को लेकर पहले भी गंभीर आरोप सामने आ चुके हैं। कनाडा में खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले से जुड़ी विभिन्न जांचों और आरोपों में लॉरेंस बिश्नोई के नेटवर्क का उल्लेख किया गया है। हालांकि, ऐसे मामलों में आरोपों, अभियोजन के दावों और अदालत में साबित तथ्यों के बीच अंतर करना जरूरी है। किसी जांच एजेंसी के आरोप या आरोपपत्र को अपने आप में दोषसिद्धि नहीं माना जा सकता।जेल में बंद व्यक्ति के कथित तौर पर बाहर सक्रिय नेटवर्क से संपर्क बनाए रखने की आशंका संगठित अपराध की जांच का अहम विषय है। लेकिन टाइगर श्रॉफ पर हुए हमले में जेल के अंदर से आदेश दिए जाने का निष्कर्ष तभी निकाला जा सकता है, जब जांच में संचार, वित्तीय लेन-देन या अन्य ठोस सबूत सामने आएं।ऐसे मामलों में केवल यह जानना पर्याप्त नहीं है कि आरोपी किसके संपर्क में था। यह भी पता लगाना जरूरी है कि बातचीत कब हुई, उसका उद्देश्य क्या था और क्या उससे किसी आपराधिक वारदात की योजना या निर्देश का प्रमाण मिलता है।

जेल प्रशासन से पांच सवाल

पहला सवाल: क्या जेल में मोबाइल का इस्तेमाल हो रहा है?

अगर किसी बंद गैंगस्टर के निर्देश पर बाहर वारदातें हो रही हैं, तो जांच एजेंसियों को पता लगाना होगा कि निर्देश किस माध्यम से भेजे गए। जेल में मोबाइल फोन के इस्तेमाल की आशंका हो तो उसकी पुष्टि तकनीकी और भौतिक साक्ष्यों से करनी होगी।

दूसरा सवाल: बाहर संदेश कैसे पहुंचते हैं?

संचार केवल मोबाइल फोन तक सीमित नहीं होता। मुलाकात, बिचौलियों या अन्य संपर्क माध्यमों की भूमिका भी जांच का विषय हो सकती है। सवाल यह है कि क्या इस मामले में किसी ऐसे माध्यम का इस्तेमाल हुआ और क्या जेल के नियमों का उल्लंघन किया गया?

तीसरा सवाल: नेटवर्क कौन चला रहा है?

अगर जेल के अंदर से कोई संपर्क नहीं हुआ, तो बाहर गिरोह का नेटवर्क कैसे सक्रिय है? किसी गिरोह के संचालन के लिए हर निर्देश सीधे उसके प्रमुख से आना जरूरी नहीं है। बाहर मौजूद सहयोगी अपने स्तर पर फैसले ले सकते हैं या किसी दूसरे व्यक्ति के निर्देशों पर काम कर सकते हैं। जांच में यह स्पष्ट करना होगा कि टाइगर श्रॉफ पर हमले में किसकी क्या भूमिका थी।

चौथा सवाल: विदेश से कौन संभाल रहा है तालमेल?

अगर जांच में अंतरराष्ट्रीय संबंधों की पुष्टि होती है, तो पुलिस को विदेश में मौजूद कथित संचालकों, स्थानीय आरोपियों और वित्तीय नेटवर्क की कड़ियां जोड़नी होंगी। यह भी पता लगाना होगा कि क्या किसी एक व्यक्ति के निर्देश पर कार्रवाई हुई या नेटवर्क के अलग-अलग सदस्य स्वतंत्र रूप से काम कर रहे थे।

पांचवां सवाल: हमले का आदेश किसने दिया?

यही पूरे मामले का सबसे अहम सवाल है। क्या हमला वसूली के लिए किया गया, किसी धमकी को अंजाम देने के लिए या इसके पीछे कोई दूसरा मकसद था? क्या लॉरेंस बिश्नोई की इसमें सीधी भूमिका थी या उसके नाम का इस्तेमाल किया गया? इन सवालों के जवाब आरोपियों से पूछताछ, डिजिटल साक्ष्यों और अन्य सबूतों से ही मिल सकते हैं।

नेटवर्क पर शिकंजा

टाइगर श्रॉफ पर गोलीबारी के मामले ने एक बार फिर यह बहस तेज कर दी है कि जेल में बंद कुख्यात अपराधियों के कथित नेटवर्क को कैसे रोका जाए। केवल जेल की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करना पर्याप्त नहीं होगा। बाहर सक्रिय सहयोगियों, संचार के संभावित माध्यमों, पैसों के लेन-देन और हमले की योजना से जुड़े लोगों की पहचान करना भी जरूरी है। मुंबई के अंडरवर्ल्ड का पुराना दौर भले ही बदल गया हो, लेकिन संगठित अपराध से जुड़ी चुनौतियां पूरी तरह समाप्त नहीं हुई हैं। टाइगर श्रॉफ पर हमले की जांच से यह स्पष्ट होना बाकी है कि इसके पीछे कौन था, कथित नेटवर्क किस तरह काम कर रहा था और क्या इस घटना का जेल में बंद लॉरेंस बिश्नोई से कोई सीधा संबंध था। इन सवालों के जवाब जांच के निष्कर्ष और ठोस सबूत ही दे सकते हैं।

सऊदी की ...

ऐसे में सवाल उठ रहा है कि यदि पाकिस्तान सऊदी अरब की सुरक्षा के लिए सहायता दे रहा है, तो लगातार हो रहे हमलों के बीच इस सहयोग का वास्तविक स्वरूप क्या है और इसका प्रभाव कितना है?

हूती हमलों पर नाराजगी

लेफ्टिनेंट जनरल चौधरी ने कहा कि हूती हमलों पर पाकिस्तान की प्रतिक्रिया गुस्से वाली थी। उन्होंने जोर देकर कहा कि सऊदी अरब और पवित्र स्थलों की सुरक्षा के मामले में कोई समझौता नहीं किया जा सकता।

यह पूछे जाने पर कि यदि हमले जारी रहते हैं, तो क्या पाकिस्तान का समर्थन केवल रक्षात्मक रहेगा, उन्होंने कहा कि गठबंधन के तीनों सदस्य इस बात पर स्पष्ट हैं कि उनका कोई आक्रामक इरादा नहीं है और उनकी व्यवस्था पूरी तरह रक्षात्मक है।

संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 51 का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि सामूहिक प्रतिरोध की व्यवस्था स्पष्ट संदेश देती है कि तीनों देशों में से किसी एक पर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष हमला होने पर तीनों देश मिलकर उसका जवाब देंगे।

सैन्य प्रवक्ता ने कहा कि यदि यह प्रतिरोध प्रभावी नहीं रहता, तो तीनों देशों के पास उपलब्ध सभी साधनों का इस्तेमाल करके इसे फिर से कायम किया जाएगा।

इस्लामाबाद द्वारा ईरान को किसी तरह की चेतावनी दिए जाने के सवाल पर चौधरी ने कहा कि पाकिस्तान सभी पक्षों, जिनमें ईरान भी शामिल है, के साथ बातचीत कर रहा है। इसका उद्देश्य संयम बरतने और क्षेत्र में तनाव कम करने के लिए प्रयास करना है।

सहायता के स्वरूप पर सवाल

पाकिस्तानी सेना के प्रवक्ता ने हाल ही में दोहराया था कि सऊदी अरब की संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और मक्का-मदीना के पवित्र स्थलों की सुरक्षा पाकिस्तान के लिए सर्वोपरि है। उन्होंने जरूरत के मुताबिक सहायता देने और इसे जारी रखने की बात कही, लेकिन सहायता के स्वरूप और उसकी सीमा के बारे में कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी।

ऐसे में सवाल उठता है कि क्या पाकिस्तान की ओर से घोषित समर्थन जमीन पर प्रभावी साबित हो रहा है? यदि सऊदी अरब को सुरक्षा संबंधी मदद दी जा रही है, तो लगातार सामने आ रहे हमलों के बीच उसका असर कितना दिखाई दे रहा है?

हालांकि, किसी रक्षा समझौते या गठबंधन की घोषणा का अर्थ यह नहीं होता कि हर सैन्य ठिकाने अथवा यमन में सऊदी समर्थित प्रत्येक बल को हमलों से पूरी सुरक्षा मिल जाएगी। गठबंधन की वास्तविक प्रभावशीलता का आकलन उसकी शर्तों, उपलब्ध सैन्य संसाधनों, खुफिया जानकारी और सदस्य देशों के बीच समन्वय के आधार पर ही किया जा सकता है।

हूतियों की ताकत

हूती विद्रोहियों ने हाल के हफ्तों में सऊदी अरब के हवाई अड्डों और तेल प्रतिष्ठानों को भी निशाना बनाया है। यमन में वे सरकारी बलों के खिलाफ संघर्ष तेज कर रहे हैं। इसके साथ ही रणनीतिक बाब-अल-मंदेब जलडमरूमध्य के आसपास अपनी पकड़ बढ़ाने की कोशिशों को लेकर भी चिंता जताई जाती रही है।

संयुक्त राष्ट्र के विशेषज्ञों और अन्य विश्लेषकों ने हूतियों को ईरान से हथियार और सैन्य विशेषज्ञता मिलने की बात कही है। हालांकि, ईरान हथियार उपलब्ध कराने से जुड़े आरोपों से इनकार करता रहा है।

शबवा में हुआ हमला ऐसे समय में सामने आया है, जब सऊदी नेतृत्व वाला गठबंधन हूती विद्रोहियों के कब्जे वाले इलाकों को वापस लेने के लिए सैन्य अभियान चला रहा है। हमले के बाद यमन की प्रांतीय सरकार ने बेहतर हवाई रक्षा व्यवस्था और समय रहते चेतावनी देने वाली प्रणालियों की मांग की है।

गठबंधन की परीक्षा

यमन में लगातार जारी संघर्ष और सऊदी अरब पर हमलों की खबरों ने क्षेत्रीय सुरक्षा व्यवस्था के सामने गंभीर चुनौती खड़ी कर दी है। पाकिस्तान ने सहायता जारी रखने और किसी भी हमले की स्थिति में सामूहिक प्रतिक्रिया देने की बात कही है, लेकिन उसने अपनी सहायता के वास्तविक स्वरूप का खुलासा नहीं किया है।

अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि पाकिस्तान और उसके सहयोगी देशों की रक्षात्मक व्यवस्था क्षेत्र में बढ़ते खतरों का सामना किस तरह करेगी। इसका जवाब केवल बयानों से नहीं, बल्कि सुरक्षा सहयोग की वास्तविक क्षमता, हमलों को रोकने में उसकी प्रभावशीलता और क्षेत्रीय तनाव कम करने के प्रयासों से मिलेगा।

सऊदी में...

सऊदी अरब की सरकारी समाचार एजेंसी 'सऊदी प्रेस एजेंसी' के मुताबिक, नजरुल इस्लाम अब्दुल बशीर और सिती अख्तर ने मक्का की एक मस्जिद में कथित तौर पर अश्लील कृत्य किया था।

बांग्लादेश सरकार ने इस मामले में अधिक जानकारी हासिल करने के लिए सऊदी अरब से संपर्क किया है। धार्मिक समानता और मजबूत आर्थिक संबंधों के कारण दोनों मुस्लिम देशों के बीच लंबे समय से करीबी रिश्ते रहे हैं। हालांकि, सऊदी अरब अपने कानूनों के अनुपालन को लेकर सख्त रुख अपनाता है।

ढाका ने मांगा जवाब

बांग्लादेश की विदेश राज्य मंत्री शमा ओबैद इस्लाम ने बताया कि उनकी सरकार ने सऊदी अरब से दोनों बांग्लादेशी नागरिकों को दी गई मौत की सजा के संबंध में विस्तृत जानकारी मांगी है। उन्होंने कहा कि न तो बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय को और न ही सऊदी अरब में स्थित बांग्लादेशी राजनयिक मिशन को इस मामले में पहले से कोई सूचना दी गई थी। उन्होंने कहा, इसमें कोई संदेह नहीं है कि सऊदी अरब के साथ बांग्लादेश के अच्छे संबंध हैं, खासकर नई सरकार के सत्ता में आने के बाद से। उन्होंने यह भी कहा कि ढाका को रियाद से पूरी जानकारी मिलने का इंतजार है।

राजनयिक नियमों पर सवाल

जब शमा ओबैद इस्लाम से पूछा गया कि क्या सऊदी अरब ने 'वियना अभिसमय, वाणिज्यदूत संबंध' के तहत अपनी जिम्मेदारियों का उल्लंघन किया है, तो उन्होंने कहा कि बांग्लादेश सरकार को अभी तक इस घटना की पूरी जानकारी नहीं मिली है। उन्होंने कहा, हमारे मिशन को यह नहीं बताया गया कि घटना कब या कैसे हुई। मैं अभी इस पर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहती कि मिशन को सूचित क्यों नहीं किया गया, क्योंकि सऊदी सरकार ने अभी तक हमें पूरी जानकारी नहीं दी है।शमा के अनुसार, बांग्लादेश को दोनों नागरिकों को मृत्युदंड दिए जाने की जानकारी 14 अक्टूबर को मिली। उनके मुताबिक, उसी दिन दोनों को फांसी दी गई थी।

सऊदी अरब में 30 लाख बांग्लादेशी

सऊदी अरब में 30 लाख से अधिक बांग्लादेशी नागरिक रहते और काम करते हैं। इनमें से अधिकांश कम वेतन वाली नौकरियों में कार्यरत हैं। ऐसे में दो बांग्लादेशी नागरिकों को मृत्युदंड दिए जाने की घटना ने बांग्लादेश में लोगों के बीच चिंता बढ़ा दी है।

हनीट्रैप...

जांचकर्ताओं को संदेह है कि आरोपी ने एक हजार से अधिक लोगों से बातचीत की थी। इनमें से 82 लोगों ने कथित तौर पर अपनी निजी तस्वीरें और वीडियो उसके साथ साझा किए थे।

कई राज्यों और विदेशों तक जाल

पुलिस ने अब तक दूसरे राज्यों के 24 पीड़ितों और विदेश के नौ लोगों की पहचान की है। जांच में सामने आया है कि आरोपी के कथित निशाने पर अलग-अलग पेशों से जुड़े लोग थे। इनमें डॉक्टर, कारोबारी, व्याख्याता, निजी क्षेत्र में काम करने वाले कर्मचारी और डिलीवरी वर्कर शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने अपने एक दोस्त को भी कथित तौर पर ठगी का शिकार बनाया। डिप्लोमा की पढ़ाई कर चुके इस दोस्त से चार लाख रुपये ठगने का आरोप है। पुलिस अब मामले से जुड़े अन्य संभावित पीड़ितों और लेन-देन की जानकारी जुटा रही है।

जांच के दौरान पुलिस ने आरोपी के पास से तीन मोबाइल फोन, एक एचपी लैपटॉप और एक पेन ड्राइव जब्त की है। इन इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की जांच से कथित फर्जी खातों, बातचीत और अन्य डिजिटल साक्ष्यों के बारे में जानकारी मिलने की उम्मीद है।पुलिस को आशंका है कि इस मामले में अभी और पीड़ित सामने आ सकते हैं। जांच एजेंसियां आरोपी के सोशल मीडिया खातों, बैंक खातों और कथित लेन-देन की पड़ताल कर रही हैं। पुलिस यह भी पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इस नेटवर्क के जरिए कितने लोगों को निशाना बनाया गया।

सैदाबाद थाने में मामला दर्ज

इस मामले में हैदराबाद के सैदाबाद पुलिस थाने में अपराध संख्या 358/2026 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की जांच शुरू कर दी है। जांच का मुख्य फोकस कथित ब्लैकमेलिंग, निवेश के नाम पर हुई ठगी और डिजिटल माध्यमों से जुटाए गए साक्ष्यों पर है। पुलिस को संदेह है कि जांच आगे बढ़ने के साथ ठगी के अन्य मामले भी सामने आ सकते हैं। फिलहाल, पुलिस पूरे मामले की कड़ियां जोड़ने और संभावित पीड़ितों की पहचान करने में जुटी है।

ज्येष्ठायनी माता का जागरण संपन्न

भजनों पर झूमे श्रद्धालु, विशाल प्रसादी में उमड़े समाजबंधु

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारद्वाज गोत्र के तुकार तिवारी, नागला तिवारी, पीपाड़ा पांडिया एवं लिलरिया व्यास परिवारों की कुलदेवी श्री ज्येष्ठायनी (पाण्डुका) माता की छठवीं चौकी, जागरण एवं विशाल प्रसादी महोत्सव शनिवार, 17 अक्टूबर को ऋषि श्रृंग भवन में श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं समाजबंधुओं ने भाग लिया। भजन-कीर्तन और माता के जयकारों से पूरा भवन भक्तिमय बना रहा।

कार्यक्रम की शुरुआत अपराह्न 3:31 बजे महिलाओं द्वारा दुर्गा माता के भजनों से हुई। इसके बाद माता को भोग अर्पित किया गया तथा कन्या पूजन और कन्या भोजन कराया गया। सायं 6:31 बजे भारद्वाज गोत्र के दंपतियों ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना की।

शाम 7:31 बजे भजन गायक सतीश त्रिपाठी एवं संदीप त्रिपाठी ने माता की आरती के बाद भजनों की प्रस्तुति दी। उनके भजनों पर श्रद्धालु देर रात तक झूमते रहे। विशेष अनुरोध पर सिखवाल समाज के गोपीकिशन पांडिया एवं जयप्रकाश तिवाड़ी ने भी भजन प्रस्तुत किए। भजन-कीर्तन का क्रम रात्रि दो बजे तक चला।

आरती के बाद शाम 7:45 बजे विशाल प्रसादी का आयोजन किया गया, जिसका श्रद्धालुओं ने रात्रि एक बजे तक लाभ लिया। कार्यक्रम में पहुंचे समाजबंधुओं एवं अतिथियों का सम्मान भी किया गया।

आयोजन की सफलता में युवाओं एवं समाजबंधुओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही। मोतीलाल तिवारी, रामदेव नागला, रामप्रकाश नागला, मोहनलाल व्यास, श्यामसुंदर तिवारी (बलूंदा), सुरेश तिवारी, भागीरथ शर्मा तिवारी, महेंद्र नागला तिवाड़ी, सुनील पांडिया, रामकुमार तिवारी, नरेश नागला, मुकेश तिवारी, श्याम तिवारी (पिचीयाक), विनोद नागला, करन नागला, विज्जु भाई तिवारी (बलूंदा), सुरेंद्र तिवारी, नरेश पांडिया, सुरेश पांडिया (दीपावत), ओमप्रकाश तिवारी एवं कमल पांडिया (प्रचार मंत्री) सहित भारद्वाज गोत्र के सदस्यों ने सहयोग दिया।

इस अवसर पर सिखवाल ब्राह्मण समाज, सिकंदराबाद के अध्यक्ष नटवरलाल व्यास, महामंत्री भागीरथ पांडिया, कोषाध्यक्ष मुकेश पांडिया, भाजपा नेता राजेश यादव, दुर्गा शर्मा, महाराणा प्रताप जागृति मंच की महिला अध्यक्ष आशा राजपूत, व्यवसायी सुनील शर्मा, सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता मोहित कृष्ण तथा विजेता मैडम सहित सामाजिक कार्यकर्ता, राजनीतिक प्रतिनिधि एवं समाजबंधु उपस्थित रहे।

आयोजन संयोजक रामदेव नागला ने सभी अतिथियों, श्रद्धालुओं एवं सहयोगकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने आयोजन में युवाओं के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से सामाजिक एकता मजबूत होती है और भावी पीढ़ी को अपने गोत्र एवं कुलदेवी की परंपराओं से परिचित होने का अवसर मिलता है। रात्रि दो बजे माता की आरती के साथ जागरण का समापन हुआ।

बंडारू दत्तात्रेय ने आवास पर की शस्त्र पूजा

अलई बलई – 2026 के नए गीत का किया विमोचन

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो): विजयादशमी के अवसर पर पूर्व राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय ने अपने निज निवास पर पारंपरिक विधि-विधान के साथ शस्त्र पूजा (आयुध पूजा) का आयोजन किया। इस अवसर पर उन्होंने देश और प्रदेशवासियों को विजयादशमी की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

विजयादशमी के इसी पावन अवसर पर, तेलंगाना की संस्कृति, परंपराओं, भाईचारे और एकता के प्रतीक प्रतिष्ठित दत्तात्र अलई बलई 0 2026 कार्यक्रम को लेकर एक विशेष गीत का विमोचन किया गया। हैदराबाद में आयोजित एक कार्यक्रम में इस गीत को प्रसिद्ध गायक और 'नलगोंडा गद्दर' के नाम से प्रख्यात श्री नर्सी रेड्डी ने अपनी आवाज दी है, जिसका विधिवत अनावरण पूर्व राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय ने किया।

इस अवसर पर श्री बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि 'अलई बलई' तेलंगाना की संस्कृति, परंपराओं, आत्मीयता और सोहर्दपूर्ण भाईचारे को दर्शाने वाला एक महान सांस्कृतिक उत्सव है। इसका मुख्य उद्देश्य राजनीतिक सीमाओं से परे उठकर विभिन्न दलों के नेताओं और आम जनता को एक ही मंच पर एकसाथ लाना और आपसी प्रेम व अपनत्व को साझा करना है।

उन्होंने आगे कहा कि इस तरह के आयोजन तेलंगाना की लोक कलाओं, लोकगीतों और समृद्ध परंपराओं को आने वाली युवा पीढ़ी तक पहुँचाने में बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि श्री नर्सी रेड्डी द्वारा गाया गया यह नया गीत लोगों के दिलों में भाईचारे की भावना और तेलंगाना की संस्कृति के प्रति प्रेम को और अधिक प्रगाढ़ करेगा।

श्री बंडारू दत्तात्रेय ने जानकारी दी कि आगामी अलई बलई 0 2026 के मुख्य उत्सव का आयोजन 22 अक्टूबर, गुरुवार को सुबह 10 बजे एग्जीविशन ग्राउंड्स में किया जाएगा। इस भव्य समारोह में तेलंगाना की प्राचीन संस्कृति, रीति-रिवाजों और कला-संस्कृति को प्रदर्शित करने वाले विभिन्न लोक कला रूप व सांस्कृतिक कार्यक्रम विशेष आकर्षण का केंद्र होंगे।

गीत विमोचन और इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों में अलई बलई फाउंडेशन की चेयरपर्सन श्रीमती बंडारू विजयालक्ष्मी, समिति के सदस्य श्री प्रदीप सहित कई गणमान्य व्यक्ति और कलाप्रेमी उपस्थित रहे।

85 वर्षों की परंपरा के साथ वंदेमातरम् नवरात्रि महोत्सव संपन्न

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिकंदराबाद के जीरा स्थित श्री गुजराती सेवा मंडल कार्यालय में वंदेमातरम् नवरात्रि महोत्सव 2026 भव्यता एवं भक्तिमय वातावरण में संपन्न हुआ। मंडल के मानद सचिव जनकभाई ब्रह्मभट्ट ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि मंडल द्वारा पिछले 85 वर्षों से अधिक समय से समाज के परिवारों के लिए नवरात्रि महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस वर्ष राष्ट्रीय गीत वंदेमातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर उत्सव को 'वंदेमातरम् नवरात्रि महोत्सव 2026' नाम समर्पित किया गया।

महोत्सव में लव फॉर काऊ फाउंडेशन के चेयरमैन जसमत पटेल, ट्रस्टी रिद्धीश जागीरदार एवं मुकेश चौहान विशेष रूप से उपस्थित रहे। इनके अलावा मंडल के अध्यक्ष घनश्याम पटेल, ट्रस्ट बोर्ड सचिव जसभाई पटेल, ट्रस्टी गिरीश रंगपरिया, उपाध्यक्ष जयंतीलाल पटेल, मंत्री जनक ब्रह्मभट्ट, सहमंत्री विष्णु पटेल, नवरात्रि उत्सव समिति के चेयरमैन तरुण मेहता तथा समिति सदस्य दिनेश पटेल (लालगुरु), दिनेश पटेल (नीलकंठ), रमेश नेगांधी, विष्णुभाई पटेल और कौशिक पटेल सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

जनकभाई ब्रह्मभट्ट ने बताया कि मंडल द्वारा वर्ष 1939 में स्कूल की स्थापना की गई थी। मंडल की नियमित आय सुनिश्चित करने के लिए दानदाताओं के सहयोग से धनराशि एकत्र कर हॉल, अतिथिगृह और गोदाम आदि का निर्माण कराया गया, जिससे मंडल को निरंतर आय प्राप्त होती रहे। मंडल की ओर से समय-समय पर विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इनमें होली मिलन, गणेश उत्सव, नवरात्रि उत्सव, दीपावली मिलन तथा भागवत कथा, राम कथा और शिव कथा सहित वर्षभर अनेक आयोजन शामिल हैं।

नवरात्रि महोत्सव समिति के चेयरमैन तरुण मेहता एवं दिनेश पटेल ने बताया कि जीएसएम वंदेमातरम् नवरात्रि महोत्सव 2026 का आयोजन रविवार, 11 अक्टूबर से सोमवार, 19 अक्टूबर तक प्रतिदिन शाम 7:30 बजे से किया गया। समाज के सदस्यों के लिए शाम 7:30 से रात 9 बजे तक भोजन की व्यवस्था रही। प्रतिदिन रात 11:30 बजे माताजी की भव्य आरती की गई। महोत्सव में संगीत की धूम मचाने के लिए अहमदाबाद के विख्यात कुंतलभाई मेहता एवं ध्वनि म्यूजिकल ऑर्केस्ट्रा ग्रुप ने प्रस्तुतियां दीं।

सोमवार, 19 अक्टूबर को अष्टमी के अवसर पर विशेष हवन का आयोजन किया गया। इसमें नीतिनभाई भट्ट परिवार मुख्य यजमान रहा। मंगलवार, 20 अक्टूबर को ब्राह्मण भोज का आयोजन रखा गया है, जिसमें सनातन धर्म के साधु-संत भी भाग ले सकते हैं। ब्राह्मण भोज में ब्राह्मण देव के लिए स्टील ग्लास की प्रभावना के लाभार्थी दीपकांत व्यास एवं कृति दीपक व्यास परिवार हैं।

सेवा ही सबसे बड़ा धर्म : जगत नारायण अग्रवाल

हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है और जरूरतमंदों की सहायता करना मानव जीवन का सबसे बड़ा पुण्य कार्य है। निस्वार्थ भाव से की गई सेवा न केवल किसी जरूरतमंद के जीवन में खुशियां लाती है, बल्कि समाज में प्रेम, सद्भाव, सहयोग और मानवता की भावना को भी मजबूत बनाती है। उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद का अन्नसेवा अभियान मानवता और सामाजिक समर्पण का प्रतीक है। इस अभियान का उद्देश्य जरूरतमंदों तक भोजन पहुंचाने के साथ-साथ समाज के प्रत्येक व्यक्ति के मन में सेवा और परोपकार की भावना जागृत करना है। जब लोग व्यक्तिगत स्वार्थ से ऊपर उठकर समाज के हित में कार्य करते हैं, तब एक बेहतर और संवेदनशील समाज का निर्माण होता है।जगत नारायण अग्रवाल ने कहा कि भूखे को भोजन कराना और जरूरतमंद के चेहरे पर मुस्कान लाना ईश्वर की सच्ची आराधना के समान है। सेवा के कार्यों में किसी प्रकार का जाति, धर्म अथवा वर्ग का भेदभाव नहीं होना चाहिए। मानवता की सेवा ही सर्वोपरि है और प्रत्येक व्यक्ति को अपनी सामर्थ्य के अनुसार समाजसेवा में योगदान देना चाहिए। सेवा के लिए बड़े संसाधनों से अधिक महत्वपूर्ण मन में समर्पण और सहयोग की भावना होना है।

उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के सदस्य नियमित रूप से अन्नसेवा के माध्यम से समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं। इस प्रकार के सेवा कार्यो से समाज में आपसी सद्भाव बढ़ता है और लोगों को जरूरतमंदों की सहायता करने की प्रेरणा मिलती है। सामूहिक प्रयास, परस्पर सहयोग और निस्वार्थ समर्पण से सेवा के कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाया जा सकता है।उन्होंने सभी सदस्यों से आह्वान किया कि वे सेवा के इस पुनीत अभियान से जुड़े रहें और अधिक से अधिक लोगों को मानवता की सेवा के लिए प्रेरित करें। राधे-राधे ग्रुप का विश्वास है कि सेवा, संस्कार और समर्पण के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है। जरूरतमंदों की सेवा करना केवल सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि मानवता के प्रति हमारा नैतिक कर्तव्य भी है।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद का यह नियमित अन्नसेवा अभियान सेवा, सहयोग और सद्भाव की भावना को मजबूत करते हुए समाज को मानवता का संदेश दे रहा है।

साईबराबाद गुजराती असोसियेशन द्वारा मियापुर स्थित लोहिया कनवेन्शन गार्डन मे आयोजित नवरात्री उत्सव मे भाग लेते हुए लव फॉर काऊ चेरमेन जसमत पटेल, साथ मे कमलेश महाराज, रिद्धीश जागीरदार, मुकेश चौहान, सी. जी. ए. के अध्यक्ष राजेश महेता, मंत्री मुकेश सावलिया व अन्य।

मदनूर में प्रजावाणी कार्यक्रम में अधिकारियों की गैरहाजिरी

मदनूर, 19 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना सरकार के निर्देशानुसार प्रत्येक सोमवार को मदनूर मंडल विकास कार्यालय में आयोजित होने वाले प्रजावाणी कार्यक्रम में अधिकारियों की अनुपस्थिति का मामला सामने आया। सोमवार को सुबह 10 बजे शुरू होने वाले कार्यक्रम में सुबह 10:50 बजे तक एमपीडीओ प्रभारी और तहसीलदार ही उपस्थित थे, जबकि अन्य विभागों के अधिकारी अनुपस्थित रहे। बाद में कुछ कर्मचारी और अधिकारी कार्यालय पहुंचे।

स्थानीय लोगों ने अधिकारियों से समय पर उपस्थित होकर जनता की शिकायतें सुनने और उनका समाधान करने की मांग की। उन्होंने कहा कि सरकार के निर्देशों के बावजूद सभी विभागों के अधिकारियों का समय पर उपस्थित नहीं होना जनसमस्याओं के समाधान में बाधा बन सकता है।

फ्क्कोरेमुला सीरवी समाज आईमाताजी बड़ेर में पूर्णाहुति के साथ नवरात्रि महोत्सव का समापन किया गया। इस अवसर पर सचिव डायाराम लचेटा, सह सचिव राजाराम गेहलोत, भीकाराम पंवार, रमेश देवड़ा, गणेश पंवार, पुजारी पोकरराम काग, नगाराम काग, पं. बाबूलाल शर्मा व अन्य उपस्थित रहे।

शारदीय नवरात्र के महाअष्टमी एवं महानवमी के पावन अवसर पर प्रातः 8 बजे एनकेएस ग्रुप ऑफ कंपनीज के चेयरमैन एन.के. सिंह एवं उनके परिवार की ओर से वनस्थलीपुरम के साहेब नगर स्थित शांति निकेतन आश्रम में अनाथ एवं मानसिक रूप से परेशान लोगों को अल्पाहार कराया गया। इस अवसर पर इडली, उपमा और जलेबी वितरित की गई। इस सेवा कार्य के अवसर पर नंदकिशोर सिंह, अमरजीत सिंह, रणजीत सिंह, लक्षजीत, छवि, देवांशी तथा शांति निकेतन आश्रम के प्रभारी श्री बलराज उपस्थित रहे।

अष्टमी पर दुर्गा माता की विशेष पूजा, 2027 का कैलेंडर जारी

मंचेरियाल, 19 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अष्टमी पूजा के अवसर पर दुर्गा माता मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की गई। इस दौरान देवी को 108 कमल के फूल और नौ कलश अर्पित कर विधि-विधान से पूजा की गई। कार्यक्रम में जयपुर एसीपी वेंकटेश्वरलू, ग्रुप-1 अधिकारी राजेश, सहायक जिला कोष अधिकारी पंकज, आसिफाबाद जिला लेखा अधिकारी राजेश, मंचेरियल श्रम अधिकारी विवेक और वामसी ने भाग लिया। पूजा के बाद एसीपी वेंकटेश्वरलू ने दुर्गा माता का वर्ष 2027 का कैलेंडर जारी किया।इस अवसर पर पूजा समिति के अध्यक्ष बोदा धर्मेंद्र, सचिव सैदाम लक्ष्मीनारायण, रीना रानी दास, अत्ति सर-ोजा, एरुकला राजेंदर सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

पुराने कपड़ों के संग्रहण में सहयोग का आश्वासन

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थानी जागृति समिति, हैदराबाद की ओर से पहनने योग्य पुराने कपड़ों के संग्रहण शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित गणमान्य अतिथियों ने शिविर में सहयोग प्रदान किया और समिति के प्रत्येक कार्य में आगे भी सहयोग देने का आश्वासन दिया।

समिति के अध्यक्ष श्रीनिवास सोमाणी ने सभी के सहयोग और आश्वासन के लिए आभार व्यक्त किया। पूर्व विधायक श्री प्रेम सिंह राठौड़ ने समाज के लोगों और परिवार के सदस्यों से अपील की कि वे पहनने योग्य पुराने कपड़ों को संग्रहण शिविर में लेकर आएं, ताकि जरूरतमंदों तक कपड़े पहुंचाए जा सकें।

महेश बैंक के पूर्व चेयरमैन श्री रमेश कुमार बंग ने कपड़ों के वितरण में समिति को पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया। वहीं, श्री नारायणलाल बाहेती ने कहा कि समिति द्वारा पिछले 15 वर्षों से बाहेती भवन में पहनने योग्य पुराने कपड़ों का शिविर आयोजित किया जा रहा है, यह उनके लिए प्रसन्नता की बात है। उन्होंने समिति के सभी सदस्यों और पदाधिकारियों की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

इस अवसर पर पूर्व विधायक श्री प्रेम सिंह राठौड़ ने राजस्थानी जागृति समिति, हैदराबाद के अध्यक्ष श्रीनिवास सोमाणी का शॉल और पगड़ी पहनाकर सम्मान किया।

अवसर पर श्रीनिवास सोमाणी अध्यक्ष, प्रेमचंद मुणोत उपाध्यक्ष, मनीष सोमाणी सह कोषाध्यक्ष, बाला प्रसाद मोदाणी सदस्य, गोविंदराव बिरादर, मुकेश शर्मा आदि उपस्थित थे।

सूरज भान परिवार द्वारा दुर्गा पूजा का आयोजन

हैदराबाद, 19 अक्टूबर। सूरज भान परिवार द्वारा सूरज भान गार्डन (सर्वे नं. 1, हुसैन शाहवली दरगाह, आर.आर. जिला, शेखपेट के पास) में मां दुर्गा पूजा का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर 1,000 से अधिक भक्तों ने भाग लिया।1964 में स्थापित सूरज भान गार्डन हैदराबाद के सबसे पुराने अंगूर उद्यानों में से एक है और शहर की धरोहर का हिस्सा है। यहां पूजा के बाद भक्ति भजनों का आयोजन हुआ, जिससे पूरा वातावरण आध्यात्मिक हो गया। सूरज भान गार्डन के सह-मालिक श्री मनीष कुमार ने कहा, 1,000 से अधिक भक्तों का आना हमें बहुत खुशी देता है। हम मां दुर्गा के आशीर्वाद से सभी के स्वास्थ्य, खुशी, शांति और समृद्धि की प्रार्थना करते हैं। 1964 से चली आ रही इस ऐतिहासिक जगह पर पारंपरिक पूजा का आयोजन हमारे परिवार के लिए विशेष अर्थ रखता है।

यह आयोजन आस्था, परंपरा और सामुदायिक भागीदारी का प्रतीक रहा।

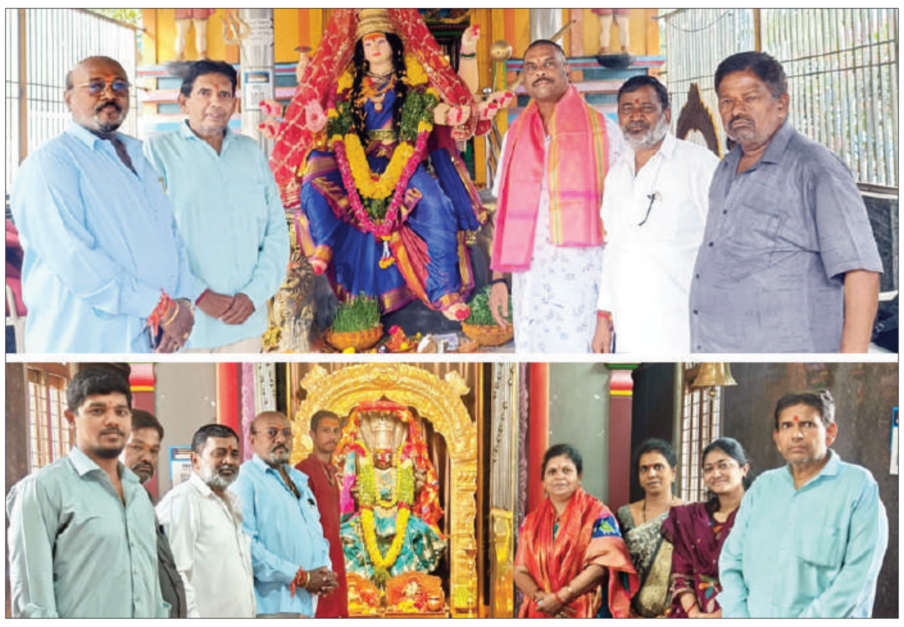

कोठी स्थित श्री नल्ला पोचम्मा मंदिर परिसर में वरिष्ठ कांग्रेस नेता गणेश द्वारा नवरात्रि उत्सव का विशेष एवं भव्य आयोजन किया गया। आयोजन में अंबरपेट विधायक कालेरु वेंकटेश की पत्नी व पूर्व कॉरपोरेटर श्रीमती कालेरु पद्मा विशेष रूप से उपस्थित रहीं। उनके साथ वरिष्ठ नेता श्रीनिवास चारी, आर. ए. विनोद कुमार, चंद्र मोहन यादव और राजेश्वर सहित कई अन्य प्रमुख हस्तियों ने मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की।

हिंदू समाज में साहस, एकता और सेवा भावना को बढ़ावा देना आवश्यक: बालस्वामी

हैदराबाद, 19 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हिंदू धर्म परंपरा में शस्त्र पूजा (आयुध पूजा) का विशेष और अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। उक्त विचार विश्व हिंदू परिषद के तेलंगाना प्रदेश धर्माचार्य संपर्क प्रमुख पगुडाकुल बालस्वामी ने व्यक्त किए। विजयादशमी के पावन अवसर पर नारायणपेट में बजरंग दल के तत्वावधान में भव्य आयुध पूजा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सोमवार को जिला मुख्यालय स्थित भवानी माता मंदिर परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में बालस्वामी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

समारोह को संबोधित करते हुए बालस्वामी ने कहा कि शस्त्र पूजा धर्म की रक्षा, समाज की सुरक्षा और अन्याय का डटकर सामना करने के साहस का प्रतीक है। जिस प्रकार मां दुर्गा ने महिषासुर का वध कर धर्म की स्थापना की और भगवान श्रीराम ने रावण पर विजय प्राप्त की, विजयादशमी का यह पर्व हमें संदेश देता है कि अंततः विजय धर्म की ही होती है। उन्होंने आगे कहा कि प्राचीन काल में राजा और सैनिक देश व प्रजा की रक्षा के संकल्प के साथ अपने अस्त्र-शस्त्रों की पूजा करते थे। वर्तमान समय में भी आयुध पूजा हमारे भीतर आत्मविश्वास, कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन और धर्म रक्षा के प्रति जिम्मेदारी की भावना जगाती है।

उन्होंने हिंदू समाज से जाति-पाति से ऊपर उठकर एकजुट रहने, असहायों की मदद करने, महिलाओं का सम्मान करने और युवाओं में देशभक्ति व सेवा भावना जागृत करने का आह्वान किया।कार्यक्रम में विश्व हिंदू परिषद नारायणपेट जिला सचिव शिवकुमार, नगर सचिव प्रवीण कड़दास, बजरंग दल जिला संयोजक श्रवण कुमार, गिरीश कर्ली, राजशेखर, मेकला रामकृष्ण, आकाश, चक्री, विजय, शिव, रवि, चरण, नरेश, मोनेश, अनिल, शिवाजी और रवि सहित कई अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

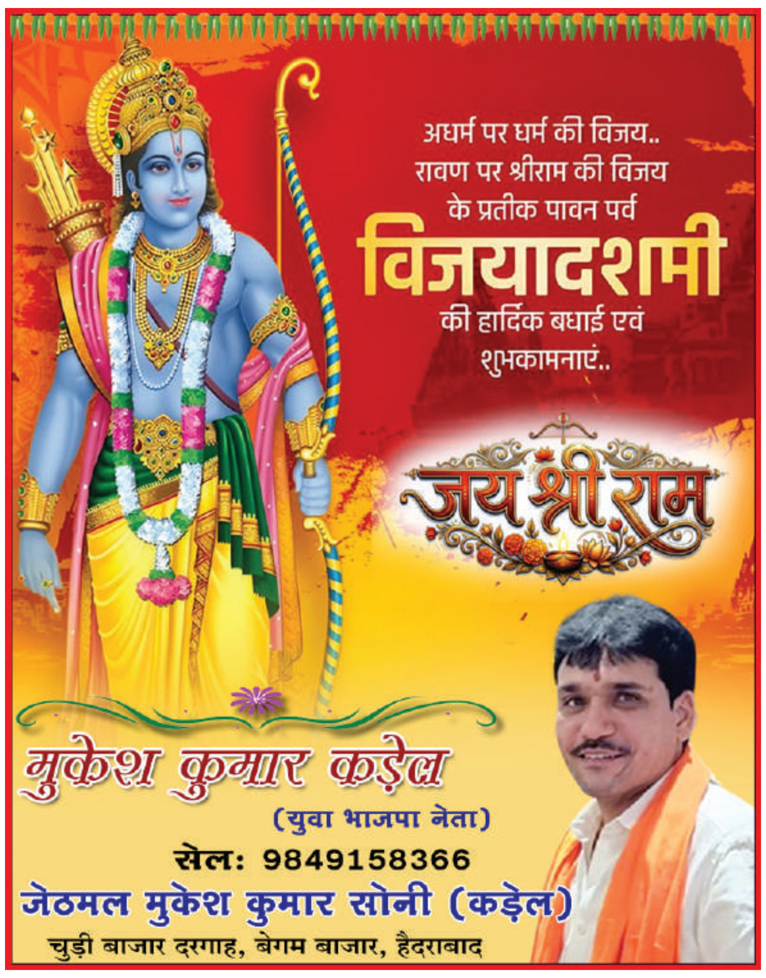

10 साल की आरशी गुप्ता बनीं दुनिया की सबसे युवा मिनी मैक्स चैंपियन

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। फरीदाबाद की 10 वर्षीय कार्टिंग रेसर आरशी गुप्ता ने रविवार को अपने जन्मदिन पर एफएमएससीआई आरएमसी इंडियन नेशनल कार्टिंग चैंपियनशिप 2026 की 'मिनी मैक्स' श्रेणी का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया। इसके साथ ही वह रोटेक्स मैक्स चैलेंज मिनी का खिताब जीतने वाली दुनिया की सबसे कम उम्र की रेसर बन गईं। उन्होंने लगातार दूसरे वर्ष राष्ट्रीय चैंपियनशिप जीती। वर्ष 2025 में उन्होंने 'माइक्रो मैक्स' श्रेणी में खिताब हासिल किया था।

चैंपियनशिप के पांचवें दौर की फाइनल रेस में आरशी ने लगातार आठ बार सबसे तेज लैप का समय दर्ज कर ट्रैक रिकॉर्ड बनाया। वह 'एफ1 अकादमी डिस्कवर योर ड्राइव' कार्यक्रम के लिए चुनी गई दुनिया की सबसे कम उम्र की रेसर भी हैं।

उन्होंने भारत सहित पांच देशों के 21 रेसिंग सर्किटों पर अभ्यास और प्रतिस्पर्धा की है। उनकी इस उपलब्धि पर माता-पिता, कोच और डीपीएस फरीदाबाद के शिक्षकों ने गर्व जताया।

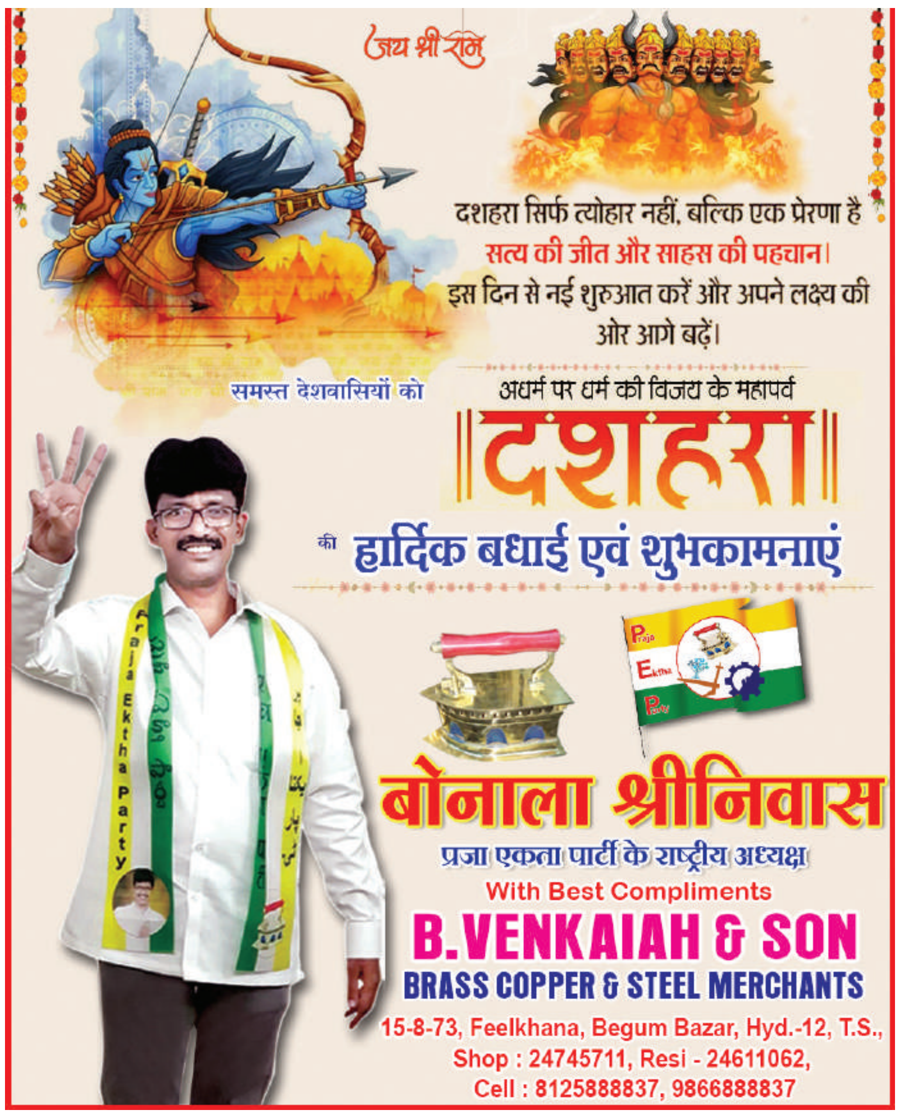

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.